E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक- 09 | प्रयागराज, गुरूवार 12 मार्च, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

कतर बोला- ईरान जंग में मीडिएटर की भूमिका नहीं निभायेंगे,पहले लड़ाई बंद करें, तब कोई रोल निभाएंगे,हम ईरान के दुश्मन नहीं

कतर। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 12वां दिन है। नुकसान पहुंचा है, जिससे कतर काफी परेशान हैं। उन्होंने ईरान, को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे कतर काफी परेशान हैं। उन्होंने यह भी दावा किया है कि उसने इजराइल के कई शहरों पर मिसाइल हमले किए हैं। ईरान के मुताबिक हाइफा, यरुशलम और तेल अवीव को निशाना बनाया गया। ईरान जंग का असर अब एशिया के कई देशों में दिखाई देने लगा है। तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित होने के कारण कम से कम 9 एशियाई देशों में ऊर्जा संकट गहराने लगा है। हालात ऐसे हैं कि अलग-अलग देशों को ईंधन बचाने और ऊर्जा संकट से निपटने के लिए सख्त कदम उठाने पड़े हैं। थाईलैंड ने सरकारी दफ्तरों में लिफ्ट के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है और कर्मचारियों को सीढ़ियों का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कर्मचारियों को सूट-टाई जैसे औपचारिक कपड़े पहनने से भी मना किया गया है, ताकि एयर कंडीशनर के इस्तेमाल को कम किया जा सके। दूसरी ओर पाकिस्तान में खर्च कम करने के लिए मंत्रियों की सैलरी और विदेश यात्राओं पर रोक लगा दी गई है, साथ ही सरकारी खर्च और ईंधन उपयोग में कटौती के फैसले लिए गए हैं।चीन ने कहा है कि वह खाड़ी देशों पर हो रहे हमलों से सहमत नहीं है। चीन का कहना है कि ऐसे हमलों में आम लोगों और गैर-सैन्य जगहों को नुकसान पहुंच रहा है, जो ठीक नहीं हैं। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात कही।

कतर ने ईरान जंग में मध्यस्थता करने से इनकार कर दिया है। कतर विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलअजीज अल-खुलैफी ने कहा कि जंग बंद होने के बाद ही कतर कोई निभाएगा। उन्होंने अल जजीरा से कहा कि कतर ईरान का दुश्मन नहीं है और पूरे रीजन को दुश्मन की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। इस संकट का स्थायी समाधान सिर्फ बातचीत से ही निकल सकता है। विदेश मंत्री ने बताया कि ईरान के हमलों से कतर और उसके पड़ोसी देशों के ऑयल इन्फ्रास्ट्रक्चर को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे कतर काफी परेशान हैं। उन्होंने इजराइल और अमेरिका से अपील की कि वे लड़ाई बंद करें और बातचीत की मेज पर लौटें। कतर विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलअजीज अल-खुलैफी ने कहा कि जंग बंद होने के बाद ही कतर कोई निभाएगा। उन्होंने अल जजीरा से कहा कि कतर ईरान का दुश्मन नहीं है और पूरे रीजन को दुश्मन की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। इस संकट का स्थायी समाधान सिर्फ बातचीत से ही निकल सकता है। विदेश मंत्री ने बताया कि ईरान के हमलों से कतर और उसके पड़ोसी देशों के ऑयल इन्फ्रास्ट्रक्चर को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे कतर काफी परेशान हैं। उन्होंने ईरान, इजराइल और अमेरिका से अपील की कि वे लड़ाई बंद करें और बातचीत की मेज पर लौटें। ईरान का कहना है कि उसके देश में हुए हमलों में करीब 8000 घरों को नुकसान पहुंचा है और 1300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरावानी के मुताबिक देश में करीब 9600 सिविलियन इलाकों को निशाना बनाया गया। इनमें घरों के अलावा बाजार, अस्पताल, मेडिसिन सेंटर्स और स्कूल भी शामिल हैं। इस बीच ईरान ने

ईरान ने इजराइल पर सबसे विध्वंशक हमला शुरू किया

अमेरिकी ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं रिपोर्ट- गूगल-अमेजन ऑफिस पर हमला हो सकता है

तेहरान। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 12वां दिन है। ईरान ने दावा किया है कि उसने इजराइल के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा हमला शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने इजराइल और मिडिल ईस्ट में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। ईरानी मीडिया की एक रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ईरान अमेरिकी टेक कंपनियों के दफ्तरों और डेटा सेंटर्स को भी निशाना बना सकता है। संभावित टारगेट की सूची में गूगल, अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया, आईबीएम और ओरेकल जैसी कंपनियों के नाम बताए गए हैं। इजराइल, दुबई और अबू धाबी में मौजूद इन कंपनियों के ऑफिस और डेटा सेंटर भी निशाने पर हो सकते हैं। इस बीच यूएनएससी आज एक प्रस्ताव पर वोटिंग करने वाली है। इसमें ईरान से कहा गया है कि वो बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, यूएई और जॉर्डन पर हमले बंद करे। चीन ने कहा है कि वह खाड़ी देशों पर हो रहे हमलों से सहमत नहीं है। चीन का कहना है कि ऐसे हमलों में आम लोगों और गैर-सैन्य जगहों को नुकसान पहुंच रहा है, जो ठीक नहीं हैं। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात कही। उन्होंने कहा कि नागरिकों और जरूरी इमारतों को निशाना बनाना गलत है और इससे इलाके में तनाव और बढ़ सकता है। हालांकि चीन ने अपने बयान में किसी देश का नाम नहीं लिया, कतर ने ईरान जंग में मध्यस्थता करने से इनकार कर दिया है। कतर विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलअजीज अल-खुलैफी ने कहा कि जंग बंद होने के बाद ही कतर कोई निभाएगा। उन्होंने अल जजीरा से कहा कि कतर ईरान का दुश्मन नहीं है और पूरे रीजन को दुश्मन की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। इस संकट का स्थायी समाधान सिर्फ बातचीत से ही निकल सकता है। विदेश मंत्री ने बताया कि ईरान के हमलों से कतर और उसके पड़ोसी देशों के ऑयल इन्फ्रास्ट्रक्चर को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे कतर काफी परेशान है।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

राहुल बोले- पीएम कॉम्प्रोमाइज्ड हैं, हमें बोलने से रोका गया

नयी दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज का आज तीसरा दिन है। लोकसभा में स्पीकर के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा जारी है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी और विपक्ष पर कई आरोप लगाए। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि हम जब भी बोलने को होते हैं हमे रोका-टोका जाता है। उन्होंने कहा कि यह चर्चा लोकतंत्र और स्पीकर की भूमिका पर है। कई मौकों पर मेरा नाम लिया गया। हर समय हमें बोलने से रोका गया। राहुल ने कहा कि आखिरी बार बोलते हुए मैंने प्रधानमंत्री की ओर से कॉम्प्रोमाइज का मुद्दा उठाया था। सदन देश का प्रतिनिधित्व करता है। पहली बार विपक्ष के नेता को नहीं बोलने दिया गया। पीएम कॉम्प्रोमाइज्ड हैं। राहुल के इतना बोलने पर रविशंकर प्रसाद ने कहा- नेवर...नेवर। पीएम मोदी का भारत कभी कॉम्प्रोमाइज्ड नहीं होगा। इनको बेसिक समझदारी भी नहीं है। स्पीकर ने कई बार चेयर घेरी गई, कागज फेंके गए, लेकिन वह मुस्कराते रहे।स्पीकर ओम बिरला को हटाने के लिए विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर मंगलवार को करीब 7 घंटे बहस हो चुकी है। विपक्षी सांसद ओम बिरला पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात का आरोप लगाते हुए अविश्वास प्रस्ताव लाए थे। 50 से अधिक सांसदों के प्रस्ताव के समर्थन में वोट करने के बाद पीठासीन अधिकारी ने इसे सदन में पेश करने और चर्चा की मंजूरी दी थी। बहस की शुरुआत करते हुए कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि बजट सत्र के दौरान 20 बार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को रोका-टोका गया। उन्हें बार बार रूलिंग बुक दिखाई गई। विपक्ष ने कहा कि स्पीकर सरकार के दबाव में काम कर रहे हैं।वहीं संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि ओम बिरला पर लगे आरोप झूठे हैं। वे निष्पक्षता से सदन की कार्यवाही चलाते हैं। 15वीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष केवल 2 बार बोले। जब सेशन चलता है, तो विदेश चले जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार इच्छामृत्यु की इजाजत दी,13 साल से कोमा में है बेटा, माता-पिता ने लगाई थी गुहार

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इच्छामृत्यु मामले में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने 13 साल से कोमा में रह रहे 31 साल के युवक हरीश राणा को इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की मंजूरी दे दी। गाजियाबाद के रहने वाले हरीश लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर हैं। देश में इस तरह का यह पहला मामला है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने एम्स को निर्देश दिया कि हरीश के लाइफ सपोर्ट सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए। यह प्रोसेस इस तरह से की जानी चाहिए कि मरीज की गरिमा बनी रहे। पैसिव यूथेनेशिया का मतलब होता है कि किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफ सपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है, उसे रोक दिया जाए या हटा लिया जाए, ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके।सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला हरीश की मां निर्मला राणा और पिता अशोक राणा की इच्छामृत्यु देने की अपील पर सुनाया। फैसले पर पिता अशोक ने कहा-'हम इसके लिए लंबे समय से लड़ रहे थे। कौन से माता-पिता अपने बेटे के लिए ऐसा चाहेंगे। पिछले 3 साल से हम यह मामला लड़ रहे थे। अब उसे एम्स ले जाया जाएगा। वह पंजाब यूनिवर्सिटी में टॉपर हुआ करता था।' दिल्ली में जन्मे हरीश राणा चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई कर रहे थे। 2013 में वह हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गए। इसकी वजह से उनके पूरे शरीर में लकवा मार गया और वह कोमा में चले गए। वह न कुछ बोल सकते हैं और न ही महसूस कर सकते हैं। डॉक्टर्स ने हरीश को क्वाड्रिप्लेजिया बीमारी से पीड़ित करार दिया। इसमें मरीज पूरी तरह से फीडिंग ट्यूब यानी खाने-पीने की नली और वेंटिलेटर सपोर्ट पर निर्भर रहता है। इसमें रिकवरी की कोई गुंजाइश नहीं होती। 13 साल से बिस्तर पर पड़े होने की वजह से हरीश के शरीर पर बेडसोर्स यानी गहरे घाव बन गए हैं। उनकी हालत लगातार खराब होती जा रही है। यह स्थिति हरीश के लिए बहुत दर्दनाक है। परिवार के लिए उन्हें ऐसे देखना मानसिक रूप से बेहद कठिन हो गया है। वेंटिलेटर, दवाइयों, नर्सिंग और देखभाल पर कई साल से इतना खर्च हो चुका है कि परिवार आर्थिक रूप से टूट चुका है। जस्टिस पारदीवाला ने फैसला सुनाते वक्त अमेरिकी धर्मगुरु हेनरी वार्ड बीचर के शब्दों का हवाला देते हुए कहा, 'ईश्वर मनुष्य से यह नहीं पूछते कि वह जीवन स्वीकार करता है या नहीं, उसे जीवन लेना ही पड़ता है।' उन्होंने विलियम शेक्सपीयर के प्रसिद्ध नाटक हेलमेट की पंक्ति 'ऊद॰ा दे हद्दू द॰ा' का भी जिक्र करते हुए कहा कि अदालतों को कई बार इसी तरह के प्रश्नों के संदर्भ में 'मरने के अधिकार' पर विचार करना पड़ता है। लाइफ सपोर्ट हटाने का निर्णय दो आधारों पर होना चाहिए:- यह हस्तक्षेप चिकित्सा उपचार की श्रेणी में आता हो। यह मरीज के सर्वोत्तम हित में हो। अदालत ने यह भी कहा कि डॉक्टर का कर्तव्य मरीज का इलाज करना है, लेकिन जब मरीज के ठीक होने की कोई संभावना न हो, तो यह कर्तव्य उसी रूप में कायम नहीं रहता।

देशभर में एलपीजी की किल्लत,लगी लंबी लाइनें,यूपी-बिहार में पुलिस सुरक्षा में सिलेंडर बंट रहे

नयी दिल्ली। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में एलपीजी की किल्लत हो रही है। गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसियों पर लंबी लाइनें लगी हैं। दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर रोक से होटलों और रेस्टोरेंट्स में खाना नहीं बन पा रहा है। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई ठप होने से सबसे ज्यादा संकट होटल-रेस्टॉरेंट पर है। वहीं घरेलू रसोई गैस लेने के लिए गैस एजेंसियों के बाहर लंबी लाइनें लगी है। जिन घरों में शादी है, वे टेंशन में हैं। अकेले भोपाल में ही 20 दिन में एक हजार से ज्यादा शादियां हैं। कैटरर्स का कहना है कि ये इमरजेंसी जैसी स्थिति है। उत्तर प्रदेश में बुकिंग के 4 से 5 दिन बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं। गैस एजेंसियों के बाहर लाइनें लगने लगी हैं। गोरखपुर-सिद्धार्थनगर में पुलिस सुरक्षा में सिलेंडर बांटे जा रहे हैं। एजेंसियों पर तड़के 3 बजे से ही लोग लाइन लगाने पहुंच रहे हैं। घंटों इंतजार कर रहे हैं, लेकिन सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। वजह- सिलेंडर कम हैं और लेने वालों की संख्या ज्यादा।यहां भी 2 दिन से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की बुकिंग बंद है। इस वजह से होटल,रेस्टॉरेंट पर असर पड़ा है। घरेलू गैस को लेकर भी राज्य के कई जिलों में लोगों की लंबी कतार दिखी। गोपालगंज, खगड़िया, औरंगाबाद, पटना समेत कई जिलों में लोग सुबह से ही गैस एजेंसी पहुंचने लगे। कई एजेंसियों में ताला लटका है। कोई कर्मचारी भी यहां मौजूद नहीं हैं। संकट से निपटने सरकार ने 5 जरूरी कदम उठाए- 1. हाई-लेवल कमेटी बनाईः संकट को देखते हुए पेट्रोलियम मंत्रालय ने तीन तेल कंपनियों के कार्यकारी निदेशकों की एक हाई-लेवल कमेटी बनाई है, जो सप्लाई की समीक्षा करेगी। 2. एसेंशियल कमोडिटी एक्ट लागूः गैस की सप्लाई को कंट्रोल करने के लिए केंद्र सरकार ने देशभर में 'एसेंशियल कमोडिटी एक्ट 1955' लागू कर दिया है। 3. 25 दिन बाद होगी एलपीजी बुकिंगः घरेलू सिलेंडर की बुकिंग के नियमों में बदलाव किया है। उपभोक्ता एक सिलेंडर डिलीवर होने के बाद दूसरा सिलेंडर 25 दिन बाद ही बुक होगा। 4. ओटीपी और बायोमेट्रिक अनिवार्यः गैस की जमाखोरी रोकने के लिए डिलीवरी एजेंट ओटीपी या बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन का सख्ती से इस्तेमाल कर रहे हैं। 5. एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का आदेशः सरकार ने सभी ऑयल रिफाइनरीज को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया था। सूत्रों का कहना है कि अब उत्पादन 10फीसदी बढ़ गया है।

गुजरात आ रहे थाई जहाज पर होर्मुज स्ट्रेट में हमला,ओमान की नौसेना ने 20 क्रू मेंबर का रेस्क्यू किया

तेहरान। गुजरात आ रहे थाईलैंड के एक कार्गो जहाज पर होर्मुज स्ट्रेट में हमला हुआ है। ओमान के पास चल रहे इस जहाज को प्रोजेक्टाइल से निशाना बनाया गया। थाईलैंड के परिवहन मंत्रालय ने बताया कि जहाज पर मौजूद 23 में से 20 क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया है। थाई झंडे वाला यह बल्क कैरियर मयूरी नारी संयुक्त अरब अमीरात से रवाना हुआ था। होर्मुज स्ट्रेट से गुजरते समय जहाज के पिछले हिस्से पर हमला हुआ, जिससे इंजन रूम में आग लग गई। बताया गया है कि तीन लापता क्रू सदस्य उस समय इंजन रूम में ड्यूटी पर थे। कैप्टन के आदेश पर बाकी क्रू ने जहाज छोड़ दिया और लाइफबोट में सवार हो गए। ओमान की नौसेना ने 20 क्रू मेंबर को बचाकर खसाब शहर पहुंचाया। थाईलैंड के अधिकारियों के मुताबिक रॉयल थाई नेवी स्थिति पर नजर रखे हुए है और बचाव अभियान के लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है। ईरान के तेहरान विश्वविद्यालय के प्रोफेसर फोआद इजादी ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट कई महीनों तक बंद रह सकता है। उनका कहना है कि जब तक ईरान को युद्ध से हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई नहीं मिलती, तब तक यह जलमार्ग बंद रह सकता है।

इजादी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट वैश्विक ऊर्जा सप्लाई के लिए बेहद अहम है और दुनिया के करीब 20फीसदी तेल का ट्रांसपोर्ट इसी समुद्री मार्ग से होता है। उनके मुताबिक इस जलमार्ग को बंद करना युद्ध में ईरान के सबसे शक्तिशाली हथियारों में से एक हो सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 दिनों में ईरान को अरबों डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है और इसकी कीमत चुकानी होगी।

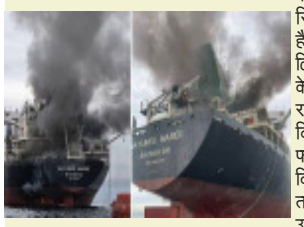

शाह बोले-जो नियम से नहीं चलेंगे,उनका माइक बंद होगा,शशि थरूर इन्हें सिखाते क्यों नहीं

नयी दिल्ली। लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना अफसोसजनक, क्योंकि स्पीकर किसी एक दल के नहीं है, वे सभी के हैं। उन्होंने कहा कि स्पीकर को नियमों के उल्लघंन पर रोकने और टोकने का अधिकार है। ये सदन मेला नहीं है, जो नियम से नहीं चलेंगे,उनका माइक बंद होगा। शाह ने कहा, शिष्टाचार यह है कि लोकसभा नियमों के अनुसार चले। अब कोई खड़ा होकर कुछ भी बोलेगा, तो स्पीकर को उसे बैठाना पड़ेगा। मैं स्पीकर के अविश्वास प्रस्ताव पर आज बोल रहा हूं, तो माओवाद पर लेक्चर नहीं दे सकता। बोलूंगा तो स्पीकर मुझे भी बैठा देंगे। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा, अरे भाई यहां नियमों से बोलना पड़ता है, यहां इतने वरिष्ठ सदस्य बैठे हैं, मुझे तो अभी भी नहीं मालूम पड़ता कि शशि थरूर, बालू साहब बैठे हैं, क्यों नहीं सिखाते उन्हें। इतना सीखा दें तो समस्या का वहीं समाधान हो जाए। वे कहते हैं, हमें बोलने नहीं देते हैं।इससे पहले रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी और विपक्ष पर कई आरोप लगाए। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि हम जब भी बोलने को होते हैं हमे रोका-टोका जाता है। उन्होंने कहा कि यह चर्चा लोकतंत्र और स्पीकर की भूमिका पर है। कई मौकों पर मेरा नाम लिया गया। हर समय हमें बोलने से रोका गया। राहुल ने कहा कि आखिरी बार बोलते हुए मैंने प्रधानमंत्री की ओर से कॉम्प्रोमाइज का मुद्दा उठाया था। सदन देश का प्रतिनिधित्व करता है। पहली बार विपक्ष के नेता को नहीं बोलने दिया गया। पीएम कॉम्प्रोमाइज्ड हैं। राहुल के इतना बोलने पर रविशंकर प्रसाद ने कहा- नेवर...नेवर। पीएम मोदी का भारत कभी कॉम्प्रोमाइज्ड नहीं होगा। इनको बेसिक समझदारी भी नहीं है। स्पीकर ने कई बार चेयर घेरी गई, कागज फेंके गए, लेकिन वह मुस्कराते रहे।स्पीकर ओम बिरला को हटाने के लिए विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर मंगलवार को करीब 7 घंटे बहस हो चुकी है। विपक्षी सांसद ओम बिरला पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात का आरोप लगाते हुए अविश्वास प्रस्ताव लाए थे। 50 से अधिक सांसदों के प्रस्ताव के समर्थन में वोट करने के बाद पीठासीन अधिकारी ने इसे सदन में पेश करने और चर्चा की मंजूरी दी थी। बहस की शुरुआत करते हुए कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि बजट सत्र के दौरान 20 बार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को रोका-टोका गया।

रूस से 3 करोड़ बैरल कच्चा तेल खरीदेगा भारत,रिलायंस-आईओसी से करार

नयी दिल्ली। ईरान-इजराइल में जारी जंग के बीच स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज रूट बंद हो गया है। ऐसे में कच्चे तेल की सप्लाई बंद होने के बाद भारत करीब 3 करोड़ बैरल कच्चा तेल रूस से खरीदेगा। यह दावा ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट में बताया कि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियों ने रूस से तेल के एग्रीमेंट किए हैं। हाल ही में अमेरिका ने समुद्र में फंसे रूसी तेल के शिपमेंट्स खरीदने के लिए भारत को 30 दिन (3 अप्रैल तक) की छूट देने का दावा किया था। हालांकि, इस पर भारतीय अधिकारी कह चुके हैं कि भारत तेल खरीदने के लिए किसी भी देश की इजाजत पर निर्भर नहीं है।रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमलों के बाद 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' के जरिए होने वाली तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है। ऐसे में भारतीय रिफाइनर्स ने उन रूसी जहाजों को सुरक्षित किया है जो पहले से ही एशियाई समुद्र में मौजूद थे, लेकिन उन्हें खरीदार नहीं मिल रहे थे। ट्रेडर्स का कहना है कि इंडियन ऑयल ने करीब 1 करोड़ बैरल और रिलायंस ने भी कम से कम 1 करोड़ बैरल तेल खरीदा है। बाकी बचा हुआ तेल अन्य भारतीय रिफाइनिंग कंपनियों ने लिया है।शिपिंग डेटा से पता चला है कि रूसी जहाज 'मायलो' और 'सारा' जैसे कई बड़े तेल टैंकर, जो पहले सिंगापुर की ओर जा रहे थे, उन्होंने अब भारत के बंदरगाहों की तरफ अपना रास्ता मोड़ लिया है। अमेरिकी छूट मिलने के तुरंत बाद इन जहाजों के डेस्टीनेशन बदल दिए गए। रूस ने इस बार यूराल्स, ईएसपीओ और वरान्डे जैसे ग्रेड का तेल ऑफर किया है।पिछले कुछ महीनों में भारत ने रूस से तेल की खरीद कम कर दी थी और इसकी जगह सऊदी अरब और इराक से ज्यादा तेल लेना शुरू किया था। आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी में रूस से आयात घटकर 10.6 लाख बैरल प्रति दिन रह गया था, जो कि 2024 के मध्य में 20 लाख बैरल प्रति दिन से ज्यादा था। अब मिडिल ईस्ट संकट की वजह से एक बार फिर भारत ने रूस की तरफ रुख किया है, ताकि देश में ऊर्जा की किल्लत न हो।ईरान ने 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को ब्लॉक कर दिया है, जहां से दुनिया की 20फीसदी तेल सप्लाई होती है। वहीं, भारत अपनी जरूरत का 50फीसदी कच्चा तेल और 54फीसदी एलएनजी इसी रास्ते से मंगाता है, लेकिन वर्तमान हालात को देखते हुए भारत ने अपनी रणनीति बदल ली है और इस विवादित रास्ते पर निर्भरता कम कर दी है।

एअर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट का लैंडिंग के दौरान पहिया निकला,थाइलैंड में हार्ड लैंडिंग

बैंकॉक। थाईलैंड में एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट बुधवार दोपहर लैंडिंग के दौरान हादसे का शिकार हो गई। विमान के रनवे पर उतरते ही उसका नोज गियर टूट गया और आगे का पहिया अलग हो गया। फ्लाइट हैदराबाद से फुकेट जा रही थी। थाई अखबार द नेशन के मुताबिक घटना के बाद कुछ समय के लिए रनवे बंद करना पड़ा, हालांकि विमान में सवार सभी 133 यात्री सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यह फ्लाइट तय समय से पहले फुकेट पहुंच गई थी। विमान का निर्धारित लैंडिंग का समय सुबह 11:40 था, लेकिन यह 11:24 बजे ही उतर गया। बताया जा रहा है कि विमान की लैंडिंग काफी तेज हुई, जिसकी वजह से उसके आगे वाले लैंडिंग गियर को नुकसान पहुंचा। पहिया अलग हो जाने की वजह से विमान तुरंत रनवे से हटाया नहीं जा सका।एयरपोर्ट अधिकारियों ने स्थिति को जल्दी काबू में कर लिया। विमान में सात क्रू सदस्य, 131 यात्री और दो बच्चे सवार थे। इस घटना के बाद फुकेट इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने रनवे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया ताकि विमान को हटाया जा सके और रनवे की सुरक्षा जांच की जा सके।एयरपोर्ट के मुताबिक एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट ए.एक्स.बी 938 हैदराबाद से फुकेट आई थी। यह विमान बोइंग 737-800 था, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर विटी-बीडब्लूक्यू है।

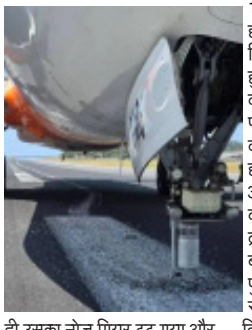

मनोकामना पार्क में होली मिलन व हास्य कवि सम्मेलन, कवियों ने बांधा समां

अंजलि तिवारी और राधा शुक्ला को मिला महिला दिवस सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नैनी/प्रयागराज। अवन्तिका क्षेत्र स्थित मनोकामना पार्क में होली के पावन अवसर पर भव्य होली मिलन समारोह एवं हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। रंग और उमंग से सराबोर इस कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक प्रतिष्ठित कवियों, साहित्यकारों और गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। देर रात तक चले इस आयोजन में कविता, हास्य और व्यंग्य की शानदार प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत मनोकामना मंदिर परिसर में स्थापित भगवान भोलेनाथ और संकट मोचन हनुमान जी के चरणों में पुष्प अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलित कर की गई। इसके बाद साहित्यिक कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का संयोजन कवयित्री राधा शुक्ला द्वारा किया गया, जबकि शुभारंभ सौम्या शुक्ला की मधुर सरस्वती वंदना से हुआ। उनकी प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय और सांस्कृतिक रंगों से भर दिया। कवि सम्मेलन में विभिन्न कवियों ने हास्य, व्यंग्य, सामाजिक सरोकार और देशभक्ति से ओतप्रोत रचनाएं प्रस्तुत कीं। डॉ. शिव प्रकाश साहित्य ने अपनी संवेदनशील कविता 'बेटियां हैं कली' के माध्यम से समाज में बेटियों के महत्व को रेखांकित करते हुए उनके सम्मान और संरक्षण का संदेश दिया। उनकी कविता को श्रोताओं ने खूब सराहा और तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। वहीं नजर इलाहाबादी ने अपनी प्रभावशाली रचना के माध्यम से समाज में प्रतिभा के सम्मान और न्यायपूर्ण व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। उनकी प्रस्तुति ने श्रोताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया और पूरे पंडाल में वाह-वाह की गूंज सुनाई दी। इसके अलावा डॉ. जगदम्बा शुक्ल ने अपनी चर्चित पंक्तियां 'ये खुश रहे जहान तो समझो कि है होली,भारत रहे महान तो समझो कि है होली' सुनाकर श्रोताओं का दिल जीत लिया। उनकी देशभक्ति और सामाजिक संदेश से भरी रचना को लोगों ने खूब सराहा। कार्यक्रम की संयोजिका कवयित्री राधा शुक्ला ने भी अपनी भावपूर्ण कविता 'प्रीति राधा सी तुमसे निभाएगी वो, जानकी सी गृहस्थी चलाएगी वो' प्रस्तुत कर दर्शकों की भरपूर तालियां बटोरीं। उनकी प्रस्तुति ने कार्यक्रम को और भी ऊंचाई प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. राजेन्द्र शुक्ल ने अत्यंत प्रभावशाली अंदाज में किया। उन्होंने अपनी रचना 'खुश होकर गले मिलिए और रोली लगाइए' के माध्यम से होली के प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया। उनके संचालन ने पूरे कार्यक्रम को रोचक और जीवंत बनाए रखा। इस अवसर पर विकास वैभव और लखन प्रतापगढ़ी ने भी अपनी हास्य और व्यंग्य से भरपूर रचनाएं प्रस्तुत कर श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। उनकी प्रस्तुतियों के दौरान पंडाल में ठहाकों की गूंज सुनाई देती रही। कार्यक्रम के अंतिम चरण में मैनपुरी से पधारे सुप्रसिद्ध कवि मनोज चौहान ने वीर रस से ओतप्रोत कविताओं का पाठ किया। उनकी प्रसिद्ध पंक्तियां 'हम सब उनको भूल गए जो आजादी में खास रहे' सुनकर श्रोताओं के भीतर देशभक्ति की भावना जाग उठी और पूरे पंडाल में तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कवियों की रचनाओं का भरपूर आनंद लिया और होली के इस सांस्कृतिक आयोजन की सराहना की। लोगों का कहना था कि ऐसे कार्यक्रम समाज में साहित्य, संस्कृति और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का काम करते हैं। देर रात तक चले इस आयोजन ने क्षेत्र के लोगों को एक मंच पर जोड़ने का कार्य किया और होली के पर्व को और भी यादगार बना दिया। इस अवसर पर अरुण तिवारी ममता पाण्डेय, राकेश शुक्ला, नवनीत पाण्डेय, पंकज पाण्डेय, युवराज मिश्रा, चन्द्रशेखर मिश्र, सपना जायसवाल राजनारायण तिवारी, ललित, रितेश, अनवर गुप्ता, रोहित मिश्रा और रंजीत आनंद सहित क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य शिविर का समापन, सचिव रेखा सेन ने किया शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ग्वालियर। ब्यूटी पार्लर एसोसिएशन ग्वालियर द्वारा आयोजित चार दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। डायरेक्टर नीरज जैन ने बताया कि शिविर के अंतिम दिन एसोसिएशन की सचिव श्रीमती रेखा सेन ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अतिथियों ने स्वास्थ्य शिविर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर समाज में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने के साथ साथ लोगों को समय पर चिकित्सकीय सलाह भी उपलब्ध कराते हैं। शिविर के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों का परीक्षण कर उन्हें आवश्यक परामर्श और उपचार संबंधी मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में एसोसिएशन के पदाधिकारी, सदस्य तथा अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रयागराज में एडिशनल पुलिस कमिश्नर डॉक्टर अजय पाल द्वारा धारा-144 लागू

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में एडिशनल पुलिस कमिश्नर डॉक्टर अजय पाल द्वारा धारा-144 लागू करने के पश्चात शहर के विभिन्न स्थान पर चेकिंग अभियान शुरू हो गया है जिसके चलते प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट के तीनों जोन पर पुलिस द्वारा लगातार गाड़ियों की चेकिंग की जा रही है चेकिंग के दौरान काले शीशे वेद ड्राइविंग लाइसेंस एवं गाड़ी चलाने वाले द्वारा किसी प्रकार का कोई नशा तो नहीं किया गया है इसकी जांच मुख्यतः की जा रही है।

'श्रद्धांजलि से शुरुआत, होली मिलन की गुजिया की मिठास–मीडिया क्लब में दिखी पत्रकारों की एकता'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज।मीडिया क्लब प्रयागराज में आज एक भावपूर्ण और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत श्रद्धांजलि सभा से हुई, जिसमें सभी उपस्थित पत्रकारों ने खड़े होकर 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी।

इस दौरान जीवन एक्सप्रेस के संपादक अनुपम शुक्ला की सासू मां (माता जी) तथा वरिष्ठ पत्रकार टी.के. पांडे जी की माता जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि सभा के बाद कार्यक्रम में मीडिया क्लब के अध्यक्ष अनुपम शुक्ला एवं सचिव अजीत सिंह की मौजूदगी में मीडिया क्लब के सभी सम्मानित पत्रकारों ने कल पत्रकार के साथ हुई घटना की कड़ी निंदा की अध्यक्ष जी एवं सचिव जी ने साथियों को गुजिया खिलाकर मुंह मीठा कराया और एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान पूरे माहौल में आपसी भाईचारा और अपनापन साफ दिखाई दिया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में पत्रकारों के लिए एक छोटी कार्यशाला भी आयोजित की गई, जिसमें पत्रकारिता के बेसिक गुणों पर चर्चा की गई। इसमें बताया गया कि फील्ड में काम करते समय पत्रकारों को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है और उनसे कैसे सावधानीपूर्वक निपटना चाहिए। कार्यशाला में यह भी बताया गया कि पत्रकारों को लोगों से बेहतर संबंध बनाकर कैसे काम करना चाहिए, मौके पर किस तरह से प्रतिक्रिया देनी चाहिए और हमेशा 'Safety First' को प्राथमिकता देनी चाहिए।इस दौरान पत्रकारिता से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई और यह भी कहा गया कि भविष्य में भी इस तरह की कार्यशालाएं समय-समय पर आयोजित की जाती रहेंगी, ताकि पत्रकारों को सीखने और खुद को बेहतर बनाने का अवसर मिलता रहे। वही इस दौरान कार्यक्रम में नीरज पुंडीर अतिथि, वरिष्ठ पत्रकार सलमान अहमद,कोषाध्यक्ष अनवर खान,प्रशांत शर्मा, बृजेश,अजय कुशवाहा ,आकाश गुप्ता,जी एन वैश, अभिषेक गुप्ता,शिशिर गुप्ता, शिव मालवीय,शकील खान, हिमांशु त्रिपाठी, सैयद मोहम्मद आमिर, विलास गुप्ता,श्यामू कुशवाहा, मनोज मनोज सिंह मनु, मोहम्मद शकील समेत कई पत्रकार मौजूद रहे। नोट इसमें अगर किसी का नाम छूट गया हो तो कृपया अपना नाम ऐड कर लें।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। बीते दिन बुधवार को एक महिला जो नए यमुना पुल से यमुना नदी में कूद गई थी मौके पर जल पुलिस द्वारा निकला गया। महिला को एसआरएन हॉस्पिटल लाया गया जहां डाक्टरों के द्वारा उक्त महिला को मृत घोषित कर दिया गया है। महिला के शव को एसआरएन मर्चरी हाउस में दाखिल किया गया। विधिक कार्यवाही की गई. जिसके बाद दोपहर तक उक्त महिला की पहचान परिजनों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से हो चुकी है उक्त महिला का नाम ज्योति शुक्ला पत्नी स्वर्गीय प्रदीप शुक्ल (उम्र 42 वर्ष) पुत्री जगदीश चंद्र मिश्र निवासिनी चक लाल मोहम्मद थाना नैनी की है।

30प्र0 पुलिस में उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराने हेतु बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में 30प्र0 पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा 30प्र0 पुलिस में उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा 14 व 15 मार्च 2026 प्रत्येक दिवस को दो पाली में प्रथम पाली समय प्रातः 10:00 बजे से मध्यान्ह 12:00 बजे तक व द्वितीय पाली समय अपरान्ह 03:00 बजे से 05:00 बजे तक जनपद के 12 परीक्षा केन्द्रों पर प्रश्नगत परीक्षा को शुचितापूर्ण, नकलविहीन, निर्विघ्न सम्पन्न कराने हेतु बैठक सम्पन्न हुई।जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में प्रत्येक पाली में कुल 3600 परिक्षार्थी प्रतिभाग करेंगे। प्रश्नगत परीक्षा के अवसर पर कानून एवं शान्ति व्यवस्था सुनिश्चित कराने एवं परीक्षा को शुचितापूर्वक सम्पन्न कराने हेतु सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किये गये है। परीक्षा केन्द्र पर जिला प्रशासन द्वारा तैनात स्टैटिक मजिस्ट्रेट आवंटित परीक्षा केन्द्रों की भौगोलिक स्थिति की जानकारी सस्मय अवश्य कर लेंगे और परीक्षा दिवस पर परीक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व कम से कम 03 घंटा पहले अनिवार्य रूप से पहुंच जायेगें। परीक्षा केन्द्र पर अभ्यर्थियों की फ्रिस्किंग, सी0सी0 टी0वी0 कन्ट्रोल रूम का निरीक्षण करेंगे। सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने सेक्टर का भ्रमण कर आवागमन के मार्गों तथा विशेष परिस्थितियों में प्रयुक्त होने वाले वैकल्पिक मार्गों की जानकारी ससमय अवश्य कर लें। सेक्टर मजिस्ट्रेट परीक्षा के दौरान केन्द्र व्यवस्थापक से समन्वय बनाते हुए परीक्षा केन्द्र पर समस्त व्यवस्थाएं एवं औपचारिकताएं पूर्ण करायेंगे। केन्द्र व्यवस्थापक द्वारा तैनात सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, सहायक केन्द्र व्यवस्थापक, परीक्षा सहायक व कार्यदायी संस्था (गोपनीय), कार्यदायी संस्था (सुरक्षा), के प्रतिनिधि, तैनात पुलिस बल से समन्वय स्थापित कर अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को पूर्ण कराकर 30प्र0 पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा निर्गत निर्देशों के अनुरूप ससमय अनुपालन कराते हुए परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराना सुनिश्चित करेंगे। सेक्टर मजिस्ट्रेट/स्टैटिक मजिस्ट्रेट, 30प्र0 पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा निर्गत निर्देशों का अक्षरशः त्रुटिरहित अनुपालन सुनिश्चित कराया जायेगा। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा 30प्र0 पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा निर्गत निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। प्रतिबन्धित सामग्री कोई भी अभ्यर्थी परीक्षा केन्द्र के अन्दर लेकर न जाने पाये। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा, वरिष्ठ कोषाधिकारी भावना श्रीवास्तव, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारीगण व सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक आदि उपस्थित रहें।

30प्र0 राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने जिला महिला चिकित्सालय,आंगनबाड़ी केंद्र, जिला कारागार व वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण निरीक्षण भवन में संबंधित अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। - मंगलवार को 30प्र0 राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग अपर्णा यादव ने जनपद भ्रमण के दौरान जिला महिला चिकित्सालय में कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया, कार्यक्रम में नवजात बच्चियों की दादी, नानी बुआ, मौसी आदि के साथ केक काटकर व 60 महिलाओं को बेबी किट और मिठाई वितरित कर कन्या जन्मोत्सव मनाया गया। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को कन्या सुमंगला योजना के लाभ व महिला आयोग के हेल्पलाइन नंबर 1800 180 5220 सहित अन्य योजनाओं की विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कन्या सुमंगला योजना का लाभ दिलाए जाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। तत्पश्चात मा0 उपाध्यक्ष द्वारा शहर के वार्ड 05 खसपरी के आंगनबाड़ी केंद्र चक धरौरा का निरीक्षण किया गया जहां पर 0 से 06 वर्ष तक के बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य व पोषण के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी तथा आंगनबाड़ी केन्द्र पर मा0 आयोग की उपाध्यक्ष द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की तथा बच्चों को अन्नप्राशन कराया गया तथा केन्द्र पर उपस्थिति आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इसके पश्चात मा0 उपाध्यक्ष द्वारा जिला कारागार में पाकशाला, महिला बंदीगृह का निरीक्षण किया गया तथा महिला बंदियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को जाना एवं माता से साथ आवासित बच्चों को चॉकलेट, बिस्किट, टॉफी का वितरण किया। इसके पश्चात वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया गया जहां पर सभी कार्मिक रोस्टर के अनुसार उपस्थित मिले तथा वहां पर केन्द्र प्रबन्धक से कार्यालय के समस्त अभिलेखों महिलाओं से संबंधित प्राप्त प्रकरणों का अवलोकन तथा महिलाओं से संबंधित प्रकरणों की जानकारी ली गयी तथा केन्द्र प्रबंधक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। मा0 उपाध्यक्ष द्वारा तत्पश्चात निरीक्षण भवन में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक मे वन स्टॉप सेंटर को सुचारू रूप से संचालित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हॉस्पिटल में कन्या के जन्म होने पर महिलाओं को कन्या सुमंगला योजना की जानकारी प्रदान कराते हुए उनको उक्त योजना का लाभ दिलाया जाए, इसके लिए अस्पतालों में पोस्टर व पंपलेट डिस्प्ले कर महिलाओं को जागरूक किया जाए, जिससे शतप्रतिशत महिलाएं योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सके, कोई भी लाभ से वंचित न रहें। सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु विद्यालयों के नोटिस बोर्ड पर पंपलेट चस्पा किए जाए, जिससे बच्चों को योजनाओं की जानकारी हो और वह घर जाकर अपने माता पिता को उन योजनाओं की जानकारी दे और वह उसका लाभ उठा सके। आयुष्मान कार्ड की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि शत प्रतिशत पात्र लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाए, इसके साथ ही जन जागरूकता हेतु अस्पताल परिसर में पात्रता व कार्ड कैसे और कहा बनवा सकते ही इसकी जानकारी डिस्प्ले की जाए। उन्होंने कहा कि सीएचसी व पीएचसी में समीक्षा कर यह सुनिश्चित कराया जाए कि चिकित्सक व अन्य स्टाफ अपने ड्यूटी के दौरान उपस्थित रहें। जिससे लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। ठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी मोहन त्रिपाठी, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेंद्र कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा, एसएचओ महिला थाना पुष्पा शर्मा,बाल संरक्षण अधिकारी वीरेन्द्र पाल महिला थानाध्यक्ष सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

14 मार्च को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर किया गया रवाना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रायबरेली। 30प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार व मा0 अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश रायबरेली अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में जनपद न्यायालय रायबरेली, परिवार न्यायालय रायबरेली, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, रायबरेली व सभी तहसील मुख्यालयों में 14 मार्च 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य वादों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर सरल निस्तारण कराना है। कानूनी जटिलताओं से परे लोक अदालत की प्रक्रिया सहज और आपसी समझौते पर आधारित है। राष्ट्रीय लोक अदालत के सम्बन्ध में आम जनमानस को जागरुक करने हेतु प्रचार वाहन को माननीय अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित पाल सिंह के द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमोद कंठ द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में व्यापक स्तर पर बैंक से सम्बन्धित प्री-लिटिगेशन मामले, बीमा से सम्बन्धित मामले, राजस्व से सम्बन्धित मामले, विद्युत से सम्बन्धित मामले, जल से सम्बन्धित मामले, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण से सम्बन्धित मामले, परिवार न्यायालय से सम्बन्धित मामले एवं शमनीय दाण्डिक मामलों का निस्तारण किया जाएगा। लोक अदालत में निस्तारण हेतु किसी प्रकार का शुल्क देय नहीं है। लोक अदालत में निस्तारण होने पर निर्णय के विरुद्ध कोई अपील नहीं होती है तथा मामला अन्तिम रुप से निस्तारित हो जाता है। समस्त विद्वान अधिवक्तागण एवं वादकारीगण अपने मामलों को सम्बन्धित न्यायालय में प्रार्थनापत्र के माध्यम से लगवाकर राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण कर लाभ उठा सकते हैं। इसके अतिरिक्त ई-चालानी व चेक बाउंस के मामलों का सरल व सहज तरीके से लोक अदालत में निस्तारण कराया जा सकता है। राष्ट्रीय लोक अदालत के सम्बन्ध में अधिक जानकारी ए0डी0आर0 सेन्टर, छजलापुर, रायबरेली के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है। वादकारी अपना मामला राष्ट्रीय लोक अदालत में लगाये जाने के लिए सम्बन्धित न्यायालय में भी प्रार्थनापत्र प्रस्तुत कर सकते है।

राज कुमार को जन औषधि वितरण व उसके सतत् प्रचार प्रसार के लिए मिला सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में, रायबरेली जिले के बछरावां निवासी/ प्रमुख दवा व्यवसाई राज कुमार चौधरी को भारत सरकार की महत्वपूर्ण महत्वाकांक्षी योजना जन औषधि के विस्तृत सतत् प्रचार प्रसार एवं वितरण के लिए सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने संयुक्त रूप से राजकुमार चौधरी पुत्र श्री लाल बहादुर चौधरी निवासी बछरावां, रायबरेली को केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना जन औषधि के वितरण एवं प्रचार प्रसार के क्षेत्र में किए जा रहे अनवरत सतत् प्रयास के लिए राष्ट्रीय सर्वोच्च सम्मान से अलंकृत किया है और उनके इस योगदान के लिए सराहना की है। राजकुमार चौधरी विगत वर्षों से जन औषधि के वितरण और प्रचार प्रसार के लिए अनवरत प्रयासरत है जिससे देश के गरीबों एवं जन सामान्य के लिए केन्द्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे जन औषधि केन्दो का लाभ सभी को आसानी से मिल सके। श्री चौधरी का उत्तर प्रदेश में जन औषधि केन्द्रो की शुरुआत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जन औषधि केन्द्रो में मिलने वाली दवाइयाँ सस्ती होने के साथ साथ भारत सरकार द्वारा प्रमाणित भी होती है और अन्य कम्पनियों की दवाओं की अपेक्षा जन औषधि केन्द्रो पर काफी कम मूल्य पर उपलब्ध है। देश के चिकित्सकों का सहयोग यदि इन जन औषधि केन्द्रो की दवाओं को मिल जाए तो आम आदमियों को महंगे इलाज से आसानी से मुक्ति मिल सकती है। श्री राज कुमार चौधरी को जन औषधि केन्द्रो के संचालन के क्षेत्र में मिले राष्ट्रीय सम्मान पर यूपी जर्नलिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष शिव मनोहर पाण्डेय, जिलाध्यक्ष राजेश मिश्र राजन, राजेश पाण्डेय, मदन सिंह परिहार, आफताब आलम, राजू यदव, भगवान कुमार अवस्थी, राकेश चौधरी, सियाराम चौधरी, रासिद सिद्दकी, डा संतोष शुक्ल, महेन्द्र अग्रवाल, रामराज गिरि, प्रदीप पांडेय, बी पी सिंह, सी एम सिंह व राम प्रकाश श्रीवास्तव ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है और भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजना जन औषधि की सराहना की है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 40 महिलाओं का हुआ सम्मान

महिला दिवस पर शिक्षा, चिकित्सा व समाजसेवा से जुड़ी महिलाओं को मिला सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रायबरेली शहर के अलंकृता बैंक्विट हॉल में महिला सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। माधव सेवा संस्थान के तत्वाधान में संपन्न हुए कार्यक्रम का शुभारंभ एनजीओ प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अरविंद श्रीवास्तव, एडवोकेट, राइजिंग चाइल्ड स्कूल की प्रधानाचार्या सीमा श्रीवास्तव तथा समाजसेवी प्रभाकर गुप्ता ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। संस्थान की अध्यक्ष प्रियंका अवस्थी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि संस्थान महिलाओं और बच्चों के उत्थान योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में टेलीविजन आर्टिस्ट सबिता कलवार और निफ्ट रायबरेली की प्रोफेसर भार्गवी कुमार और स्वर्णिम डायमंड ज्वैलर्स के एम डी मोहित सोनी ने विशेष रूप से उपस्थित रहकर महिलाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर शिक्षा, चिकित्सा, योग, कला, संस्कृति, विज्ञान एवं व्यापार सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने

वाली सीमा श्रीवास्तव, अर्चना कौशल, स्तुति सोनकर, गीता नेगी, हरप्रीत कौर, प्रियंका श्रीवास्तव, सोनम शर्मा, स्मृति उपाध्याय, आकांक्षा सिंह सहित 40 महिलाओं को अंगवस्त्र व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

के साथ-साथ कला, संस्कृति एवं सामाजिक क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा हैं। मुख्य रूप से उपस्थित अरविंद श्रीवास्तव ने समाज में महिलाओं की भूमिका को विकास में महत्वपूर्ण बताते हुए उनके गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने अपना अनुभव भी साझा किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आशना चावला, डॉ. मनीष चौहान, वरुण मिश्रा और अंकित जैन का सहयोग सराहनीय रहा।

हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, विद्याभवन, लखनऊ के निर्देश के क्रम में विकास क्षेत्र राही, रायबरेली का ब्लाक स्तरीय हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र, दरियापुर, रायबरेली में किया गया। इस कार्यक्रम का उददेश्य 3 से 6 वर्ष के बच्चों को प्री प्राइमरी शिक्षा को लोकेटेड आगनबाड़ी केन्द्रों पर बढावा देने के लिये है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह एवं विशिष्ट अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी रोहनिया डा0 सत्य प्रकाश यादव रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में प्रा0वि0 राजापुर, प्रा0वि0 बेहटा खुर्द, प्रा0वि0 कोडर जहानपुर के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। 30प्रा0वि0 सराय मुगला के छात्रों के द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गयी। कार्यक्रम का संचालन स्वदेश रमण त्रिपाठी, ए0आर0पी0 राही, रायबरेली द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा बच्चों को नियमित आंगनबाड़ी केन्द्रों व प्री प्राइमरी विद्यालयों में भेजने एवं सम्य-समय पर आयोजित विद्यालीय बैठकों में प्रतिभाग करने की अपील करते हुए जनसमुदाय को पूर्व प्राथमिक शिक्षा से जोडने के लिये प्रेरित कार्यक्रम में बेहतर कार्य करने वाले वंदना प्रा0वि0 दिल्लीहार, ललिता बाजपेयी प्रा0वि0 दरियापुर व बंदना प्रा0वि0 राजापुर, अंजुल यादव प्रा0वि0 विनोहरा, शिवानी सिंह प्रा0वि0 बेहटाखुर्द, तृप्ति चौहान प्रा0वि0 भैदपुर, कल्पना प्रा0वि0 एकौना, अनुराग राठौर कपो0वि0 कचौदा मो0पुर, प्रीती वर्मा प्रा0वि0 पुरे जमुनिहा, जाविद्री यादव प्रा0वि0 बेला भेला, शिवकली गोंदवारा, श्यामलली राजापुर व वंदना श्रीवास्तव आंगनबाड़ी कार्यकत्री बेहटा खुर्द को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में धर्मेन्द्र सिंह, आशीष कुमार साहू, दिलीप कुमार अजय सिंह, अभिषेक श्रीवास्तव, ब्रजेश कुमार, राजकुमार त्रिपाठी, जतिन मौर्या, गिरजा शंकर, अमृतलाल आदि के द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। कार्यक्रम में समस्त शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी, समस्त नोडल शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकत्री उपस्थित रहीं।

गलगोटिया विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र प्रियांशु दीक्षित भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट नियुक्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गलगोटिया विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र ((एलुमनी) और एनसीसी आर्मी विंग के कैडेट प्रियांशु दीक्षित भारतीय सेना की तीसरे सिख रेजिमेंट में लेफ्टिनेंट के रूप में नियुक्त हुए हैं। उनका कमीशन 7 मार्च 2026 को ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी, चेन्नई में आयोजित पासिंग आउट परेड के दौरान हुआ। प्रियांशु दीक्षित एनसीसी के आर्मी विंग (बैच 2020) तथा 40 यूपी बटालियन एनसीसी से जुड़े रहे हैं। वे गलगोटिया विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज के छात्र थे। विश्वविद्यालय में एनसीसी की मजबूत परंपरा है और यहाँ के कैडेट नियमित रूप से अध्ययन के दौरान उन्होंने सीनियर अंडर ऑफिसर के रूप में दायित्व निभाया, जो एनसीसी कैडेटों का सर्वोच्च पद होता है। बचपन से ही उनका सपना भारतीय सेना में शामिल होकर देश की सेवा करना था। भारत के महान सैन्य नेता फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ उनके प्रेरणास्रोत रहे। उनके माता-पिता ने भी इस सपने को पूरा करने में उनका पूरा सहयोग किया। गलगोटिया विश्वविद्यालय में रिपब्लिक डे कैंप (आरडीसी) जैसे राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। वर्ष 2022 में 6, 2023 में 5, 2024 में 6, और 2025 में 6 कैडेट आरडीसी के लिए चयनित हुए। इसी क्रम में 2026 में 4 कैडेट आरडीसी के लिए चयनित हुए हैं। गलगोटिया विश्वविद्यालय ने इस उपलब्धि पर लेफ्टिनेंट प्रियांशु दीक्षित को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और राष्ट्र सेवा के लिए शुभकामनाएँ दी हैं।

योगी आदित्यनाथ की माताजी पर टिप्पणी के विरोध में नोएडा में जोरदार प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जिला अध्यक्ष हिन्दू सुरक्षा सेवा संघ, गौतम बुद्ध नगर अजय चौहान के नेतृत्व में आज पूज्य गुरुदेव श्री श्री 1008 महंत राजू दास जी महाराज (महंत, हनुमानगढ़ी अयोध्या एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, हिन्दू सुरक्षा सेवा संघ) के निर्देशन में गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) में विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। यह प्रदर्शन उस अभद्र टिप्पणी के विरोध में किया गया, जो सलीम नामक व्यक्ति द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पूज्य गुरुदेव योगी आदित्यनाथ जी महाराज की पूज्य माताजी के संबंध में की गई थी। इस दौरान हिन्दू सुरक्षा सेवा संघ के कार्यकर्ताओं ने धरना-प्रदर्शन करते हुए आरोपी का पुतला दहन किया तथा प्रशासन से दोषी व्यक्ति के विरुद्ध जल्द से जल्द सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। संगठन की ओर से गौतम बुद्ध नगर प्रशासन से अनुरोध किया गया है कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की आपत्तिजनक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

नो स्मोकिंग डे के अवसर पर गोष्ठी एवं हस्ताक्षर अभियान का आयोजन संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 नवीन चंद्रा के निर्देशन में तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत 'नो स्मोकिंग डे' के अवसर पर गोष्ठी एंव हस्ताक्षर अभियान, का आयोजन कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, रायबरेली में किया गया। कार्यशाला में प्रतिभागी अधिकारियों एंव कर्मचारियों को डा0 अरुण कुमार, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी/नोडल अधिकारी द्वारा जनपद में जिला तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के उद्देश्यों एवं लक्ष्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। कार्यशाला में कोटपा अधिनियम-2003 की धारा 4 सार्वजनिक स्थानों पर तम्बाकू धुम्रपान निषेध परिसर के बारे में बताया गया। पूनम यादव, जिला परामर्शदाता, तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ द्वारा तम्बाकू के सेवन से होने वाली दुष्यपरिणामों के बारे में अवगत कराते हुए बताया कि जन-मानस में तम्बाव तम्बाकू का सेवन बहुत अधिक मात्रा में पुरुषों के साथ महिलाओं द्वारा भी किया जा रहा है। जिसके परिणाम बहुत ही गम्भीर है, तम्बाकू का धुआँ रहित या धुएं के साथ दोनों तरह का उपयोग समाज के लिए हानिकारक है। जिनमें मुख्यतः युवाओं को तम्बाकू के कुप्रभावों के प्रति जागरूक करने के साथ ही उन्हें धुम्रपान न करने हेतु प्रोत्साहित किये जाने की मुख्य भूमिका है। साथ ही युवाओं को तम्बाकू सेवन से होने वाली बीमारियों एवं हानियों के प्रति जागरूकता लाये जाने के साथ-साथ उनके आस-पास तम्बाकू प्रयोग कर रहे लोगों को तम्बाकू सेवन छोड़ने हेतु प्रोत्साहित किये जाने की जिम्मेदारी देकर उन्हें इस तरह के तम्बाकू सेवन से बचाया जा सकता है। कार्यशाला में समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके स्वयं के परिसर को तम्बाकू मुक्त परिसर बनाये रखने के साथ-साथ मरीजो को तम्बाकू से होने वाले दुष्प्रभावो के बारे में जागरूक करने के निर्देश दिये गये। इस अवसर पर अपर मुख्यचिकित्सा अधिकारी डा0 अरविन्द कुमार, डा0 राकेश कुमार, डा0 अम्बिका प्रसाद, जिला स्वास्थ्य शिक्षा सूचना अधिकारी डी0एस0 अस्थाना, डी0पी0एम0 राकेश कुमार सहित कार्यालय के समस्त अधिकारी एंव कर्मचारी उपस्थित रहें।

विश्व किडनी दिवस

जीवनशैली से जुड़े गुर्दे के रोगों में बढ़ोतरी के मद्देनज़र अत्याधुनिक हेमोडायलिसिस मशीन का किया शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ग्रेटर नोएडा जीवनशैली संबंधी गुर्दा रोगों में बढ़ोतरी के मद्देनज़र, डॉक्टरों ने चेतावनी जारी की है कि बॉडीबिल्डिंग के लिए प्रोटीन सप्लीमेंट का अत्यधिक सेवन करने, नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच न करवाने, आनुवांशिक कारणों, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, और मोटापे की वजह से तेज़ी से किडनी (गुर्दों) को नुकसान पहुंचता है। इसे ध्यान में रखते हुए, फोर्टिस हॉस्पीटल ग्रेटर नोएडा ने नैक्स्ट-जेन हेमोडायफिल्ट्रेशन (एचडीएफ) मशीन का शुभारंभ किया है। इस नैक्स्ट-जेनरेशन डायलिसिस टेक्नोलॉजी में डिफ्यूज़न और हाइ-वॉल्यूम कन्वेक्शन का मेल समाया है जो पारंपरिक हेमोडायलिसिस की तुलना में, छोटे से मंझोले आकार के टॉक्सिन्स को काफी कुशल तरीके से रक्तप्रवाह में से हटाने में सक्षम है। इस अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी को प्रदर्शित करते हुए, हॉस्पीटल के डॉक्टरों ने हाल में, एचडीएफ मशीन की मदद से 32-वर्षीय महिला मरीज़ का सफल उपचार किया। डॉ रविंदर सिंह भदोरिया, एडिशनल डायरेक्टर - नेफ्रोलॉजी और डॉ प्रशांत कुमार, कंसल्टेंट - यूरोलॉजी, फोर्टिस हॉस्पीटल ग्रेटर नोएडा के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने अत्यधिक गंभीर रूप से बीमार इस मरीज़ का इलाज किया। इस मामले में, मरीज़ का प्रत्यारोपित गुर्दा बेकार हो चुका था और वह डायलिसिस पर निर्भर थीं। मरीज़ को जब अस्पताल में भर्ती कराया गया तो उन्हें सांस लेने में काफी कठिनाई हो रही थी और उनका ब्लड प्रेशर भी गिर चुका था तथा तेज़ बुखार भी था। उनके बचने की संभावना मात्र 10इथी और प्रत्योरोपण के बाद दवाओं के सेवन की वजह से उनकी प्रतिरक्षा तंत्र भी काफी कमज़ोर पड़ गया था। मरीज़ की इस हालत को देखते हुए उनका पारंपरिक तरीके से हेमोडायलिसिस करना काफी मुश्किल काम था, और इसे देखते हुए डॉ रविंदर सिंह भदोरिया, एडिशनल डायरेक्टर - नेफ्रोलॉजी, फोर्टिस हॉस्पीटल ग्रेटर नोएडा ने उनके मामले में एडवांस हेमोडायफिल्ट्रेशन का विकल्प चुना। इस एडवांस डायलिसिस तकनीक में रक्त से छोटे और मंझोले आकार के यूरेमिक टॉक्सिन्स को कारगर तरीके से निकालने के लिए दो प्रक्रियाओं का प्रयोग किया जाता है - डिफ्यूज़न और कन्वेक्शन, और साथ ही मरीज़ के हार्ट तथा ब्लड प्रेशर लेवल्स को भी स्थिर रखा जाता है। यह प्रक्रिया करीब चार घंटे चली और अब मरीज़ की हालत स्थिर है। डॉ रविंदर सिंह भदोरिया, एडिशनल डायरेक्टर - नेफ्रोलॉजी, फोर्टिस हॉस्पीटल ग्रेटर नोएडा ने कहा, 'हम गुर्दों के रोगों में बढ़ोतरी देख रहे हैं, इनमें से अधिकांश कारण लाइफस्टाइल से जुड़े हैं, जैसे कि अनियंत्रित मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, प्रोटीन सप्लीमेंट्स का अत्यधिक सेवन तथा स्वास्थ्य जांच न करवाना या उसमें देरी करना। शीघ्र निदान और समय पर रोगों का इलाज शुरू करना काफी महत्वपूर्ण होता है क्योंकि यदि किडनी को काफी नुकसान होता है, तो मरीज़ को आजीवन डायलिसिस या ट्रांसप्लांट सपोर्ट की आवश्यकता पड़ती है।' डॉ प्रशांत कुमार, कंसल्टेंट, यूरोलॉजी, फोर्टिस हॉस्पीटल ग्रेटर नोएडा ने कहा, 'नेक्स्ट-जेनरेशन हेमोडायफिल्ट्रेशन तकनीक पारंपरिक डायलसिस की तुलना में काफी एडवांस होती है। सामान्य रूप से उपलब्ध हेमोडायलिसिस के मुकाबले, जो कि डिफ्यूज़न के माध्यम से छोटे आकार के टॉक्सिन्स हटाता है, ऑनलाइन एचडीएफ में डिफ्यूज़न और कन्वेक्शन दोनों का मेल कराया गया है ताकि बड़े आकार के टॉक्सिन्स भी रक्त में से हटाए जा सकें, और यह इंफ्लेमेशन में कमी लाने तथा लंबे समय तक डायलिसिस करवाने की वजह से पैदा होने वाली जटिलताओं से भी बचाव करता है। एचडीएफ तकनीक का इस्तेमाल करने वाले मरीजों को डायलिसिस के दौरान बेहतर ब्लड प्रेशर महसूस होता है, डायलसिस संबंधी लक्षण भी कमोबेश कम दिखायी देते हैं, टॉक्सिन क्लीयरेंस में सुधार होता है और कुल-मिलाकर, जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनती है। यह टेक्नोलॉजी खासतौर से उन लोगों के लिए फायदेमंद होती है जो लंबे समय तक डायलिसिस पर निर्भर हैं, या जिन्हें कार्डियोवास्क्युलकर जोखिम है अथवा जिन्हें पारंपरिक डायलिसिस थेरेपी से जुड़ी जटिलताओं का रिस्क है।' सिद्धार्थ निगम, फैसिलिटी डायरेक्टर, फोर्टिस हॉस्पीटल ग्रेटर नोएडा ने कहा, 'नैक्स्ट जेनरेशन एचडीएफ टेक्नोलॉजी उपलब्ध करवाने के साथ ही, फोर्टिस ग्रेटर नोएडा ने अपनी एडवांस डायलिसिस और नेफ्रोलॉजी सेवाओं को मजबूत बनाया है, तथा मरीजों के जीवन और उनकी जीवन गुणवत्ता में सुधार लाने के लक्ष्य के साथ अत्याधुनिक उपचार विकल्पों को पेश किया है।'

एससी/एसटी एक्ट
तीन दोषियों को उम्रकैद की सजा,60- 60 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर 6- 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। साढ़े 11 साल पूर्व पति के घायल होने की झूठी सूचना देकर दलित महिला को साथ ले (पीड़िता) ने एसीजेएम कोर्ट में धारा 156(3) सीआरपीसी के तहत दिए प्रार्थना पत्र में अवगत कराया था कि वह अनुसूचित जाति की महिला है। विपक्षीगण नंदलाल, कांग्रेस व एक अन्य व्यक्ति के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर विधि अनुरूप विवेचना कराए जाने की मांग की थी। अवगत कराया था कि उसके पति शाहगंज थाना क्षेत्र के राजपुर गांव निवासी नंदलाल व कांग्रेस के साथ एक माह पूर्व काम के सिलसिले में गए शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देकर वहीं अकेले छोड़कर चले गए। इसकी सूचना तत्काल करमा थाने में दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। तब एसपी सोनभद्र को रजिस्टर्ड डाक से शिकायती पत्र भेजा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। कोर्ट के आदेश पर तीनों के विरूद्ध 5 सितंबर 2014 को दुष्कर्म, लूट, एससी/एसटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज किया गया। सीओ द्वारा मामले की विवेचना की गई और पर्याप्त सबूत मिलने पर नंदलाल, कांग्रेस व विनय सिंह के विरुद्ध कोर्ट में विवेचक ने चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के

अर्थदंड की धनराशि में से 90 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी,साढ़े 11 साल पूर्व पति के घायल होने की झूठी सूचना देकर दलित महिला को साथ ले जाकर विद्यालय में किए गए सामुहिक दुष्कर्म का मामला

जाकर विद्यालय में सामुहिक दुष्कर्म किए जाने के मामले में विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट सोनभद्र आबिद शमीम की अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए तीन दोषियों को एससी/एसटी एक्ट में दोषसिद्ध पाकर उम्रकैद की सजा सुनाई। उनके ऊपर 60-60 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 90 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगी।अभियोजन पक्ष के मुताबिक करमा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी दलित महिला थे। घटना 22 जुलाई 2014 की है। उसके घर पर नंदलाल, कांग्रेस व एक अन्य व्यक्ति मैजिक गाड़ी से आए और कहा कि उसके पति दुर्घटना में घायल हो गए हैं उन्हें करमा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ पैसे का प्रबंध करके साथ चलने को कहा तो उनकी बातों पर विश्वास करके घर में रखा 8 हजार रुपये लेकर चल दी। वे लोग उसे लेकर एक विद्यालय में चले गए। जब उसने कहा कि यहां क्यों लाए हो तो जाति सूचक शब्दों से गाली देने लगे और अकेला पाकर जबरन बारी बारी से तीनों ने उसके साथ सामुहिक दुष्कर्म किया। कहीं अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 6 गवाहों के बयान तथा पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर तीन दोषियों नंदलाल, कांग्रेस तथा विनय सिंह को उम्रकैद की सजा सुनाई। इनके ऊपर 60-60 हजार रूपये अर्थदंड लगाया गया है।

अर्थदंड न देने पर तीनों को 6- 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 90 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील सी शशांक शेखर कात्यायन ने बहस की।

दिव्यांगजनों के हितार्थ एकदिवसीय जिला स्तरीय प्रदर्शनी एवं कार्यशाला का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। संस्था जन कल्याण ग्रामोद्योग सेवा आश्रम, सोनभद्र द्वारा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सहयोग से ग्राम बहुअरा में एकदिवसीय जिला स्तरीय प्रदर्शनी एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें 65 दिव्यांग जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विद्या देवी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या देवी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित दिव्यांगजन रिंकू ने उन्हें बुके भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्या द्वारा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, जैसे दिव्यांग पेंशन योजना, साइकिल/ट्राई साइकिल योजना, इलेक्ट्रिक साइकिल योजना आदि प्रमुख रूप से शामिल थीं। प्रदर्शनी में उपस्थित दिव्यांगजनों द्वारा लगाए गए स्टॉल का भी अवलोकन किया गया। इसमें रिंकू जी द्वारा कपड़ा सिलाई कार्य, रमेश एवं सुरेंद्र द्वारा हाथ से बनाए गए कागज के थैले व शिवकुमार द्वारा निर्मित मोमबत्ती के स्टॉल विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। विद्या देवी ने सभी स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए वे अपने कार्य को आगे बढ़ाकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकते हैं। उन्होंने दिव्यांगजनों को स्वरोजगार से जुड़ने और सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए भी प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में संस्था द्वारा सभी उपस्थित दिव्यांगजनों को उपहार वितरित विद्या द्वारा किए गए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर संस्था के कार्यकर्ता रोहित विश्वकर्मा, कुतुबुद्दीन, अनीश मौर्या, शालिनी, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

वार्षिक उत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह तरंग 2026 का भव्य आयोजन संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र।रॉबर्टसगंज के प्राथमिक विद्यालय कूसी बेलाही में बच्चों के धमाकेदार सांस्कृतिक कार्यक्रम

की प्रस्तुति में ग्रामीण अंचल डूबा रहा। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई, जिसमें देश के प्रमुख लोक नृत्य की प्रस्तुति हुई, जिनमें राजस्थानी, मराठी, भरतनाट्यम, कथक प्रमुख रहे। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे, जो रंग डारूंगी नंद के लालन पे ठुमरी कथक नृत्य पर वाह वाह करने पर मजबूर थे। लावड़ी नृत्य कर कक्षा 1 एवम 2 की बच्चियों ने खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्च प्राथमिक शिक्षक संघ के मंडल अध्यक्ष रवि भूषण सिंह ने की। वार्षिकोत्सव में विशिष्ट अतिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी रॉबर्टसगंज महेंद्र कुमार मौर्य, उच्च प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष धीरेंद्र पति तिवारी, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष अशोक कुमार त्रिपाठी, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला महासचिव इंदू प्रकाश, सफाईकर्मचारी संघ प्रदेश अध्यक्ष क्रांति सिंह, एआरपी सर दिनेश मिश्र, कमल नारायण, वरिष्ठ संकुल अरविंद दूबे, अंशुमान देव पांडेय, धर्मेश कुमार पटेल, वि .प्र .अ. रविन्द्र कुमार उपस्थित रहे। चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे उपकार हॉस्पिटल एवम मल्टीस्पेशियलिटी आयुर्वेदा पंचकर्मा रॉबर्टसगंज के संचालक डॉक्टर नीरज मिश्रा एवं उनकी पत्नी सरिता मिश्रा को विशेष सम्मान से नवाजा गया। विंध्य डेंटल केयर के डॉक्टर अरविंद सिंह एवम उनकी पत्नी अनुराधा राय को विशेष स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी ने अपने संबोधन में प्रस्तुत किए गए शास्त्रीय उप शास्त्रीय नृत्य को बहुत सराहा और ग्रामीणों से निवेदन किया कि अपने 4 वर्ष से 14 वर्ष तक के बच्चों का 2026-27 के सत्र में शत प्रतिशत नामांकन प्राथमिक विद्यालय में अवश्य कराएं। क्रांति सिंह ने अपने वक्तव्य में बालिका शिक्षा के महत्व एवम पर्यावरण संरक्षण पर विशेष बल दिया। कक्षा 5 की अंशिका पटेल, आकांक्षा पटेल एवम कक्षा 4 अंश पटेल को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए चैंपियन घोषित करते हुए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के निर्णायक की भूमिका आनंद त्रिपाठी एवम राबर्ट्सगंज डी सी वरुण त्रिपाठी ने निभाई। वर्षकोत्सव का जबरदस्त संचालन कक्षा 5 की छात्रा संस्कृति एवम कक्षा 3 के छात्र संस्कार ने किया। प्रधानाध्यापक विजय प्रकाश द्विवेदी ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया।

' गौ हत्या बंद हो ' का नित्य आह्वान करने वाले शंकराचार्य जी के साथ गिरीश पाण्डेय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में गौहत्या बन्द कराने के साथ साथ गाय को राज्य माता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी द्वारा लखनऊ में आहूत गौ-प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध का समर्थन करते हुए किसान नेता गिरीश पाण्डेय ने कहा रोज नित्य नियम से पूजा के बाद गौहत्या बन्द हो का जयकारा लगाने वाले सभी सनातनी पूज्य शंकराचार्य जी के गौरक्षा अभियान के साथ है। महीनों से चल रही गाय पर चर्चा अब आंदोलन का रुप लेती जा रही है। बुधवार से लखनऊ में गौ-प्रतिष्ठा धर्म युद्ध का आह्वान करते हुए पूज्य शंकराचार्य जी ने उत्तर प्रदेश और देश के सनातनियों से अपना अपना पक्ष सार्वजनिक करने की अपील भी किया। पूज्य शंकराचार्य जी के आह्वान के बाद गौरक्षा के इस अभियान को समर्थन देते हुए पूर्वांचल नव निर्माण मंच के नेता गिरीश पाण्डेय ने अपने पैतृक गांव बिसरेखी मे गौवंश की पूजा-अर्चना करते हुए कहा कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी की मांग यदि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी स्वीकार करते हुए प्रदेश में गौहत्या बन्द कराकर गौ माता को राज्य माता का दर्जा देते हैं ? तो पूर्वांचल नव निर्माण मंच और पूर्वांचल नव निर्माण किसान मंच आगामी चुनावों में योगी आदित्यनाथ जी के साथ रहेगा। गिरीश पाण्डेय ने कहा कि गौ सुरक्षा सुनिश्चित होने से प्रदेश में उन्नति और खुशहाली का संचार खुद-ब-खुद होने लगेगा। गायों की सुरक्षा, सेवा से लोगों के स्वस्थ खर्चों पर भी अंकुश लगेगा, दूध, दही, घी, मक्खन मलाई जैसे बलवर्धक खाद्य पदार्थ देने वाली गायों की सुरक्षा की मांग पूज्य शंकराचार्य जी की जनकल्याणकारी मांग तो है ही हमारे सनातन धर्म की सुरक्षा भी है। गिरीश पाण्डेय ने गौहत्या पर मृत्युदंड जैसा कानून लाकर यदि सुरक्षा देनी पड़े तो भी गायों को सुरक्षा, संरक्षण दिया जाना चाहिए। इस मौके पर बिसरेखी गांव के पूर्व प्रधान महेन्द्र यादव भी उपस्थित थे।

ग्रासिम इण्डस्ट्रीज लिमिटेड ने किया जूट बैग्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रेनुकूट/सोनभद्र। ग्रासिम इण्डस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट के इकाई प्रमुख मनीष गर्ग, मानव संसाधन प्रमुख राजीव कुमार, और कर्मचारी संबंध के मार्गदर्शन में संचालित सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को उड़ान सेवा ट्रस्ट के द्वारा सोन प्रेरणा संकुल स्तरीय संघ म्योरपुर ब्लॉक में कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमे जूट बैग्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सहायक विकास अधिकारी ग्र वि रवि कुमार और बीएमएम सुभाष चंद्र ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में 20 महिलाओं को 10 दिवसीय निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे उन्हें स्वरोजगार में मदद मिलेगी। उड़ान सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से हम ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रहे हैं। ग्रासिम इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के सीएसआर विभाग द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाना है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में उड़ान सेवा ट्रस्ट की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम की सफल आयोजन में अंजनी कर अंकुर पूनम कमला देवी हीरामती अंजू समूह सखियों अधिकारी चांदनी निर्मल ने प्रोत्साहन के रूप में कहा कि ग्रासिम इंडस्ट्रीज आगे भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

सोनभद्र के विकास की मांग तेज, केंद्रीय मंत्रियों से मिलकर सड़कों और ट्रेनों के संचालन का सौंपा पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के सांसद छोटेलाल खरवार ने समग्र विकास और लंबित परियोजनाओं को लेकर केंद्र सरकार के समक्ष विभिन्न मांगें उठाई गई हैं। क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दों को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा गया। सांसद छोटेलाल खरवार ने पत्र में विशेष रूप से रीवा-रांची फोरलेन मार्ग के पूर्व में अधूरे पड़े हिस्सों को शीघ्र पूरा कराने और कई महत्वपूर्ण सड़कों की मरम्मत एवं चौड़ीकरण की मांग की गई। इसमें हाथीनाला से शक्तिनगर होते हुए छत्तीसगढ़ तक फोरलेन रोड, विंढमगंज से कचनरवा-कोन मार्ग, कोन से तेलगुड़वा रोड, बकरिहवां से विजपुर मार्ग तथा औनी मोड़ से शक्तिनगर रोड समेत कई महत्वपूर्ण संपर्क मार्गों के निर्माण और मरम्मत का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। छोटेलाल खरवार ने बताया कि ये सड़कें सोनभद्र को पड़ोसी राज्यों मध्यप्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण लाइफलाइन हैं, लेकिन कई हिस्सों में निर्माण अधूरा है या सड़कें जर्जर हालत में हैं, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।सपा सांसद छोटेलाल खरवार ने सोनभद्र के यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल सेवाओं को बहाल करने का मुद्दा भी उठाया गया। प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिलकर त्रिवेणी एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनों को पूर्व की तरह पुनः संचालित करने की मांग की। इसके अलावा सोनभद्र क्षेत्र के व्यापक विकास, सड़क, रेल और बुनियादी ढांचे की समस्याओं को लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी पत्र सौंपकर विभिन्न परियोजनाओं पर ध्यान देने की मांग की गई। सपा सांसद छोटेलाल खरवार का कहना है कि यदि इन सड़कों और रेल सेवाओं को शीघ्र पूरा और संचालित किया जाता है तो इससे न केवल सोनभद्र बल्कि पूरे विंध्य क्षेत्र के आर्थिक और औद्योगिक विकास को नई गति मिल सकती है।

राज्य महिला आयोग मा0 अध्यक्ष 13 मार्च को सर्किट हाउस सभागार में महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित प्रकरणों की करेंगी जन सुनवाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अपर जिलाधिकारी प्रोटोकाल ने अवगत कराया है कि राज्य महिला आयोग मा0 अध्यक्ष (राज्य मंत्री स्तर प्राप्त) श्रीमती डॉ0 बबिता सिंह चैहान जी का जनपद में सर्किट हाउस चुर्क में 12 मार्च को रात्रि में आगमन होगा, मा0 अध्यक्ष 13 मार्च 2026 को जिला महिला चिकित्सालय में कन्या जन्मवोत्सव कार्यक्रम में प्रातः 09:30 बजे प्रतिभाग करेगी, इसके पश्चात सर्किट हाउस में जनपद में महिलाओं की उत्पीड़न से सम्बन्धित प्रकरणों की जन सुनवाई करेंगीं, प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ बैठक करेंगी। इसके पश्चात सर्किट हाउस सभागार में महिलाओं का सम्मान गोद भराई व अन्नप्रासन कार्यक्रम में प्रतिभग करेगी इसके पश्चात वैष्णों माता मंन्दिर डाला में मा0 अध्यक्ष दर्शन व पूजन करेगीं इसके पश्चात जिला करागार महिला बन्दीगृह का निरीक्षण करेगी तद्द पश्चात अपने गनतब्य को प्रस्थान करेगी।

विद्यालयों के विकास पर मंथन, ग्राम प्रधानों का सम्मान कर शिक्षा सुधार की अपील

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) घोरावल (सोनभद्र)। स्थानीय ब्लॉक संसाधन केंद्र परिसर में ग्राम प्रधानों और प्रधानाध्यापकों के उन्मुखीकरण के लिए संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और पूजन से हुई।

मुख्य अतिथि नीरज श्रीवास्तव तथा विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख दीपक पटेल सहित खंड विकास अधिकारी नितिन मौर्य, प्रधान संघ अध्यक्ष रिंकू सिंह, वीरेंद्र सिंह समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। स्वागत भाषण में खंड शिक्षा अधिकारी अरविंद पटेल ने कहा कि ग्राम प्रधान और प्रधानाध्यापक विद्यालय विकास के दो प्रमुख स्तंभ हैं और दोनों के बीच बेहतर समन्वय से स्कूल नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं।

कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं। मुख्य अतिथि नीरज श्रीवास्तव ने कहा कि क्षेत्र के युवा ग्राम प्रधानों ने अपने-अपने गांव के विद्यालयों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वहीं खंड विकास अधिकारी नितिन मौर्य ने प्रधानों से विद्यालयों के विकास के लिए अपनी निधि का कुछ हिस्सा खर्च करने की अपील की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ब्लॉक प्रमुख दीपक पटेल ने कहा कि ऐसे आयोजन शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में प्रेरणा देते हैं।

इस दौरान करीब 50 ग्राम प्रधानों को बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन दिनबंधु त्रिपाठी ने किया, जबकि आयोजन में मयंक दूबे, ओमप्रकाश, धनंजय द्विवेदी, अनिल प्रजापति, संजय मिश्रा, विनोद कुमार समेत कई शिक्षकों का सहयोग रहा। अंत में अशोक त्रिपाठी ने आभार व्यक्त किया।

क्रिकेटर कुलदीप यादव वंशिका संग मसूरी में लेंगे फेरे,14 मार्च को शादी,17 को लखनऊ में रिसेप्शन,सीएम योगी को दिया न्योता

कानपूर।भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर कुलदीप यादव अपनी बचपन की दोस्त वंशिका

सिंह के साथ शादी करने जा रहे हैं। दोनों 14 मार्च को उत्तराखंड के मसूरी में सात फेरे लेंगे। तीन दिन बाद यानी 17 मार्च को लखनऊ के होटल सेंट्रम में ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी होगी। इस बीच, सोमवार को कुलदीप के पिता राम सिंह यादव ने लखनऊ में सीएम योगी को शादी का न्योता दिया। कुलदीप और वंशिका ने 4 जून 2025 को लखनऊ में सगाई की थी, जिसमें क्रिकेटर रिंकू सिंह, प्रिया सरोज समेत कई करीबी लोग शामिल हुए थे। पहले दोनों शादी नवंबर 2025 में तय हुई थी, लेकिन टी-20 विश्व कप की तैयारियों की वजह से तारीख आगे बढ़ा दी गई। अब विश्व कप चैंपियन बनने के बाद कुलदीप नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। कुलदीप के कोच और पारिवारिक मित्र कपिल देव पांडेय ने बताया-'शादी की रस्में 13 मार्च से शुरू होंगी। इस दिन हल्दी और मेहंदी का कार्यक्रम होगा। शादी के बाद लखनऊ के होटल सेंट्रम में रिसेप्शन दिया जाएगा। इसमें जाने-माने क्रिकेटर्स, बॉलीवुड की नामचीन हस्तियां और यूपी के दिग्गज राजनेता शामिल होंगे।' कुलदीप टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। टूर्नामेंट में कुलदीप ने सिर्फ एक मुकाबला खेला, जो पाकिस्तान के खिलाफ था। मैच में कुलदीप ने 14 रन देकर एक विकेट लिया था।चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने तीनों फॉर्मेट को मिलाकर भारत के लिए अब तक 191 मैच खेले हैं। उन्होंने 22.50 के एवरेज और 4.84 की इकोनॉमी रेट से 365 विकेट झटके हैं। 31 साल के कुलदीप ने 9 मौकों पर पारी में 5 या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं। बचपन के दोस्त, धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदलीः कुलदीप की होने वाली पत्नी वंशिका कानपुर के श्याम नगर की रहने वाली हैं। पिता योगेंद्र सिंह चड्ढा एलआईसी में कार्यरत हैं। वंशिका ऑस्ट्रेलिया में जॉब करती हैं। कुलदीप यादव लाल बंगला इलाके में रहते हैं। दोनों के घर के बीच की दूरी सिर्फ 3 किलोमीटर है। दोनों बचपन के दोस्त हैं। धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई। कुलदीप ने कहा था- वंशिका उनके लिए खासः कुलदीप ने साल 2024 में एक इंटरव्यू में कहा था कि वह किसी बॉलीवुड अभिनेत्री से शादी नहीं करेंगे। उनकी पत्नी ऐसी होगी, जो परिवार का ध्यान रख सके। वंशिका के बारे में बात करते हुए कुलदीप ने बताया था कि उनकी जिंदगी में उनके लिए खास जगह है। उनका रिश्ता बहुत पुराना है।

सास हर बात पर टोकती है,पति को मेरे लिए स्टैंड लेना चाहिए, पर वो तो राजा बेटा है,खुद को कैसे प्रोटेक्ट करूं, टेंशन से सेहत बिगड़ रही

नयी दिल्ली। सवालः मैं एक साल से शादीशुदा हूं और अपने ससुराल वालों के साथ एक संयुक्त परिवार में रहती हूं। मेरी सास हमारे रिश्ते में लगातार हस्तक्षेप करती हैं, मेरे खाना पकाने, कपड़े पहनने और यहां तक कि मेरे पति के साथ बातचीत करने पर भी आलोचना करती हैं। मेरा पति

अपनी मां से प्यार करता है और उन्हें परेशान नहीं करना चाहता है। इसलिए वह उनका सामना करने से बचता है। इससे हमारे बीच तनाव बढ़ रहा है और मुझे लगता है कि मेरी बात अनसुनी रह जाती है। मैं इस मसले पर कैसे बात करूं कि परिवार में कलह न पैदा हो? मैं चाहती हूं कि मेरा पति मेरे पक्ष में खड़ा हो, क्या मेरा ये उम्मीद करना गलत है? एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, दिल्ली जवाबः आपने अपनी परेशानी साझा की और मैं समझ सकती हूं कि आप इस समय कितना उलझन में हैं। शादी के एक साल बाद भी संयुक्त परिवार में ढलना आसान नहीं होता, खासकर जब सास का हस्तक्षेप और पति का चुप रहना आपके लिए तनाव का कारण बन रहा हो। आपने बताया कि आपकी सास आपके खाना पकाने, कपड़े पहनने और यहां तक कि पति के साथ बातचीत तक में टिप्पणी करती हैं। ऊपर से आपका पति अपनी मां से प्यार के चलते कुछ बोलने से बचता है। इससे आपको लगता है कि आपकी बात कोई नहीं सुन रहा। आप चाहती हैं कि आपका पति आपके साथ खड़ा हो और यह सोच रही हैं कि क्या यह उम्मीद करना गलत है। चलिए इस परेशानी को एक-एक करके सुलझाते हैं। आपकी भावनाएं गलत नहीं हैं सबसे पहले तो यह स्वीकार करिए कि आप जो महसूस कर रही हैं, वह बिल्कुल ठीक है। कोई हर वक्त आपके काम में कमी निकाले तो दुख होना स्वाभाविक है। आप नई बहू हैं, नए घर में अपनी जगह बना रही हैं और ऐसे में सास की हर बात पर टोकाटाकी परेशान कर सकती है। यह भी सच है कि पति का चुप रहना आपको और अकेला महसूस कराता है। शादी के शुरुआती साल वैसे भी मुश्किल होते हैं, आप एक नया रिश्ता बना रही हैं, नए लोगों के साथ तालमेल बिठा रही हैं। ऐसे में अगर आपको गुस्सा, दुख या बेचैनी हो रही है तो खुद को दोष न दें. यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि आप अपने रिश्ते और परिवार को बेहतर करना चाहती हैं।आपकी परेशानी का सबसे बड़ा हिस्सा यह है कि आपका पति कुछ बोलता नहीं। लेकिन घबराइए मत, इसे ठीक करने का तरीका है, बातचीत।

अपने पति से खुलकर बात करना इस समस्या को सुलझाने की पहली सीढ़ी है। यह बात ऐसी होनी चाहिए कि न वो परेशान हों, न सास नाराज हों और न ही घर में कोई लड़ाई हो।1. सही समय चुनें रात को खाने के बाद या वीकेंड पर, जब आप दोनों अकेले हों, तब बात शुरू करें। माहौल शांत हो, कोई जल्दी न हो ताकि आप आराम से अपनी बात कह सकें। 2. प्यार से रखें अपनी बात यह ध्यान रखें कि कहीं सास के कारण आप दोनों के बीच चीजें न बिगड़ जाएं। इसलिए गुस्से में बात न करें। बताएं कि आप सास के प्रति सम्मान का भाव रखती हैं, लेकिन उनके बेवजह दखल से दिक्कत हो रही है। 3. पति की परेशानी समझें- आपका पति अपनी मां को दुखी नहीं करना चाहता, यह उसका प्यार है। इसे स्वीकार करें। इसके बावजूद उन्हें स्पष्ट तौर पर बताएं कि आप उनकी मां के खिलाफ नहीं हैं, बस चाहती हैं कि आप दोनों मिलकर कुछ तय करें। 4. साथ मिलकर रास्ता निकालें- अपने पति को बताएं कि आपको अपनी सास की कौन-कौन सी बातें असहज करती हैं। इसके बाद दोनों लोग मिलकर एक रास्ता निकालें कि किस तरह उनको ये बात समझाई जाए, ताकि उनको इससे तकलीफ न हो। कुछ सीमाएं जरूरी हैं- हर रिश्ते में एक लकीर होनी चाहिए, जिससे पता चले कि कहां तक किसी का दखल ठीक है और कहां से परेशानी शुरू होती है। संयुक्त परिवार में यह और भी जरूरी है। आप और आपका पति मिलकर अपनी सास के साथ कुछ सीमाएं तय कर सकते हैं।

क्या-क्या ठीक है, तय करें। घर में किसी बड़े की सलाह पारिवारिक बातों में ठीक है, पर खाना बनाने या कपड़ों में आपकी आजादी होनी चाहिए। अपनी बात नरमी से कहें। अगर सास कुछ कहें, तो मुस्कुरा के बोलें, कि आपकी सलाह अच्छी है पर मैं इसे अपने ढंग से करना चाहती हूं। पति का साथ जरूर लें। उन्हें कहें कि वो भी अपनी मां से बात करें। उन्हें अपनी मां को बताना होगा कि आपके काम से उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। सीमाएं तय करने से सास को भी समझ आएगा कि आपको अपना स्पेस चाहिए और यह सब सम्मान के साथ हो सकता है। क्या पति से साथ मांगना गलत है? नहीं, बिल्कुल नहीं। आप यह चाहती हैं कि आपका पति आपके साथ खड़ा हो और यह हर शादीशुदा जोड़े का हक है। शादी में पति-पत्नी एक-दूसरे के लिए ढाल बनते हैं। आपका यह सोचना गलत नहीं कि वो आपकी भावनाओं को समझे और आपका साथ दे। लेकिन यह भी सच है कि वो अपनी मां से प्यार करता है और उन्हें दुखी नहीं करना चाहता। यहां उन्हें बीच का रास्ता निकालना होगा। आप उन्हें यह समझा सकती हैं कि आपका साथ देना मां के खिलाफ जाना नहीं है, बल्कि आप दोनों के रिश्ते को मजबूत करना है। क्या करें कि सास के साथ रिश्ता न बिगड़े- सास-बहू के रिश्ते को लेकर समाज में टैबू है। कई मामलों में ये चीजें सही भी होती हैं। इसके बावजूद अगर सलीके से बैठकर अपनी बातें रखी जाएं तो बात बन सकती है।अगर सारी कोशिशों के बाद भी तनाव कम न हो तो किसी फैमिली काउंसलर से मिलने में न हिचकें। कोई बाहर का इंसान आपकी बात को नई नजर से देख सकता है और रास्ता बता सकता है। यह आपके रिश्ते को बचाने का एक अच्छा कदम हो सकता है। पति को समझाएं अपनी बात- आपकी परेशानी बड़ी लग रही होगी, पर यह हल हो सकती है। अपने पति से प्यार और सम्मान के साथ बात करें। सास के साथ मिलकर कुछ काम करें। आपका यह चाहना कि पति आपका साथ दे, बिल्कुल सही है। बस उन्हें अपनी मजबूरी भी समझने दें। आप अकेली नहीं हैं, हर संयुक्त परिवार में ऐसी बातें होती हैं और सही तरीके से कोशिश करने से सब ठीक हो जाता है। धीरे-धीरे, प्यार और समझदारी से, आप अपने घर में शांति और खुशी ला सकती हैं। हिम्मत रखें, सब अच्छा होगा। खुद फाइनेंशियली मजबूत बनें - भारत में सामाजिक ढांचा ही ऐसा है कि महिलाओं को लेकर लोगों के बीच इन्फीरियोरिटी है। आपने सवाल में ये नहीं बताया है कि आप वर्किंग हैं या नहीं। अगर आप वर्किंग नहीं हैं तो सबसे पहले अपनी पढ़ाई, स्किल और पसंद की कोई जॉब खोजिए। हमें अपने फैसले लेने की अथॉरिटी और ताकत फाइनेंशियली मजबूत होने से मिलती है। इसके बाद आप ज्यादा आजादी से अपने मन के काम कर पाएंगी, खुद के लिए फैसले ले पाएंगी।

भारत विमेंस फुटबॉल एशियन कप से बाहर,चाइनीज ताइपे ने 3-1 से हराया, कप्तान और गोलकीपर चोटिल,अस्पताल में भर्ती कराया गया

सिडनी। भारत विमेंस फुटबॉल

एशियन कप से बाहर हो गया है। मंगलवार को एशियन फुटबॉल कॉन्फेडरेशन के आखिरी ग्रुप मैच में भारत को चाइनीज ताइपे के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही टीम का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया। इस मैच में जीत भारत के लिए बेहद जरूरी थी, क्योंकि अगले दौर में पहुंचने के लिए उसे कम से कम दो गोल के अंतर से जीत दर्ज करनी थी। मुकाबले के दौरान भारतीय कप्तान स्वीटी देवी और गोलकीपर पंथोई चोटिल हो गईं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। सिडनी में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने लंबे समय तक गेंद पर नियंत्रण रखा और कई मौके भी बनाए, लेकिन अंतिम हिस्से में टीम गोल करने में नाकाम रही। इसी वजह से टीम को हार झेलनी पड़ी और टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। भारत इससे पहले ग्रुप स्टेज में वियतनाम और जापान से भी हार चुका था। मैच के 12वें मिनट में चाइनीज ताइपे ने बढ़त बना ली। संजू के खराब बैक पास के बाद जे डब्ल्यू चेन ने गेंद वाई एच सू को पास की, जिन्होंने खाली गोलपोस्ट में गेंद डाल दी। भारत ने 39वें मिनट में वापसी की। मनीषा कल्याण ने करीब 30 गज दूर से जोरदार शॉट लगाकर गोल किया और स्कोर 1-1 कर दिया। पहले हाफ के अतिरिक्त समय में चाइनीज ताइपे को पेनल्टी मिली। वाई वाई सू का शॉट पोस्ट से टकराया और गोलकीपर पंथोई से लगकर गेंद गोल में चली गई। इससे ताइपे ने 2-1 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में भारत ने बराबरी की कोशिश की, लेकिन 77वें मिनट में यू चिन चेन ने तीसरा गोल कर मैच लगभग तय कर दिया। मैच के 83वें मिनट में गोलकीपर एलांगबाम पंथोई चानू एक अटैक रोकने के लिए आगे बढ़ीं। इसी दौरान उनकी टक्कर कप्तान स्वीटी देवी से हो गई।

मेंटल हेल्थ- मेरे दादा और पापा को अल्जाइमर था:क्या मुझे और मेरे बेटे को भी हो जाएगा

नयी दिल्ली। अल्जाइमर में एक पेशेंट के सवाल जवाब एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके।

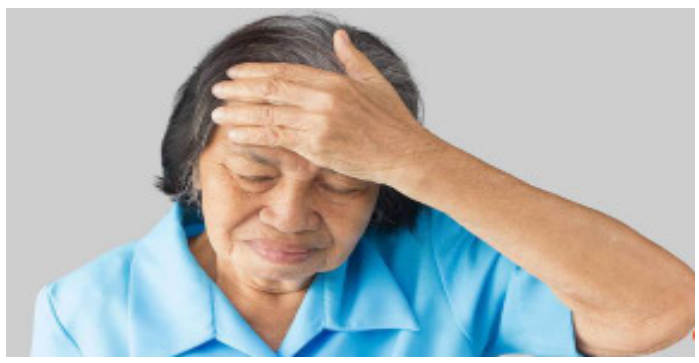

यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर। विशेषज्ञ से सवाल- मेरा सवाल थोड़ा अजीब लग सकता है क्योंकि मेरे साथ अभी ऐसा कोई गंभीर मेंटल हेल्थ इशु नहीं है। मेरे दादाजी को एक्यूट अल्जाइमर था। अपने जीवन के आखिरी दस सालों में वो सबकुछ भूल गए थे। घर में किसी को भी नहीं पहचानते थे। अपने बच्चों को भी नहीं। ऐसी हालत में उन्हें संभालना काफी चैलेंजिंग होता था क्योंकि वो कभी भी घर से निकल जाते और उन्हें घर का रास्ता भी याद नहीं रहता था। हमें हर वक्त उनके गले में घर का एड्रेस और फोन नंबर लिखी हुई चिट टांगकर रखनी पड़ती थी। उनकी डेथ को 8 साल हो चुके हैं। पिछले कुछ समय से मेरे पापा में भी अल्जाइमर के लक्षण दिखने शुरू हो गए हैं। वो छोटी-छोटी चीजें भूल जाते हैं। डॉक्टर का कहना है कि ये अल्जाइमर की शुरुआत है। मेरी उम्र अभी 36 साल है। तीन साल पहले मेरी शादी हुई थी और मेरा 1 साल का एक बेटा है। मेरी चिंता ये है कि अगर ये अल्जाइमर जेनेटिक है और मेरी फैमिली में ही रन कर रहा है तो एक-न-एक दिन मुझे भी अल्जाइमर हो जाएगा और मेरे बेटे को भी। इस बात ने मुझे चिंतित कर दिया है। क्या कोई ऐसा तरीका है, जिससे अल्जाइमर को होने से रोका जा सके। क्या मैं अभी से कुछ सावधानियां बरत सकता हूं, कुछ ऐसे काम कर सकता हूं, जिससे मुझे ये मेंटल हेल्थ कंडीशन कभी न हो।जवाब- आपका सवाल बिलकुल भी अजीब नहीं है, बल्कि यह बहुत जिम्मेदारी और समझदारी से पूछा गया सवाल है। आप न सिर्फ अपने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सजग हैं, बल्कि अपनी आने वाली पीढ़ी के भविष्य के लिए भी सोच रहे हैं। यह काबिल-ए-तारीफ है। एक सीनियर साइकेट्रिस्ट के रूप में मैं आपकी चिंता को गंभीरता से समझता हूं। नीचे मैं आपके लिए एक समग्र व साक्ष्य पर आधारित सेल्फ एसेसमेंट और सेल्फ हेल्प प्लान दे रहा हूं।दादा और अब पिता, दोनों में अल्जाइमर के लक्षण। ऐसे में जोखिम सामान्य आबादी की तुलना में 1.5-3 गुना अधिक होता है। यदि माता-पिता, दोनों में अल्जामइर्स हो तो यह जोखिम 5 गुना तक भी हो सकता है। हालांकि फैमिली हिस्ट्री सिर्फ एक रिस्क फैक्टर है। रिस्क फैक्टर होने का मतलब यह नहीं कि आपको यह बीमारी जरूर होगी।अपनी लाइफस्टाइल को बदलकर इस जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है।आपकी उम्र अभी सिर्फ 36 साल है। यह प्राइमरी प्रिवेंशन का बहुत सही समय है।आपके सवाल को देखते हुए आपकी मौजूदा चिंता को कुछ इस तरह डिफाइन किया जा सकता है। बार-बार यह सोचना कि मैं भविष्य में सबकुछ भूल जाऊंगा। अपने बेटे की परवरिश को लेकर डर सताना। हर बार कोई मामूली सी बात भूल जाने को भी संभवतः 'अल्जाइमर का लक्षण' समझ लेना। इस फिक्र के कारण बेचैनी, अनिद्रा, चिड़चिड़ापन, मानसिक थकान महसूस होना।आप जिस समस्या से गुजर रहे हैं, उसकी इंटेंसिटी कितनी है, यह जानने के लिए आपको नीचे दिया गया सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट करना चाहिए। सेल्फ हेल्प काफी होगी या आपको प्रोफेशनल मदद की जरूरत है। स्कोर का इंटरप्रिटेशन भी नीचे ग्राफिक में दिया है। सवालों को ध्यान से पढ़ें और अपना एसेसमेंट करें। मनोविज्ञान में मानसिक समस्याओं का हल करने के लिए प्रायः सीबीटी टेक्नीक का प्रयोग किया जाता है, जिसका अर्थ है कॉग्निटिव बिहेवियर टेक्नीक। आप खुद भी ये कर सकते हैं या जरूरत पड़ने पर एक्सपर्ट की मदद भी ले सकते हैं। इसे करने का मकसद सचेत तरीके से अपने सोचने के तरीके को बदलना है। यह समझना कि हमें जिस बात का डर सता रहा है, वो डर वाजिब है भी या नहीं। लगातार प्रैक्टिस और पॉजिटिव हस्तक्षेप से अपने सोचने के तरीके में बड़े सार्थक बदलाव किए जा सकते हैं। इसका एक उदाहरण नीचे ग्राफिक में दिया है। फिलहाल जो भी ख्याल आपको डराते हैं, आप खुद को उसका पॉजिटिव जवाब कैसे दें।अनेकों साइंस रिसर्च और स्टडी से यह साबित हो चुका है कि अल्जाइमर का फूड हैबिट्स और लाइफ स्टाइल से बिल्कुल सीधा संबंध है। इसलिए मैं आपको तीन प्रमुख सुझाव देना चाहूंगा- फूडः अपने भोजन को लेकर बहुत सचेत रहें। अच्छा, हेल्दी, फाइबरयुक्त खाना खाएं। टॉक्सिनः सिगरेट-शराब से दूरी बनाकर रखें। स्लीपः रोज 8 घंटे की नींद जरूर लें और तनाव से दूर रहें। वर्कआउटः रेगुलर एक्सरसाइज करें।14 यूनिट/सप्ताह से ज्यादा शराब लेने पर ब्रेन के ग्रे मैटर वॉल्यूम में कमी देखी गई है। नियमित शराब के सेवन से वर्किंग मेमोरी, फंक्शनल मेमारी पर नेगेटिव असर पड़ सकता है। शराब पीने से स्लीप क्वालिटी खराब होती है, न्यूरोरेस्टोरेशन घटता है। यदि आप डिमेंशिया से बचना चाहते हैं तो शराब से दूर रहना बहुत जरूरी है।ब्रह्मरी प्राणायामः यह चिंता को कम करता है और एकाग्रता को बढ़ाता है। नाड़ी शोधन प्राणायामः इससे फोकस बढ़ता है। त्राटक : इससे विजुअल फोकस बढ़ता है और ब्रेन एक्टिवेशन होता है। वज्रासन व ध्यानः इससे डाइजेशन अच्छा रहता है। ब्रेन का फ्रंटल लोब बेहतर काम करता है।

रिंकू सिंह ने पिता के लिए इमोशनल पोस्ट किया,लिखा- आपने सिखाया था फर्ज सबसे आगे, उसे पूरा करने की कोशिश की

अलीगढ़। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद अपने दिवंगत पिता खानचंद सिंह के लिए इमोशनल पोस्ट किया है।

भारत ने रविवार को

फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब जीता। यह मैच अहमदाबाद में खेला गया था। 27 फरवरी को रिंकू सिंह के पिता का निधन हो गया था। वह लंबे समय से स्टेज-4 लिवर कैंसर से जूझ रहे थे। काश आप पास होते रिंकू ने इंस्टाग्राम पर लिखा, आपसे बात किए बिना इतने दिन कभी नहीं निकले।

मुझे नहीं पता आगे की जिंदगी आपके बिना कैसे चलेगी, पर मुझे हर कदम पर आपकी जरूरत पड़ेगी। उन्होंने आगे लिखा, आपने ही सिखाया था कि फर्ज सबसे आगे है, तो मैदान पर सिर्फ आपका सपना पूरा करने की कोशिश कर रहा था। आपका सपना पूरा हो गया है, काश आप पास होते।

रिंकू के पिता खांचंद सिंह लंबे समय से लीवर कैंसर से जूझ रहे थे। यह चौथे स्टेज का कैंसर था।

पिछले महीने उनकी हालत बहुत खराब हो गई। रिंकू वर्ल्ड कप के दौरान पिता से मिलने घर भी गए थे। लेकिन 27 फरवरी 2026 को ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में उनके पिता का निधन हो गया। रिंकू ने अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया और फिर टीम में लौट आए।

5 मैचों में मौका मिला रिंकू सिंह को 2024 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के स्क्वॉड में जगह नहीं मिली थी और वे ट्रैवलिंग रिजर्व थे।

लेकिन इस बार उन्हें मौका मिला और उन्होंने भारत के लिए अपना पहला वर्ल्ड कप खेला। टूर्नामेंट में उन्होंने 5 मैच खेले और 24 रन बनाए।

बीसीसीआई टीम इंडिया को रु131 करोड़ देगा,यह पैसा खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ में बंटेगा,आईसीसी ने रु27.5 करोड़ प्राइज मनी दी था

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टी-20 वर्ल्ड कप

2026 जीतने पर टीम इंडिया के लिए 131 करोड़ रुपए के इनाम का ऐलान किया है। यह पैसा खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ में बंटेगा। भारत ने रविवार को टी-20 वर्ल्ड चैंपियन का खिताब अपने नाम किया था। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया और ट्रॉफी जीती थी। इसके साथ ही टीम इंडिया ने अपना खिताब बरकरार रखा और टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में लगातार दो बार ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बन गई। बीसीसीआई ने खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और सिलेक्टर्स को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी है। बोर्ड ने उम्मीद जताई कि टीम भविष्य में भी इसी तरह शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करती रहेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद भारतीय टीम को 3 मिलियन डॉलर (करीब 27.5 करोड़ रुपए) की इनामी राशि मिली। वहीं, रनर-अप न्यूजीलैंड को 1.6 मिलियन डॉलर (करीब 14.7 करोड़ रुपए) दिए गए। हालांकि, इस बार आईसीसी ने प्राइज मनी की आधिकारिक घोषणा नहीं की थी, जबकि आमतौर पर हर टूर्नामेंट में इसकी जानकारी पहले ही दे दी जाती है। भारतीय टीम 2024 के बाद 2026 में भी चैंपियन बनी और टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब डिफेंड करने वाली पहली टीम बन गई। इसके साथ ही इंडिया तीन टी-20 वर्ल्ड कप (2007, 2024 और 2026) जीतने वाली दुनिया की पहली टीम भी बन गया।अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में जीत के साथ भारत ने पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी भी जीती। इससे पहले टीम ने 2007 में साउथ अफ्रीका और 2024 में वेस्टइंडीज में खिताब जीता था। अब भारत के नाम तीन टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी हो गई हैं, जबकि वेस्टइंडीज और इंग्लैंड दो-दो बार ही यह खिताब जीत सके हैं। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया के खिलाड़ियों के जश्न के अलग-अलग अंदाज देखने को मिले। कप्तान सूर्यकुमार यादव गुजरात के गांधीनगर स्थित 500 साल पुरानी ऐतिहासिक बावड़ी अडालज नी वाव में ट्रॉफी के साथ फोटोशूट करते नजर आए।

पांच ईरानी फुटबॉल खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया ने शरण दी,एशियन कप खेलने गई थीं खिलाड़ी

नयी दिल्ली। एशियन कप से बाहर होने के बाद ईरान की महिला फुटबॉल टीम की पांच खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया ने मानवीय वीजा देकर अपने देश में रहने की इजाजत दे दी है। ऑस्ट्रेलिया के होम अफेयर्स मिनिस्टर टोनी बर्क ने बताया कि इन खिलाड़ियों को पुलिस ने सुरक्षित जगह पर पहुंचा दिया है। दरअसल, पिछले हफ्ते दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैच से पहले ईरान की टीम ने अपना राष्ट्रगान नहीं गाया था। इसके बाद ईरान में कुछ लोगों ने टीम की आलोचना की और उन्हें सख्त सजा देने की मांग भी की। इसी वजह से खिलाड़ियों ने शरण मांगी थी। टीम में कुल 26 खिलाड़ी और स्टाफ मौजूद थे, लेकिन फिलहाल सिर्फ पांच खिलाड़ियों ने ही शरण मांगी थी। बाकी खिलाड़ी अभी अपने फैसले पर विचार कर रहे हैं, क्योंकि उनके परिवार ईरान में रहते हैं और उन्हें उनके खिलाफ कार्रवाई का डर है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी पुष्टि की ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी पुष्टि की कि इन पांच खिलाड़ियों को मानवीय वीजा दे दिया गया है। इस वीजा के तहत वे ऑस्ट्रेलिया में रह सकती हैं, काम कर सकती हैं और पढ़ाई भी कर सकती हैं। इसी मामले पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी कहा था कि अगर जरूरत पड़े तो अमेरिका भी इन खिलाड़ियों को शरण देने के लिए तैयार है। खिलाड़ियों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया ऑस्ट्रेलिया में ईरानी टीम को लेकर व्यापक अटकलें लगाई गईं और खबरें भी खूब छपीं जब खिलाड़ियों ने अपने पहले मैच से पहले ईरानी राष्ट्रगान नहीं गाया। मंगलवार की सुबह ऑस्ट्रेलिया के संघीय पुलिस अधिकारियों ने गोल्ड कोस्ट, ऑस्ट्रेलिया के एक होटल से पांच महिलाओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया, क्योंकि उन्होंने शरण के लिए आवेदन किया था। मंत्री टोनी बर्क ने जानकारी दी वहां उनकी मुलाकात ऑस्ट्रेलिया के होम अफेयर्स मिनिस्टर टोनी बर्क से हुई और उनके मानवीय वीजा की प्रक्रिया पूरी हो गई। यह जानकारी मंत्री ने कुछ घंटों बाद ब्रिस्बेन में पत्रकारों को ही। बर्क ने कहा, मैं कल्पना भी नहीं कर सकता कि यह निर्णय प्रत्येक महिला के लिए कितना कठिन रहा होगा, लेकिन निश्चित रूप से कल रात खुशी और राहत का माहौल था।

फर्जी मामलों में पीड़ित को मुआवजा देना अब जरूरी है

दहेज उत्पीड़न और विवाहिताओं के खिलाफ क्रूरता के मामलों में दो महीने तक गिरफ्तारी पर रोक के लिए सुप्रीम कोर्ट का नया फैसला भी कहीं पुराने फैसलों

की तरह कानून की किताबों में गुम न होकर रह जाए? इसके लिए 5 बिंदुओं पर समझ जरूरी है।1. गिरफ्तारी : जोगिंदर कुमार बनाम यूपी राज्य (1994) के फैसले के अनुसार हिरासत और गिरफ्तारी के लिए पुलिस को अनेक अधिकार मिले हैं। चीफ जस्टिस वेंकटचलैया के अनुसार विवेक का इस्तेमाल किए बगैर मनमाने तरीके से गिरफ्तारी असंवैधानिक और गैर-कानूनी है। 1996 में डीके बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य के फैसले में हिरासत में लिए लोगों के कानूनी अधिकार तय किए गए थे। अर्नेश कुमार बनाम बिहार राज्य (2014) के फैसले में हिरासत और जेल को अपवाद कहा गया था। इन फैसलों के अनुसार जारी शासनादेशों का अनुपालन नहीं होने से थानों और अदालतों के चक्कर में करोड़ों परिवार तबाह हो रहे हैं। 2. सुप्रीम कोर्ट : नए फैसले के अनुसार धारा 498-ए के दुरुपयोग को रोकने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के जून 2022 के आदेश के अनुसार जिलों में परिवार कल्याण समितियों का गठन होना चाहिए। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट ने राजेश शर्मा मामले में जून 2017 में एक बड़ा फैसला दिया था। उसके अनुसार धारा 498-ए से जुड़े अधिकांश मामलों में फर्जी तरीके से पति और उसके परिजनों को पुलिस केस में फंसाया जाता है। फैसले में नेशनल लीगल सर्विसेस अथॉरिटी को मार्च 2018 तक रिपोर्ट पेश करने का आदेश था, जिसका 8 साल बाद कोई विवरण नहीं आ रहा। धारा 498-ए के दुरुपयोग को रोकने के लिए 2008 में दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के अनुसार दिल्ली में पुलिस अधिकारियों के लिए सख्त दिशानिर्देश जारी किए गए थे। ऐसे अनेक पुराने फैसलों पर जब अमल नहीं हो रहा तो अब नए फैसले के बाद जमीनी स्तर पर लोगों को इंसाफ कैसे मिलेगा? 3. संसद से कानून : पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संविधान के अनुच्छेद 142 की विशिष्ट शक्तियों के दुरुपयोग और सुप्रीम कोर्ट के सुपर-संसद बनने पर रोष व्यक्त किया था। अनुच्छेद 141 के तहत सुप्रीम कोर्ट के आदेश अधीनस्थ अदालतों के लिए बाध्यकारी होते हैं। पर उन फैसलों के अनुसार सरकार और संसद ने आईपीसी या बीएनएस और सीआरपीसी या बीएनएसएस की कानून की किताबों में बदलाव नहीं किए। इस संसदीय विफलता की वजह से पुलिस की मनमर्जी के साथ अदालतों में अराजकता बढ़ रही है। 4. जिला अदालतें : अदालतों में चल रहे 5.07 करोड़ मुकदमों में से लगभग 70 फीसदी यानी 3.52 करोड़ आपराधिक हैं। गरीबों को सही मामलों में भी एफआईआर दर्ज कराने के लिए थानों में एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ता है। दूसरी तरफ नेताओं और रसूखदार लोगों के इशारों पर सिविल मामलों में भी फर्जी एफआईआर दर्ज हो जाती है। सुप्रीम कोर्ट के नए-पुराने फैसलों से साफ है कि पारिवारिक मामलों में फर्जी तरीके से पति और उसके परिजनों को फंसाने का दुश्चक्र चल रहा है। पुलिस की गिरफ्तारी के बाद जिला अदालतों में रूटीन तरीके से आरोपियों को जेल भेज दिया जाता है। जमीन के मामलों में पटवारी की रिपोर्ट और आपराधिक मामलों में पुलिस दरोगा की एफआईआर को अदालतों में अकाट्य मानने के साम्राज्यवादी रिवाज की वजह से आजाद भारत के करोड़ों लोग पीढ़ी-दर-पीढ़ी थाने और अदालतों के धक्के खाने के लिए अभिशप्त हैं। 5. गुजारा भत्ता : सुप्रीम कोर्ट के इस नए फैसले से दो दर्जन से ज्यादा मुकदमे और गुजारा भत्ता की रकम रद्द होने के साथ हाल ही के शिवांगी बंसल वाले मामले में आईपीएस पत्नी को माफीनामा भी देना पड़ा। लेकिन पति और पिता को 100 दिन से ज्यादा जेल में रहना पड़ा, उसकी भरपाई कैसे होगी? कुछ दिनों पहले सुप्रीम कोर्ट में पत्नी ने गुजारा भत्ता के नाम पर 12 करोड़ रुपए, लग्जरी फ्लैट और कार की मांग की थी। लिव-इन रिश्तों को कानूनी मान्यता और स्त्री-पुरुष समानता के दौर में तलाक के कानून को सरल बनाने के साथ गुजारा भत्ता के नियमों को व्यावहारिक बनाने के लिए सात दशक पुराने कानूनों में बदलाव लाने की जरूरत है।डिजिटल इंडिया का समय है। ऐसे में आम जनता के हितों और अधिकारों से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के निर्विवाद फैसलों के विवरण का ऐप जारी हो। फैसलों का पालन नहीं करने वाले पुलिस और न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ अवमानना का मामला चलने के साथ प्रशासनिक निलम्बन की कार्रवाई हो। फर्जी तरीके से दर्ज एफआईआर और गैर-कानूनी हिरासत के मामलों में पीड़ित व्यक्ति को मुआवजा मिले। ऐसा होगा तो ही दहेज उत्पीड़न और एससी/एसटी समेत सभी मामलों में कठोर कानूनों के दुरुपयोग पर प्रभावी रोक लग सकेगी। (ये लेखक के अपने विचार हैं, विराग गुप्ता)

अब भारतीय राजनीति में 'थरूर फैक्टर' के क्या हैं मायने?

पहलगाम हमले के बाद विपक्ष की राजनीति में यदि कोई केंद्र बिंदु बना है तो वो हैं डॉ. शशि थरूर। वे तब सुर्खियों में आए, जब केंद्र सरकार ने उन्हें विश्व

की राजधानियों में भेजे जा रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से एक का नेतृत्व सौंपा, जबकि उनकी पार्टी ने उनके नाम की सिफारिश तक नहीं की थी।हालांकि मनमोहन सिंह ने भी कश्मीर पर राउंड-टेबल वार्ता के लिए 2006 में श्रीनगर में एक ऐसे 'सरकारी प्रतिनिधिमंडल' का नेतृत्व किया था, जिसके लिए दूसरी पार्टियों के अध्यक्षों से कोई सुझाव नहीं मांगे गए थे। वास्तव में, सरकार ने तीन और ऐसे कांग्रेस सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है, जो कांग्रेस की ओर से नामित नहीं किए गए थे। इनमें सलमान खुर्शीद, मनीष तिवारी और अमर सिंह हैं। सरकार ने राहुल गांधी की ओर से भेजे गए नामों में से सिर्फ आनंद शर्मा को ही चुना, शेष तीन नाम खारिज कर दिए। यदि थरूर को शामिल नहीं किया गया होता तो कांग्रेस और सरकार के बीच एक ऐसे समय में राजनीतिक मतभेद उभरकर सामने नहीं आए होते, जब सरकार कूटनीतिक मोर्चे पर भारत की एकजुटता दिखाने की कोशिश कर रही है। थरूर ने निमंत्रण को तुरंत स्वीकारा और उसे अपने लिए 'सम्मान' बताया। उन्होंने कहा कि 'जब देशहित में मेरी सेवाओं की दरकार हो तो मैं पीछे नहीं हटूंगा।' थरूर ने वैश्विक मीडिया के सामने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत का पक्ष बेहद प्रभावी ढंग से रखा था। केरल से चार बार सांसद रह चुके थरूर एक समय संयुक्त राष्ट्र के महासचिव बनने को लेकर उम्मीदजदा थे। तब उनकी वाकपटुता और सम्प्रेषण-कौशल ने भाजपा और कांग्रेस दोनों को प्रभावित किया था। कई लोगों का मानना है कि पहलगाम के बाद भारत के पक्ष को थरूर ने इतने बेहतर तरीके से सामने रखा है, जितना कि भाजपा प्रवक्ता भी नहीं कर पाए थे। पिछले कुछ समय से थरूर कांग्रेस आलाकमान की आंख की किरकिरी बने हुए हैं। गांधी परिवार को लगता है कि उन्होंने थरूर की कई बार करियर में आगे बढ़ने में मदद की थी, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में वे पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार मल्लिकार्जुन खरगे के सामने खड़े हो गए। हालांकि थरूर हार गए, लेकिन उन्होंने अपना असर जरूर छोड़ा।वे पार्टी से परे भी अपने प्रशंसक बनाने में सफल रहे हैं। कुछ समय पहले उन्होंने नाराजगी जताते हुए यह भी कहा था कि पार्टी ने उनका ठीक से उपयोग नहीं किया है और उनके पास 'दूसरे विकल्प' भी हैं। सोशल मीडिया पर उनके बड़ी संख्या में फॉलोअर्स हैं। पेशेवर और बुद्धिमान लोगों के साथ ही युवा भी उन्हें सम्मान की नजर से देखते हैं। लोग उन्हें सुनने आते हैं। उनके समर्थक केरल ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण भारत में देखे जा सकते हैं। उन्होंने अपना यह जनाधार हाईकमान की मदद के बिना तैयार किया है। कांग्रेस में कई नेता अचरज करते हैं कि आखिर थरूर की राजनीति क्या है? कई उनके भाजपा की ओर झुकाव का संकेत भी करते हैं। मोदी सरकार द्वारा थरूर को एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई सौंपने से भी इन अटकलों को बल मिला है। थरूर के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल अमेरिका सहित पनामा, गयाना, ब्राजील और कोलंबिया जाएगा।मौजूदा हालात में यह साफ नहीं है कि क्या कांग्रेस उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करेगी और अगर हां तो किस आधार पर। केरल में अगले साल चुनाव होने जा रहे हैं, ऐसे में थरूर के खिलाफ कोई भी कदम उठाना कांग्रेस के लिए मुश्किलें पैदा कर सकता है।

केरल ऐसा राज्य है, जहां कांग्रेस अपनी जीत के प्रति आश्वस्त है। वाम मोर्चा वहां पर पिछले दो कार्यकालों से सत्ता में है।यह भी साफ नहीं है कि थरूर आने वाले हफ्तों में क्या करने वाले हैं। क्या वे नई पार्टी बनाएंगे, अलबत्ता यह कभी भी आसान नहीं होता। वे भाजपा या सीपीएम में शामिल हो सकते हैं। लेकिन इसकी भी संभावना बहुत कम है। क्योंकि ऐसा करने पर उनकी वो तमाम राजनीतिक पूंजी नष्ट हो सकती है, जो उन्होंने कमाई है। या क्या वे निर्दलीय सांसद के रूप में केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल हो सकते हैं? ये सब अभी अटकलें हैं, लेकिन यह साफ है कि केंद्र सरकार उनका सदुपयोग करना चाह रही है। थरूर भी उम्मीद कर सकते हैं कि सरकार उन्हें ऐसी कोई भूमिका दे, जैसे अभी दी है। किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी, लेकिन थरूर-फैक्टर हमें भविष्य के बदलावों का संकेत जरूर देता है। क्या गांधी परिवार की अवहेलना के बावजूद अपनी जमीन कायम रखने से थरूर को कांग्रेस के अनपेक्षित हलकों से समर्थन दिलाया है? अतीत में कैप्टन अमरिंदर सिंह को भी तो इन्हीं कारणों से लोकप्रियता मिली थी।भाजपा यह साबित करने में तो निश्चय ही सफल हुई है कि कांग्रेस में शशि थरूर जैसे अनेक सक्षम, वाकपटु और अनुभवी नेता हैं, जिनको मौका मिले तो वे गांधी परिवार की तुलना में पार्टी का बेहतर तरीके से नेतृत्व कर सकते हैं। (ये लेखिका के अपने विचार हैं।)

अरबपतियों की संख्या बढ़ना खतरे की घंटी भी हो सकती है

हर साल मैं यह देखने के लिए फोर्ब्स की फेहरिस्त का विश्लेषण करता हूं कि किन देशों में अरबपतियों की सम्पत्ति उनके देश की जीडीपी के ?हिस्से के रूप में बढ़ रही है। या किन देशों में सम्पत्ति अरबपतियों के पारिवारिक साम्राज्य में केंद्रित होकर रह जा रही है या उन बुरे उद्योगों में तब्दील हो रही है, जो उत्पादकता से अधिक भ्रष्टाचार के लिए जाने जाते हैं। जिन देशों में इस तरह के मामले सबसे ज्यादा मिलते हैं, वहां पूंजीवाद-विरोधी विद्रोहों का खतरा भी सबसे अधिक रहता है। इस साल चेतावनियों के संकेत स्वीडन की ओर इशारा कर रहे हैं। भले ही कई प्रगतिशील लोग स्वीडन को एक समाजवादी-स्वर्ग के तौर पर देखते हों, लेकिन वहां अरबपतियों की संपत्ति जीडीपी के 31इ तक हो गई है। यह 20 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। आज स्वीडन में 45 अरबपति हैं, जो अमेरिका से प्रति व्यक्ति पैमाने पर डेढ़ गुना अधिक हैं। अब तक के सबसे धनी अमेरिकी जॉन डी. रॉकफेलर हैं, जिनकी सम्पत्ति 1910 के आसपास जीडीपी की 1.5इ से अधिक थी। आज किसी अमेरिकी के पास इतनी दौलत नहीं। आज के रॉकफेलर स्वीडन में हैं, जिनमें से सात की सम्पत्ति जीडीपी के हिस्से में रॉकफेलर से अधिक है।एक कार्यशील अर्थव्यवस्था से अरबपतियों की संतुलित श्रेणी निर्मित होती है, जिसमें रियल एस्टेट और कमोडिटी जैसे सेक्टरों की 'बैड वेल्थ' की तुलना में टेक और मैन्युफैक्चरिंग जैसे उद्योगों की 'गुड वेल्थ' अधिक होती है। ऐसा नहीं है कि रियल एस्टेट और कमोडिटी सेक्टर खराब हैं। लेकिन कार या सॉफ्टवेयर जैसे सेक्टरों की तुलना में उत्पादकता में उनका कम योगदान होता है।

लेकिन स्वीडन में आज 'गुड बिलियनेअर्स' की संख्या 'बैड बिलियनेअर्स' की तुलना में आधी रह गई है। स्वीडन भले ही टेक-उद्यमियों के लिए बेहतर स्थान के तौर पर प्रसिद्ध हो, लेकिन इनमें से तीन ही फोर्ब्स की सूची में जगह पा सके हैं। अरबपतियों की सम्पत्ति में 'गुड वेल्थ' का हिस्सा महज 12फीसदी है, जो शीर्ष 10 विकसित देशों की सूची में तीसरा सबसे निम्नतम है। स्वीडन ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अनियंत्रित वेलफेयर-स्टेटिज्म के अपने प्रयोग की विफलता के बाद वेल्थ-क्रिएशन को प्रोत्साहित करना शुरू किया। भारी करों के चलते वहां की मशहूर हस्तियां और उद्योगपति पलायन करने लगे।1990 के दशक की शुरुआत में आए वित्तीय संकटों ने स्वीडन को समाजवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया। उसने उच्च आय करों से भुगतान की जाने वाली मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को समाप्त नहीं किया। लेकिन धन, विरासत, निगमों और अचल संपत्ति पर करों को समाप्त या कम करते हुए कल्याणकारी राज्य का आकार छोटा कर दिया। 2000 के दशक का मध्य आते-आते वहां के सुपर-रिच पलायन नहीं कर रहे थे। उलटे वे हावी हो गए थे। स्वीडन के अरबपतियों की लगभग 70फीसदा संपत्ति विरासत (इनहेरिटेंस) से आती है, जो फ्रांस और जर्मनी के बाद तीसरी सबसे अधिक है।स्वीडन हाल के वर्षों में अरबपतियों की संख्या में उछाल देखने वाला एकमात्र बड़ा कल्याणकारी राज्य नहीं है। फ्रांस में भी ऐसा हुआ है। लेकिन दोनों में विशेष असंतुलन है। स्वीडन में विकृत कर और ईजी-मनी (आसानी से मिलने वाला कर्ज) है।वह वेतन की तुलना में पूंजी पर बहुत कम कर लगाता है, और कभी-कभी पूंजी पर प्रतिगामी कर लगाता है। स्वीडन ने ब्याज दरों को यूरोपीय औसत से भी नीचे रखा है। कम दरों से संपत्ति की कीमतें बढ़ती हैं, जबकि अमीरों के लिए अधिक लाभ कमाने के लिए पैसे उधार लेना आसान हो जाता है।हाल के चुनावों में, राजनीतिक गुस्सा असमानता नहीं अप्रवासियों और अपराध पर केंद्रित रहा है। कई प्रमुख व्यवसायी अपनी संपत्ति का दिखावा करने के बजाय दान देने के लिए अधिक जाने जाते हैं। लेकिन मेरे थ्री-बिलियनेअर्स मेट्रिक्स पर स्वीडन की समग्र रैंकिंग मेरे द्वारा ट्रैक किए जाने वाले 20 देशों में सबसे खराब है, और यह अच्छा संकेत नहीं है।मैंने 2010 में ये विश्लेषण शुरू किए थे, जब भारत में 'बैड बिलियनेअर्स' की बढ़ती सम्पत्ति ने वेल्थ-क्रिएशन के खिलाफ ऐसी प्रतिक्रिया को जन्म दिया, जो व्यावसायिक-गतिविधियों को रोकने के लिए पर्याप्त थी। इसके बाद वाले दशक में अरबपतियों के मेट्रिक्स पर निराशाजनक परिणाम ने दुनिया भर में विद्रोहों का संकेत दिया। इनमें चिली में 2019 में सामाजिक-विषमता के खिलाफ बड़े पैमाने पर दंगे भड़कने से पहले और फ्रांस में 2023 में 'टैक्स-द-रिच' रैलियों के फैलने से पहले हुए विद्रोह शामिल हैं। पेरिस के विरोध-प्रदर्शनों में तो शीर्ष अरबपतियों को नाम लेकर निशाना बनाया गया था। अर्थव्यवस्था में वेल्थ-क्रिएशन को प्रोत्साहित करना जरूरी तो है, लेकिन संतुलन भी आवश्यक है। अरबपतियों के हाथों में बहुत ज्यादा पैसा केंद्रित होने से राजनीतिक प्रतिरोध या नीतिगत उलटफेर का खतरा पैदा हो जाता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

छात्रों को एआई टूल्स से चीटिंग करने से कैसे रोकें?

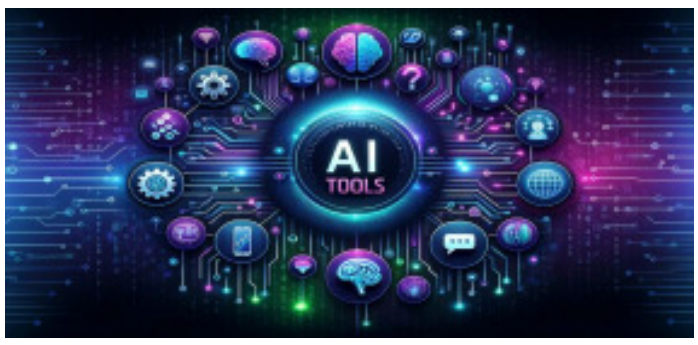

मैं एक ऐसी महिला को जानता हूं जो लैटर लिखने का काम करती थीं। इससे वो अच्छा कमा लेती थीं। वो आईवी कॉलेजों (हॉर्वर्ड, ऑक्सफोर्ड जैसे प्रतिष्ठित कॉलेज) में दाखिला लेने के इच्छुक छात्रों के लिए 'लेटर ऑफ पर्पस' (एलओपी) लिखती थीं। वो उनमें से थी, जिनके पास दोस्तों तक के फोन उठाने का वक्त नहीं होता था, खासकर भारत में हाई स्कूल के रिजल्ट के बाद। उनका रिकॉर्ड था कि उनके किसी भी स्टूडेंट का आईवी कॉलेज में आवेदन निरस्त नहीं हुआ। वो छात्रों का व्यक्तिगत साक्षात्कार करतीं, उन्हें समझतीं, फिर एलओपी तैयार करतीं। इसके अलावा, छात्रों को दो घंटे की व्यक्तिगत कोचिंग देतीं कि इंटरव्यू में कैसे पेश आएं, संभावित सवाल क्या हो सकते हैं। असल इंटरव्यू से चंद घंटे पहले पर्सनल कोचिंग फिर दोहराती। ताज्जुब की बात नहीं कि उनकी फीस भी बहुत थी। दरअसल, जो भी स्टूडेंट दुनिया के अच्छे कॉलेजों में दाखिला लेना चाहते हैं, उन्हें दमदार एलओपी जमा करना होता है, उसके आधार पर कॉलेज एडमिशन तय करता है। पर 2025 में वो बेरोजगार हो गईं! कल रात एक डिनर पर मेरी उनसे मुलाकात हुई और उन्होंने इस बारे में बताया। जब मैंने आश्चर्य व्यक्त किया, तो उन्होंने फीकी हंसी में कहा, 'ओपनआई के चैटजीपीटी ने मेरी नौकरी छीन ली है। साल 2022 के नवंबर से इसने धीरे-धीरे मेरी नौकरी छीनना शुरू कर दिया, लेकिन मैंने तब इस पर ध्यान नहीं दिया। और अब 2025 में, मेरे पास छात्र नहीं आ रहे। अब केवल वही छात्र आते हैं, जिन्हें कॉलेजों ने खारिज कर दिया है और मुझे उन्हीं स्टूडेंट्स को किसी अन्य यूनिवर्सिटी में दाखिला दिलाने के लिए दोगुनी मेहनत करके प्रशिक्षित करना पड़ रहा है।' उनके साथ हुई बातचीत

ने मुझे कई कॉलेज के प्रोफेसरों के साथ हुई चर्चाएं याद दिला दी। उन प्रोफेसर्स ने ये माना कि तकनीक से छेड़खानी के मामले में उम्रदराज प्रोफेसर छात्रों से एक कदम पीछे रहते हैं। उनका कहना है कि 'निबंध लेखन, होमवर्क, प्रोजेक्ट रिपोर्ट और पीपीटी में भी चीटिंग का पता लगाना मुश्किल होता है।' यहां तक कि छात्रों के आर्टफिशियल तरीके से तैयार कंटेंट को टूल्स का इस्तेमाल करके भी पहचानना मुश्किल हो रहा है। प्रोफेसर्स दुखी होकर कहते हैं, जब स्टूडेंट्स अपना मुंह खोलते हैं और अंग्रेजी में बात करते हैं, जो कि पहले ही वह अपने प्रोजेक्ट में लिख चुके हैं, तब जाकर हमें पता चलता है कि प्रोजेक्ट में इस्तेमाल कंटेंट टेक्नोलॉजी की मदद से कॉपी किया गया है। इस बीच`ल्ह्.म्दस् के एक सर्वे से पता चला है कि 89इ कॉलेज छात्र असाइनमेंट पूरा करने के लिए चैटजीपीटी का उपयोग कर रहे हैं। इस तकनीक का उपयोग करने वाले छात्रों की इतनी बड़ी संख्या के बावजूद, उनमें से 72फीसदी कहते हैं कि वे नकल पर आधारित शिक्षा नहीं चाहते। वे चाहते हैं कि चैटजीपीटी को कैंपस में बैन किया जाए। तो, क्या किया जा सकता है? कई विशेषज्ञों ने कई सुझाव दिए हैं, लेकिन शीर्ष पांच बिंदु हैं: 1. उन शैक्षणिक तरीकों की ओर लौटें, जो सदियों से शिक्षकों का साथ देते आ रहे हैं। 2. विश्वविद्यालयों को मूल्यांकन के लिए व्यक्तिगत दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। 3. प्रोफेसर्स को कक्षाओं में बातचीत का कल्चर फिर खड़ा करना होगा। उच्च शिक्षा के लिए मौखिक संचार हमेशा से अच्छा मॉडल रहा है। अलग-अलग स्ट्रीम के स्टूडेंट्स के बीच डिस्कशन होगा, तो तार्किक परिचर्चाएं विश्वविद्यालय शिक्षा के केंद्र में होंगी। 4. छात्रों को प्रश्न पूछने-आइडिया शेयर करने दें, इससे कक्षाएं सार्थक होंगी। 5. उन्हें सिखाएं कि पैसे कैसे कमा सकते हैं। कुछ लोग इस पर आपत्ति कर सकते हैं। पर बता दूं कि जब क्रिकेटर आठ अंकों में कमाता है, तो केवल कक्षा का सैद्धांतिक ज्ञान उन्हें पीछे छोड़ देता है। इसलिए शुद्ध ज्ञान से नैतिक रूप से पैसे कमाने को प्रोत्साहित करें। फंडा यह है कि जो छात्र बिना किताबें पढ़े क्विज में टॉप करता है, उसने कुछ नहीं सीखा होता। तकनीक पर निर्भर छात्र न केवल ज्ञान हासिल करने में विफल होते हैं, बल्कि रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच की क्षमताओं का भी विकास नहीं कर पाते। छात्रो, ये आपका चुनाव है कि आपका मार्गदर्शक कौन होगा- प्रोफेसर या तकनीक? इस पर विचार करें।

हम अपनी सुरक्षा को दुनिया के भरोसे नहीं छोड़ सकते

जीवन की तरह कूटनीति में भी जो अनकहा रह जाता है, वह कहे जितना ही मुखर होता है। जब ट्रम्प ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद संघर्ष-विराम की घोषणा- जाहिराना तौर पर श्रेय लेने की गरज से- की, तो आतंकवाद के केंद्र के रूप में पाकिस्तान की भूमिका पर उनकी चुप्पी बहुत मुखर थी।भला अमेरिका यह कैसे भूल सकता है कि वह मानव इतिहास में सबसे घातक इस्लामिक आतंकवादी हमले का शिकार हुआ था, जब वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के ट्विन-टॉवर को नष्ट कर दिया गया था और पेंटागन पर भी हमला किया गया था।अल-कायदा के ओसामा बिन लादेन की सरपरस्ती में हुए उस हमले में 2977 अमेरिकी मारे गए थे, हजारों घायल हुए थे, 10 अरब डॉलर से अधिक की सम्पत्ति नष्ट हो गई थी और 430,000 लोगों की नौकरी चली गई थी। उसके बाद से 9/11 को 2000 और अकाल-मृत्युओं के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है, और टॉक्सिक-एक्स्पोजर के कारण उस हादसे से जीवित बचे लोगों में भी कैंसर का खतरा 30इ बढ़ गया है।अमेरिका को लादेन को खोजकर मारने में दस साल लगे और उसे इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। और लादेन कहां मिला? एबटाबाद में पाकिस्तान की हुकूमत द्वारा मुहैया कराए एक कड़ी सुरक्षा वाले घर में, जहां वह परिवार के साथ मजे से रह रहा था। यह भवन पाकिस्तान की सैन्य अकादमी से कुछ

ही दूरी पर था। अगर यह आतंकवाद से पाकिस्तानी-तंत्र की मिलीभगत का खुलासा नहीं करता तो और क्या करता है?आज भी पाकिस्तान में दर्जनों ऐसे आतंकवादी समूह और व्यक्ति हैं, जिन पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगाया है। इनमें मसूद अजहर के नेतृत्व वाला जैश-ए-मोहम्मद भी शामिल है। मसूद 2019 से ही संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादियों की सूची में शामिल है।लश्कर-ए-तैयबा और हाफिज सईद के नेतृत्व वाला उसका प्रमुख संगठन जमात-उद-दावा भी अमेरिका, ईयू, रूस और भारत द्वारा आतंकवादी संगठन के रूप में नामजद है। 2008 के मुंबई हमले के पीछे जिस जाकिर रहमान लखी का दिमाग था, वह यूएन सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध-सूची में शुमार है। हिज्बुल मुजाहिदीन का लीडर सैयद सलाहुद्दीन और 1993 मुंबई धमाकों के ?लिए जिम्मेदार दाऊद इब्राहिम को भी अमेरिका ने वैश्विक आतंकवादी घोषित किया है। आतंकवाद के प्रायोजकों पर अमेरिकी सरकार की एक अधिकृत सूची पाकिस्तान को आतंक की ऐसी 'सुरक्षित पनाहगाह' बताती है, जहां आतंकवादी और उनके समूह हुकूमत की मदद से दहशतगर्दी को अंजाम देने की योजनाएं बना सकते हैं, धन जुटा सकते हैं, भर्तियां कर सकते हैं, रंगरूटों को प्रशिक्षित कर सकते हैं और वारदातों को अंजाम दे सकते हैं। लेकिन अमेरिका और यूएन ने जिन आतंकवादियों को प्रतिबंधित किया है, वे पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहे हैं। इस सबके बावजूद ट्रम्प ने संघर्ष-विराम की घोषणा करते हुए भारत और पाकिस्तान को एक साथ कैसे जोड़ दिया? उन्हें पता था कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित पहलगाम हमले के प्रतिशोध के रूप में शुरू किया गया था। एक ऐसा देश- जिसने खुद पाकिस्तान में पनाह लेने वाले लादेन को खोजकर मार गिराया था- उसी का राष्ट्रपति सीजफायर के बाद पाकिस्तान प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद की निंदा किए बिना भारत और पाकिस्तान दोनों को उनके बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय के लिए कैसे बधाई दे सकता है? दशकों से पाकिस्तानी प्रतिष्ठान ने जवाबदेही से बचते हुए रियायतें पाने के लिए अपनी भू-राजनीतिक स्थिति का लाभ उठाने की कला में महारत हासिल की है। लेकिन भारत को इन दोहरे मानदंडों का कड़ा विरोध करना होगा। दुनिया ने पाकिस्तान की हकीकत से न केवल आंखें मूंद ली हैं, बल्कि आईएमएफ ने एक बार फिर इस आतंकवादी देश को पुरस्कृत भी किया। लेकिन भारत के पास इस तरह से अतीत को भूलने की सुविधा नहीं है। हमारे लिए पाकिस्तान में मौजूद आतंकवाद का बुनियादी ढांचा एक अस्तित्वगत खतरा है। यह हमारे लिए भू-राजनीतिक सौदेबाजी का साधन मात्र नहीं है।

किसी पर रहम, किसी को सजा- ये कैसा 'तंत्र' है!

कुछ सप्ताह पहले मैंने 'माय नेम इज रहीम खान' शीर्षक से एक वीडियो-ब्लॉग प्रसारित किया था, जिसमें बताया गया था कि आज एक भारतीय मुसलमान होने का क्या मतलब है। इसके बाद तत्काल ही मैं दक्षिणपंथियों के निशाने पर आ गया। मुझ पर आरोप लगाया गया कि बढ़ते इस्लामिक चरमपंथ की समस्या से बचने के? लिए मुस्लिम-विक्टिमहुड का झूठा चित्रण कर रहा हूं। लेकिन आज सोचने पर लगता है कि शायद मेरे उस ब्लॉग का शीर्षक 'माय नेम इज अली खान महमूदाबाद' होना चाहिए था। फेसबुक पर टिप्पणी के लिए अशोका यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी बताती है कि हमारे राजनीतिक-तंत्र में क्या गलत है, जो भारतीय मुसलमानों को हाशिए पर धकेल रहा है। उनका अपराध यह था कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर अपने विचार व्यक्त किए थे। उन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दक्षिणपंथी टिप्पणीकारों के पाखंड पर सवाल उठाया था। उन्होंने लिखा था कि मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई कि बहुत से दक्षिणपंथी टिप्पणीकार कर्नल कुरैशी की तारीफ कर रहे हैं, लेकिन शायद उन्हें इतने ही पुरजोर तरीके से यह मांग भी करनी चाहिए कि मॉब लिंचिंग, बुलडोजर और नफरत फैलाने वाली राजनीति के शिकार होने वाले दूसरे लोगों को भी भारतीय नागरिकों की भांति सुरक्षा मिले।ऐसा लिखकर अली खान यह बताना चाह रहे थे कि कर्नल कुरैशी को धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक बताने और धरातल पर भारतीय मुसलमानों के खिलाफ बढ़ते भेदभाव के बीच कितना अंतर है। क्या इस टिप्पणी को भारत की स्वायत्तता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाली बातों के तौर पर देखा जा सकता है? या क्या इसे किसी महिला की गरिमा का अपमान करने वाला कृत्य कहा जा सकता है? सरकार की आलोचना कब से इस हद तक एक अपराध हो गई कि भाजपा युवा मोर्चा के एक कार्यकर्ता सरपंच की शिकायत पर तत्काल गिरफ्तारी हो जाए या हरियाणा महिला आयोग नोटिस भेज दे? महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया से जब एक टीवी इंटरव्यू में यह पूछा गया कि अली खान ने किसी महिला की गरिमा का हनन कैसे किया है तो उनके पास इसका कोई तार्किक स्पष्टीकरण नहीं था। यह साफ है कि अन्य 'सरकारी' संस्थानों की तरह महिला आयोग ने भी आधिकारिक निर्देशों पर जल्दबाजी में नोटिस भेज दिया था। इसमें दिल्ली पुलिस भी शामिल थी। इस मामले ने कई परेशान करने वाले सवाल खड़े किए हैं। जैसे कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश के? लिए सत्ता का दुरुपयोग। यह इस तरह का इकलौता मामला नहीं है। चाहे किसी भी दल की सरकार हो, वह असहमति के स्वरों को दबाने के लिए इसी तरह से अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करती है। याद करें कि कैसे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के बारे में सोशल मीडिया पर कथित रूप से एक अपमानजनक पोस्ट शेयर करने पर मराठी अभिनेत्री केतकी चिताले को 2022 में गिरफ्तारी का सामना करना पड़ा था। और कैसे द्रमुक सरकार ने तब चुप्पी साध ली थी, जब एक 'समूह' ने सत्ताधारी पार्टी के मुखर आलोचक और यूट्यूबर सुवुक्कू शंकर के घर में गंदगी फेंक दी थी। और कैसे कोलकाता के एक प्रोफेसर पर ममता बनर्जी का कार्टून फॉरवर्ड करने के आरोप लगाए गए थे और उन्हें गिरफ्तारी के 11 साल बाद जाकर रिहा किया गया था।एक मायने से भारतीय राजनीतिक तंत्र ने युगांडा के तानाशाह ईदी अमीन के इस कथन को अपना लिया है कि 'बोलने की आजादी तो है, लेकिन बोलने के बाद आजादी की गारंटी नहीं है!' हालात ऐसे बन गए हैं कि कौन कानून के दायरे में आएगा और कौन नहीं, यह भी आज पूरी तरह से सत्ता-कुलीनों की निजी धारणाओं के अधीन हो गया है। अली खान प्रकरण की तुलना मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह से

दावा-सैटेलाइट से अमेरिकी लोकेशन ट्रैक कर रहा था चीन

ईरान पर पहला बम गिरने से पहले ही चीनी कंपनी ने दी थी हमले की जानकारी

बीजिंग। 28 फरवरी को ईरान पर पहली मिसाइल चलने से पहले ही चीनी सोशल मीडिया पर संकेत मिलने लगे थे कि अमेरिका बड़ा हमला करने की तैयारी कर रहा है। इंटरनेट पर अमेरिकी सैन्य तैयारियों से जुड़ी सैटेलाइट तस्वीरें तेजी से फैलने लगी थीं। इन तस्वीरों में रनवे पर खड़े लड़ाकू विमान, रेगिस्तानी एयरफील्ड पर उतरते ट्रांसपोर्ट प्लेन और भूमध्यसागर में किसी विमानवाहक पोत के डेक पर तैनात फाइटर जेट दिखाई दे रहे थे। इन तस्वीरों की खास बात यह थी कि इनमें असामान्य रूप से बहुत ज्यादा जानकारी दी गई थी और यह जानकारी अंग्रेजी में नहीं बल्कि मंदारिन (चीनी भाषा) में लिखी हुई थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तस्वीरों में अलग-अलग विमानों के नाम बताए गए थे, मिसाइल रक्षा सिस्टम को साफतौर पर चिह्नित किया गया था और सैनिकों की तैनाती को सटीक लोकेशन के साथ दिखाया गया था।इन सैटेलाइट तस्वीरों को एक चीनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ने ऑनलाइन साझा किया था। एक तस्वीर में इजराइल के ओवदा एयरबेस पर लॉकहीड मार्टिन के एफ-22 स्टेल्थ फाइटर खड़े दिखाई दे रहे थे। दूसरी तस्वीर में सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर विमानों और सपोर्ट सिस्टम की बढ़ती तैनाती दिखाई गई थी। इसके अलावा कतर, जॉर्डन और बहरीन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी नक्शे पर चिह्नित किया गया था। ये सभी तस्वीरें शंघाई स्थित जियोस्पेशियल इंटेलिजेंस कंपनी मिजार विजन ने साझा की थीं, जिसमें 200 से कम कर्मचारी काम करते हैं। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने मिलकर 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के तहत ईरान पर हवाई हमले शुरू किए। इसके जवाब में तेहरान ने मिसाइल और ड्रोन हमले किए। लेकिन इस संघर्ष के बीच एक और चीज समानांतर रूप से चल रही थी। इंटरनेट पर लगातार सैटेलाइट तस्वीरें सामने आ रही थीं, जिनमें अमेरिकी विमानों, मिसाइल रक्षा सिस्टम और नौसैनिक गतिविधियों को दिखाया जा रहा था। ये सभी तस्वीरें शंघाई स्थित जियोस्पेशियल इंटेलिजेंस कंपनी मिजार विजन द्वारा साझा की जा रही थीं। बताया जाता है कि पहली बड़ी तस्वीरों का सेट 20 फरवरी के आसपास सामने आया था। मिजार विजन ने हाई-रेजोल्यूशन सैटेलाइट तस्वीरों का एक संग्रह जारी किया, जिसमें दक्षिणी इजराइल के ओवदा एयर बेस पर अमेरिकी विमानों की तैनाती, सऊदी अरब और कतर समेत मिडिल ईस्ट के कई देशों में फाइटर जेट की मौजूदगी, अरब सागर में नौसैनिक गतिविधियां और विमानवाहक पोतों की आवाजाही दिखाई गई। इन सभी तस्वीरों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से अलग-अलग जानकारी भी जोड़ी गई थी। विमानों के प्रकार बताए गए थे, सपोर्ट विमानों की पहचान की गई थी और मिसाइल रक्षा सिस्टम को भी चिह्नित किया गया था। 1 मार्च तक यह डेटा और बढ़ गया था। मिजार विजन ने जॉर्डन, कुवैत, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात के सैन्य ठिकानों की भी नई सैटेलाइट तस्वीरें जारी कीं। इन तस्वीरों में अलग-अलग तरह के विमानों, एयर डिफेंस सिस्टम की व्यवस्था और सैनिकों की तैनाती को भी दिखाया गया था।इन सैटेलाइट तस्वीरों को सटीक लोकेशन के साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और चीनी प्लेटफॉर्म वीबो पर पोस्ट किया गया। इनमें से कई पोस्ट चीनी सरकारी मीडिया से जुड़े अकाउंट और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी से जुड़े विश्लेषकों ने भी साझा किए। इन तस्वीरों में अमेरिका के कई अहम सैन्य प्लेटफॉर्म दिखाई दिए। सैटेलाइट तस्वीरों में इजराइल के ओवदा एयरबेस पर एफ-22 स्टेल्थ फाइटर खड़े नजर आए, ठीक उस समय जब युद्ध शुरू होने वाला था। तस्वीरों के अनुसार, सात एफ-22 विमान रनवे के पास खड़े थे और चार अन्य एफ-22 रनवे पर दिखाई दे रहे थे। करीब 24 घंटे बाद 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' शुरू हो गया। अन्य तस्वीरों में सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर सैन्य गतिविधियां भी दिखाई गईं। यहां सात बोइंग ई-3 एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम विमान और दो बॉम्बार्डियर ई-11 कम्युनिकेशन विमान तैनात बताए गए। इसके अलावा कतर के अल-उदीद एयर बेस की भी सैटेलाइट तस्वीरें सामने आईं। बाद में यही एयर बेस ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों का निशाना बना। हालांकि ये तस्वीरें सिर्फ एयरफील्ड तक ही सीमित नहीं थीं। समुद्र में नौसैनिक गतिविधियों को भी ट्रैक किया गया। मिजार विजन ने ऐसी सैटेलाइट तस्वीरें भी जारी कीं, जिनमें समुद्र में अमेरिकी नौसेना की गतिविधियां दिखाई दीं। इन तस्वीरों में अमेरिकी नौसेना का सबसे नया विमानवाहक पोत यूएसएस जेराल्ड आर फोर्ड भी नजर आया। यह पोत ग्रीस के क्रेट द्वीप पर स्थित सूडा बे नौसैनिक अड्डे से रवाना होने के बाद दिखाई दिया। तस्वीरों में विमानवाहक पोत के डेक पर बोइंग एफ/ए-18ई/एफ सुपर हॉर्नेट फाइटर जेट और नॉर्थरोप ग्रुम्मन ई-2डी अर्ली वार्निंग विमान भी दिखाई दिए। एक अन्य सैटेलाइट तस्वीर में यूएसएस अब्राहम लिंकन विमानवाहक पोत अरब सागर में ओमान के पास एक सप्लाई जहाज के साथ मिलते हुए दिखाई दिया। कंपनी ने इन सैटेलाइट तस्वीरों को ओपन-सोर्स फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के साथ भी जोड़ा था। विमान ट्रैकिंग टूल की मदद से विश्लेषकों ने अमेरिकी नौसेना के बोइंग पी-8ए समुद्री निगरानी विमान को बहरीन के ईसा एयरबेस से उड़ान भरते हुए ट्रैक किया। यह विमान अरब सागर के उस इलाके की ओर जा रहा था, जहां अब्राहम लिंकन कैरियर समूह के मौजूद होने की संभावना बताई जा रही थी।चीनी कंपनी मिजार विजन मुख्य रूप से डेटा के विश्लेषण और प्रोसेसिंग का काम करती है। विश्लेषकों के अनुसार इसकी भूमिका एक तरह के 'इन्फॉर्मेशन एग्रीगेटर' की है। मिजार, अमेरिका की वैनटोर (पहले मैक्सर इंटेलिजेंस) या प्लैनेट लैब्स जैसी कंपनियों के विपरीत है, जो अपने खुद के सैटेलाइट नेटवर्क चलाती हैं। मिजार विजन कई तरह के सार्वजनिक रूप से उपलब्ध डेटा को एक साथ जोड़ती है, जैसे कमर्शियल सैटेलाइट तस्वीरें, एडीएस-बी के जरिए मिलने वाला विमान ट्रैकिंग सिग्नल और एआईएस के जरिए मिलने वाला जहाजों का ट्रैकिंग डेटा। इसके बाद इन सभी डेटा को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल की मदद से प्रोसेस किया जाता है। ये मॉडल अपने आप सैन्य उपकरणों और गतिविधियों की पहचान कर लेते हैं। इस तरह तैयार किया गया डेटा जियोस्पेशियल इंटेलिजेंस जैसा होता है, जो आम तौर पर राष्ट्रीय खुफिया एजेंसियां तैयार करती हैं। इसी वजह से इस कंपनी को 'इंटेलिजेंस की ब्लूमबर्ग' भी कहा जाता है, क्योंकि यह अलग-अलग स्रोतों से मिले डेटा को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़कर उसका विश्लेषण करती है।

मिजार विजन द्वारा इस्तेमाल की गई सैटेलाइट तस्वीरें दो संभावित स्रोतों से आ सकती हैं- पहला स्रोत चीन का जिलिन-1 सैटेलाइट नेटवर्क माना जाता है, जिसे चांग गुआंग सैटेलाइट टेक्नोलॉजी संचालित करती है। जिलिन-1 नेटवर्क में 100 से ज्यादा पृथ्वी की निगरानी करने वाले सैटेलाइट शामिल हैं। इनमें से कई सैटेलाइट सब-मीटर रेजोल्यूशन की तस्वीरें लेने में सक्षम हैं। इतनी साफ तस्वीरों में रनवे पर खड़े विमानों और अलग-अलग मिसाइल रक्षा सिस्टम की पहचान आसानी से की जा सकती है। दूसरा संभावित स्रोत पश्चिमी कॉमर्शियल सैटेलाइट कंपनियां भी हो सकती हैं, जैसे वैनटोर, प्लैनेट लैब्स और एयरबस डिफेंस एंड स्पेस। ये कंपनियां दुनिया भर में सैटेलाइट नेटवर्क चलाती हैं और सैटेलाइट तस्वीरें व्यावसायिक रूप से ग्राहकों को बेचती हैं।इस बात का कोई पक्का सबूत नहीं है कि ईरान ने इन सैटेलाइट तस्वीरों का इस्तेमाल अपने हमलों को निर्देशित करने के लिए किया था। हालांकि जिन कई सैन्य ठिकानों को पहले मिजार विजन की पोस्ट में दिखाया गया था, उनमें से कुछ बाद में ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों का निशाना बने।

इनमें कतर का अल-उदीद एयर बेस भी शामिल था। इसके अलावा ईरान ने जॉर्डन में मौजूद सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया, जिनमें मुवाफक सल्ती एयरबेस प्रमुख था। यहां अमेरिकी THAAD मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए इस्तेमाल होने वाला करीब 300 मिलियन डॉलर का एएन/टीपीवाई-2 रडार सिस्टम नष्ट हो गया। बाद में आई सैटेलाइट तस्वीरों में इस रडार सिस्टम के नष्ट होने की पुष्टि भी हुई। यह रडार खाड़ी क्षेत्र में मिसाइल रक्षा के लिए बेहद अहम माना जाता था। रडार के नष्ट होने के बाद मिसाइलों को रोकने की जिम्मेदारी ज्यादा हद तक पैट्रियट मिसाइल बैटरियों पर आ गई। लेकिन इनमें इस्तेमाल होने वाले पीएसी-3 इंटरसेप्टर पहले से ही सीमित संख्या में उपलब्ध हैं।

आसाराम ने रामलला का वीआईपी दर्शन किया

अयोध्या। अयोध्या पहुंचे नाबालिग से रेप केस में सजायफ्ता आसाराम ने बुधवार को रामलला का दर्शन किया। 3 वाहनों का काफिला आदि शंकराचार्य द्वार से राम मंदिर के अंदर पहुंचा। उसे विशिष्ट मेहमान की तरह रामलला का दर्शन कराया गया। हनुमानगढ़ी की सीढ़ियां अधिक होने के कारण वे वहां दर्शन करने नहीं जा सका। राममंदिर निर्माण के प्रभारी गोपाल जी ने आसराम को राम मंदिर के बारे में बताया। मंदिर निर्माण की जानकारी दी। आसाराम ने करीब 10 मिनट तक रामलला का दर्शन किया। इस दौरान रामलला की मोहिनी सूरत को अपलक निहारता रहा। मंदिर के सोने के दरवाजों और दीवारों पर उकेरी गई कलाकृतियों सहित मंदिर की भव्यता को निहारा।

करीब 30 मिनट तक राममंदिर में बिताने के लक्ष्मण किला वापस आ गया। अयोध्या के बाद उसका अगला पड़ाव क्या होगा, इसकी जानकारी देने से सेवादार बच रहे हैं।आसाराम को जिस आदि शंकराचार्य गेट से अंदर जाने की अनुमति मिली है, उससे केवल वीआईपी ही जाते हैं। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री इसी गेट से जाते हैं।

बाकी श्रद्धालुओं को दूसरे गेट से एंट्री मिलती है। बिना राम मंदिर ट्रस्ट पुलिस और प्रशासन की अनुमति के कोई भी वहां वहां प्रवेश नहीं करता है। आसाराम के साथ 6 लोग दर्शन करने पहुंचे। दरअसल आसाराम मंगलवार शाम को ही अयोध्या पहुंचा है। वह सरयू तट पर घूमा। इस दौरान तमाम लोग उसके सामने हाथ जोड़ते नजर आए। इसी कड़ी में बुधवार की सुबह रामलला का दर्शन किया। आसाराम लक्ष्मण किला में रुका है। सरयू तट स्थित इस आचार्य पीठ में आसाराम का आवास भी

सरयू के बेहद करीब है। आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट ने 29 अक्टूबर को 6 महीने की जमानत दी थी। इसके आधार पर 6 नवंबर को आसाराम को गुजरात हाई कोर्ट से भी 6 महीने की अंतरिम जमानत मिल गई थी। गुजरात हाईकोर्ट में आसाराम की ओर से जमानत की याचिका पर सुनवाई के दौरान दलील दी गई कि जोधपुर कोर्ट ने आसाराम को 6 महीने के लिए जमानत दी है। वे हृदय से संबंधित बीमारी से पीड़ित हैं।

अयोध्या में आसाराम ने कहा- 'भारत में कई ऐसे तीर्थ स्थान हैं, जहां प्राण त्यागने या जाने मात्र से मनुष्य का कल्याण होता है। शास्त्रों में सात मोक्षदायी स्थान बताए गए हैं। इनमें अयोध्या, मथुरा, माया (हरिद्वार), काशी, कांची, अवंतिका और पुरी हैं।' 'मानव शरीर में वात, कफ और पित्त तीन दोष होते हैं और तीर्थ स्थलों पर जाने से इन दोषों का प्रभाव कम होता है। शास्त्रों में अयोध्या को पहला स्थान है। मथुरा में रहने वाला व्यक्ति चाहे साधु के वेश में रहा हो, लेकिन साधु का दायित्व न निभाया हो, फिर भी वहां मृत्यु होने पर उसे नरक नहीं जाना पड़ता है।' यूपी में शाहजहांपुर में रहने वाला एक परिवार आसाराम का अनुयायी था।

परिवार की नाबालिग लड़की आसाराम के छिंदवाड़ा (मध्यप्रदेश) स्थित आश्रम में 12वीं की पढ़ाई कर रही थी। साल-2013 की बात है। एक दिन लड़की क्लास में बेहोश हो गई। बाबा के साधक ने उस पर भूत-प्रेत का साया बताया और कहा कि इसका इलाज आसाराम बापू ही करेंगे। इसके बाद 14 अगस्त, 2013 को लड़की को छिंदवाड़ा से करीब 1 हजार किलोमीटर दूर जोधपुर के मनई आश्रम में ले जाया गया। 15 अगस्त, 2013 की रात कुटिया में रसोइया एक गिलास दूध लेकर आया। इसके बाद आसाराम ने लड़की से रेप किया। इस वारदात के 5 दिन बाद यानी 20 अगस्त, 2013 को पीड़ित लड़की ने दिल्ली पुलिस में ईंदर्ज कराई। इसमें पीड़ित लड़की ने बताया कि आसाराम ने उससे ओरल सेक्स करने को कहा और गलत तरीके से भी छुआ। दिल्ली के निर्भया रेप केस की वजह से उस वक्त तक रेप-छेड़खानी के नए कानून लागू हो चुके थे। इसलिए आसाराम पर नए कानून के तहत कठोर धाराएं लगीं। 31 मार्च, 2013 को इस मामले में आसाराम गिरफ्तार हो गया। 25 अप्रैल, 2018 को जोधपुर की अदालत ने इस मामले में दोषी आसाराम को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। तभी से आसाराम सेंट्रल जेल जोधपुर में बंद है। इतने साल में आसाराम पहली बार पैरोल पर बाहर आया है। 7 जनवरी, 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल बेस पर उसको 31 मार्च, 2025 तक जमानत दी थी।

जोधपुर स्थित राजस्थान हाईकोर्ट ने 29 अक्टूबर को आसाराम को बढ़ती उम्र और लगातार गिरते स्वास्थ्य का हवाला देते हुए इलाज के लिए 6 महीने की अंतरिम जमानत दी थी। इसी आदेश के आधार पर 6 नवंबर को गुजरात हाईकोर्ट ने भी रेप के एक अन्य मामले में उसे जमानत दे दी थी।

लेकिन, उसमें आसाराम के साथ तीन पुलिसकर्मी रखने और समूह में साधकों से नहीं मिलने की शर्त भी थी। इन दोनों शर्तों को हटाने के लिए आसाराम की ओर से दोबारा गुजरात हाईकोर्ट में अर्जी लगाई गई थी।

डॉक्टर बोले-ब्रेन डेड,घर ले जाओ,एंबुलेंस में गड्ढे के झटके से लौटी सांसें,चल रही थी अंतिम संस्कार की तैयारी

पीलीभीत। पीलीभीत की एक महिला को बरेली के डॉक्टरों ने ब्रेन डेड घोषित कर दिया। परिजनों से

महिला को घर ले जाने के लिए कहा। घर पर भी महिला के अंतिम संस्कार की तैयारी होने लगी। पति महिला को एंबुलेंस से लेकर घर लौटने लगा। बरेली-हरिद्वार नेशनल हाईवे-74 पर अचानक एंबुलेंस के रास्ते में एक गड्ढा आ गया। इशकी वजह से एंबुलेंस में जोरदार धक्का लगा। इसकी वजह महिला के शरीर में हलचल हुई और उसकी सांसें चलने लगीं। यह देखकर घरवाले घबरा गए और उसे तुरंत दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया। 13 दिन इलाज कराने के बाद अब महिला स्वस्थ होकर घर लौट आई है। महिला 22 फरवरी को घरेलू काम करते हुए अचानक बेहोश हो गई थी। तब उसे बरेली के अस्पताल में ले जाया गया था। वहां दो दिनों तक उसे वेंटिलेटर पर रखा गया। डॉक्टरों ने शरीर में कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया था। मामला शहर कोतवाली थाना क्षेत्र का है। कुलदीप शुक्ला (55) शहर कोतवाली में अपने परिवार के साथ रहते हैं। 22 फरवरी की शाम उनकी पत्नी विनीता शुक्ला (50) घर के काम के दौरान अचानक बेहोश होकर गिर पड़ीं। विनीता पीलीभीत कोर्ट में वरिष्ठ सहायक हैं। उन्हें तुरंत बरेली के एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। 2 दिन तक वेंटिलेटर पर रहने के बावजूद विनीता के शरीर में कोई हलचल नहीं हुई। उनकी आंखों की पुतलियां फैल गईं। डॉक्टरों ने उन्हें 'ब्रेन डेड' जैसी स्थिति बताते हुए घर ले जाने की सलाह दी। पति कुलदीप ने भी भारी मन से विनीता को एंबुलेंस में रखा और पीलीभीत रवाना हो गए। कुलदीप कुमार शुक्ला बताते हैं- 24 फरवरी को हम घर लौट रहे थे। तभी बरेली हरिद्वार नेशनल हाईवे पर अचानक एंबुलेंस में गड्?ढे की वजह से झटका लगा। झटका लगते ही विनीता के शरीर में हरकत होने लगी और उनकी सांसें चलने लगीं।कुलदीप ने बताया- मैंने परिवारवालों से अंतिम संस्कार की तैयारी करने के लिए कह दिया था। विनीता की सांसें नहीं चल रही थीं। केवल दिल की धड़कन चल रही थी, वो भी समय के साथ धीमी होती जा रही थी। पत्नी की सांसें लौट आना मेरे लिए किसी चमत्कार से कम नहीं था। सांसें वापस आते ही मैंने परिवारवालों को अंतिम संस्कार की तैयारियों को तुरंत रोकने के लिए कहा। ग्लासको कामो स्केल 3 पर पहुंच गया था इसके बाद कुलदीप पत्नी विनीता को तुरंत पीलीभीत के न्यूरोसिटी अस्पताल ले गए। न्यूरोसिटी अस्पताल के न्यूरोसर्जन डॉक्टर राकेश सिंह ने सबसे पहले बरेली के अस्पताल से विनीता की मेडिकल हिस्ट्री पता की। फिर उनका इलाज शुरू किया। डॉक्टर राकेश सिंह ने बताया- विनीता के ब्रेनस्टेम रिफ्लेक्स नहीं मिले। जबकि, उनका ग्लासगो कोमा स्केल सामान्य यानी 15 अंकों से गिरकर 3 अंक पर आ गया था। यह पूरी तरह से ब्रेन के सक्रिय नहीं होने का संकेत देता है। आंखों की जांच में पुतलियों का फैलाव (मायड्रायसिस) पाया गया, जो दिमाग के निष्क्रिय होने का संकेत था। जांच के दौरान विनीता के पैरों पर दांतों के निशान भी मिले। इससे डॉक्टर को स्नेक प्वाइजनिंग (न्यूरोटॉक्सिन) का संदेह हुआ। इसी आधार पर उन्हें एंटी-वेनम और सपोर्टिव इलाज दिया गया। इलाज के बाद महज 24 घंटे के भीतर विनीता के शरीर ने प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया। बिना वेंटिलेटर 13 दिनों के इलाज के बाद विनीता अब पूरी तरह स्वस्थ हैं। वह अपने पैरों पर चलकर घर लौट आई हैं। पति ने कहा- अब वह होश में हैं और हमसे बात भी कर रही हैं। स्वस्थ होने के बाद विनीता ने भावुक होकर कहा- मुझे याद ही नहीं कि मेरे साथ क्या हुआ। उनके पति कुलदीप ने इसे भगवान का आशीर्वाद और डॉक्टरों की मेहनत का परिणाम बताया है।

ईरान ने इजराइल पर सबसे विध्वंशक हमला शुरू किया

अमेरिकी ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं
रिपोर्ट- गूगल-अमेजन ऑफिस पर हमला हो सकता है

उन्होंने ईरान, इजराइल और अमेरिका से अपील की कि वे लड़ाई बंद करें और बातचीत की मेज पर लौटें।ईरान जंग का असर अब एशिया के कई देशों में दिखाई देने लगा है। तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित होने के कारण कम से कम 9 एशियाई देशों में ऊर्जा संकट गहराने लगा है। हालात ऐसे हैं कि अलग-अलग देशों को ईंधन बचाने और ऊर्जा संकट से निपटने के लिए सख्त कदम उठाने पड़े हैं। थाईलैंड ने सरकारी दफ्तरों में लिफ्ट के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है और कर्मचारियों को सीढ़ियों का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कर्मचारियों को सूट-टाई जैसे औपचारिक कपड़े पहनने से भी मना किया गया है, ताकि एयर कंडीशनर के इस्तेमाल को कम किया जा सके। दूसरी ओर पाकिस्तान में खर्च कम करने के लिए मंत्रियों की सैलरी और विदेश यात्राओं पर रोक लगा दी गई है, साथ ही सरकारी खर्च और ईंधन उपयोग में कटौती के फैसले लिए गए हैं।अमेरिका ने कहा है कि उसने ईरान के 16 ऐसे जहाज नष्ट कर दिए, जिनका इस्तेमाल समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछाने के लिए किया जा सकता था। इससे पहले डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी दी है कि वह होर्मुज स्ट्रेट में समुद्र के अंदर माइन (बारूदी सुरंग) न लगाए। ट्रम्प ने कहा था कि अभी तक ऐसा कोई सबूत नहीं है कि ईरान ने

होर्मुज स्ट्रेट के शिपिंग रास्ते में माइन लगाई है, लेकिन अगर ऐसा किया गया, तो अमेरिका ऐसा जवाबी हमला करेगा जैसा ईरान ने पहले कभी नहीं देखा होगा। उन्होंने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा कि अगर ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में माइन लगाई है, हालांकि अभी ऐसी कोई पक्की रिपोर्ट नहीं है लेकिन ऐसा है तो उन्हें तुरंत हटा देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ईरान माइन हटा देता है, तो यह सही दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम होगा। ट्रम्प ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि अमेरिका ने समुद्र में माइन बिछाने वाली 16 बोट पर हमला कर उन्हें पूरी तरह नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि आगे भी ऐसे हमले किए जाएंगे। साथ ही यूएस सेंट्रल कमांड ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें कहा गया कि ईरान की समुद्री ताकत को कम किया जा रहा है, क्योंकि ईरानी सेना कई सालों से अंतरराष्ट्रीय जहाजों की आवाजाही को खतरा पहुंचाती रही है।

'हॉस्टल के पास मिसाइलें गिरीं,तेहरान में हर तरफ बारूद,मिडिल ईस्ट में फंसे 90 लाख भारतीयों को बचाना चुनौती

नयी दिल्ली। अनंतनाग में रहने वाले बिलाल अहमद भट्ट की बेटी ईरान की राजधानी तेहरान में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है। 9 मार्च की रात 3 बजे बिलाल के पास उसका फोन आया। वो रो रही थी। बिलखते हुए बोली- 'अब्बू, मेरे हॉस्टल के पास मिसाइलें गिरने की आवाज आ रही हैं, बमबारी हो रही है। पता नहीं आज रात बचूंगी या नहीं। मुझे बचा लो।' बिलाल कहते हैं, 'ऐसे फोन कॉल ईरान में रहने वाले भारतीयों की नियति बन गए हैं। हर सुबह इस सुकून से होती है कि रात गुजर गई, लेकिन हर पल फिक्र रहती है कि आगे क्या होगा।' ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच चल रहे युद्ध का आज 12वां दिन है। ईरान में करीब 1300 मौतें हो चुकी हैं। युद्ध थमने के आसार नजर नहीं आ रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान से कहा है कि वो बिना शर्त सरेंडर करे। वहीं, ईरान लगातार इजराइल और मिडिल ईस्ट के देशों में बने अमेरिकी बेस पर हमले कर रहा है। इस युद्ध में भारत ने आधिकारिक तौर पर किसी पक्ष का समर्थन नहीं किया है, लेकिन उसके दो हित दांव पर लगे हैं। पहला, मिडिल ईस्ट के देशों में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा और उन्हें बाहर निकालना। दूसरा, खाड़ी देशों से आने वाले तेल और गैस की सप्लाई पर संकट। इन देशों में करीब 90 लाख भारतीय रहते हैं। इनमें से करीब 12 हजार ने भारत सरकार के पास देश लौटने की अर्जी लगाई है। वापसी के लिए सबसे ज्यादा एप्लीकेशन संयुक्त राज्य अमीरात यानी यूएई से आए हैं। लौटते हैं कश्मीर के रहने वाले बिलाल अहमद के पास। बिलाल अपनी बेटी का नाम और पहचान उजागर नहीं करना चाहते। उन्हें डर है कि मीडिया पर दिखने की वजह से बेटी को निशाना बनाया जा सकता है। बिलाल बताते हैं, 'बेटी नाजिया (बदला हुआ नाम) का 25 फरवरी को एग्जाम था। हम एग्जाम खत्म होने का इंतजार कर रहे थे। 3 मार्च को उसकी वापसी की टिकट थी। उससे पहले ही जंग शुरू हो गई।' 'नाजिया तेहरान में फंसी है। पिछले 10 दिन से कभी-कभार ही बात होती है। नाजिया जिस बिल्डिंग में रहती है, वहां भी मिसाइल अटैक हुए थे। उसके बाद से हम बहुत डर गए हैं। सरकार को सभी भारतीय स्टूडेंट्स को एयरलिफ्ट करके वापस लाना चाहिए। हमारे पास आखिरी जानकारी यही है कि भारतीय दूतावास ने नाजिया और उसकी भारतीय दोस्तों को हॉस्टल से निकाल लिया है। उन्हें किसी सुरक्षित जगह शिफ्ट कर दिया है।'

24 साल की महक हसन ईरान की उरमिया यूनिवर्सिटी एंड मेडिकल साइंस में चौथे सेमेस्टर में पढ़ रही हैं। जम्मू-कश्मीर के बडगाम की रहने वाली हैं। महक कहती हैं कि ईरान में अब रहने लायक हालात नहीं हैं। हर पल खौफ में गुजर रहा है। हमसे ज्यादा फैमिली हमारी जान की फिक्र कर रही है। महक बताती हैं, 'एंबेसी ने कहा है कि जैसे निकल सकते हो, निकल जाओ। अब ये तो हमारे हाथ में नहीं है। हमें नहीं पता कि कैसे निकलें।'जम्मू-कश्मीर स्टूडेंट्स यूनियन के नेशनल कन्वीनर नासिर खुलनेमानी बताते हैं कि उरमिया शहर में अभी हवाई हमले हुए हैं। इसके बाद से दहशत का माहौल है। हमने उरमिया यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे कश्मीरी छात्रों से बात की थी। उन्होंने बताया कि मिसाइल हमला उनके हॉस्टल से सिर्फ 300 मीटर दूर हुआ था। धमाके से पूरी बिल्डिंग हिल गई। नासिर कहते हैं कि हालात बहुत नाजुक हैं। छात्रों का कहना है कि आसमान में लड़ाकू विमानों की आवाज सुनाई दे रही है। आसपास के इलाकों में रहने वाले लोग हमलों के डर से शहर छोड़कर जा रहे हैं। पूरे शहर में खौफ है। हमने विदेश मंत्रालय से कहा है कि ईरान की सरकार से मदद करने के लिए कहे। भारतीय विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, सरकार ने खाड़ी देशों में अपने दूतावासों से डेटा इकट्ठा करने के लिए कहा था कि कितने भारतीय ईरान छोड़कर भारत आना चाहते हैं। करीब 12 हजार लोगों ने अर्जी दी है। सरकार उन्हें निकालने के अलग-अलग विकल्पों पर विचार कर रही है। विदेश मंत्रालय ने अलग से डेस्क बनाई है। ये डेस्क इन लोगों को निकालने के लिए प्लान तैयार करेगी।अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार मोहसिन रजा खान कहते हैं कि भारत के लिए ईरान में फंसे नागरिकों को निकालना सबसे मुश्किल काम होगा। ईरान में न एयरपोर्ट काम कर रहे हैं, न एयरस्पेस खुला है। ईरान से निकलने के लिए पहले जमीनी रास्ते से अजरबैजान जाना होगा। इसके अलावा इराक वाला रास्ता है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान का रास्ता सुरक्षित नहीं होगा। ईरानी नागरिक भी अजरबैजान के रास्ते देश छोड़ रहे हैं।मोहसिन रजा खान आगे कहते हैं कि भारत की छवि बनी है कि वो इजराइल और अमेरिका के साथ है। ईरान पर हमले से दो दिन पहले भारत के प्रधानमंत्री इजराइल में थे। हालांकि, इससे भारतीयों के रेक्क्यू पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। ये मानवीय आधार पर किया जाएगा। कोई देश इसमें रुकावट पैदा नहीं करेगा। हालांकि, मोहसिन रजा खान कहते हैं, 'ये युद्ध अब ज्यादा दिन तक नहीं चलेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जंग से बाहर निकलने के रास्ते देख रहे हैं। अमेरिका दो वजहों से जंग में है। पहला, ईरान कोई एग्जिट ऑप्शन नहीं दे रहा। दूसरा- न्यूक्लियर मटीरियल अब तक हासिल नहीं हो सका है।' 'अमेरिका अब ईरान में सत्ता बदलने की बात भी उतनी मजबूती के साथ नहीं उठा रहा है। ईरान के नए सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह मुजतबा खामेनेई भी कट्टरपंथी माने जाते हैं।' जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर इंटरनेशनल स्टडीज में प्रोफेसर राजन राज कहते हैं कि पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच फंसे भारतीयों की जान बचाना सबसे बड़ी समस्या है। वहां करीब 90 लाख भारतीय हैं। ये किसी देश की आबादी के बराबर है। इतने लोगों को निकालना नामुमकिन है। खाड़ी देशों जैसे कतर, सऊदी अरब, बहरीन और कुवैत में ईरान के हमले तेज हो रहे हैं। '1990 में खाड़ी युद्ध के वक्त भी भारत के लिए अपने नागरिकों को निकालना सबसे बड़ी चुनौती बन गया था।'राजन राज आगे कहते हैं, 'फिलहाल युद्ध रुकने की संभावना नजर नहीं आ रही है। ईरान में रहने वाले लोगों को तुरंत निकालना जरूरी होता जा रहा है। ईरान के अलावा यूएई, कतर, बहरीन, कुवैत और सऊदी अरब की सरकारें भारत के साथ सहयोग के लिए तैयार हैं। हालांकि, एयरस्पेस बंद है। होर्मूज की खाड़ी पर ईरान का कंट्रोल है। कोई भी जहाज खाड़ी से नहीं गुजरने दिया जा रहा।''अपने नागरिकों को बचाने के लिए भारत को दोनों पक्षों पर कुछ वक्त के लिए युद्ध रोकने का दबाव बनाना होगा। यूक्रेन-रूस युद्ध के बीच भारत ने दोनों सरकार से स्पेशल परमिशन ली थी। हालांकि, यूक्रेन और रूस में भारतीयों की संख्या बहुत कम थी।' राजन कहते हैं कि भारत को खाड़ी देशों को एकजुट कर युद्ध रोकने की मांग करनी चाहिए। भारत ईरान युद्ध में रूस-यूक्रेन युद्ध की तरह व्यवहार नहीं कर सकता। उसे एक्टिव भूमिका निभानी होगी। अगर युद्ध लंबा खिंचता है, तो भारत के लिए तेल के दाम बढ़ेंगे, रुपया कमजोर होगा। भारत को सीजफायर करवाने के लिए पहल करनी चाहिए। अगर खाड़ी में काम करने वाले लोग स्थायी तौर पर वापस आते हैं, तो उनके रोजगार की बड़ी दिक्कत खड़ी हो सकती है।

मेंटल हेल्थ- हसबैंड का ऑफिस कुलीग से अफेयर था:वो छोड़कर चला गया, शादी ही तो मेरी पहचान थी, उसके बगैर अकेले कैसे रहूं

नयी दिल्ली। समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर से। सवाल- मेरी उम्र 42 साल है। पिछले पांच साल मेरे लिए बहुत मुश्किलों भरे रहे हैं। मेरी 10 साल की शादी टूट गई क्योंकि मेरे हसबैंड का अपने ऑफिस में एक कुलीग के साथ अफेयर हो गया। पहले तो काफी समय तक उसने ये बात मुझसे छिपाए रखी।

फिर जब पता चला तो वो मुझे छोड़कर चला गया। पांच साल मैं इस उम्मीद में थी कि शायद एक दिन वो वापस लौट आएगा।

लेकिन ऐसा हुआ नहीं। फाइनली 5 महीने पहले हमारा डिवोर्स हो गया और इसी के साथ वो आखिरी उम्मीद भी खत्म हो गई।

मैं वर्किंग वुमन हूं। फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट हूं, लेकिन मुझे भी पता नहीं था कि इमोशनली मैं कितनी डिपेंडेंट हूं।

मुझसे अकेले बिल्कुल जिया नहीं जा रहा। लगता है, मेरे पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई है, मेरी पूरी दुनिया उजड़ गई है। मैं क्या करूं कि किसी तरह फिर से नॉर्मल महसूस कर सकूं, फिर से जिंदगी जी सकूं।अपनी कहानी हमसे शेयर करने के लिए आपका शुक्रिया। आपने जो अनुभव किया है, वह काफी तकलीफदेह है। आप जिस धोखा, ट्रॉमा और इमोशनल तकलीफ से गुजरी हैं, उसे देखते हुए आपकी यह भावनात्मक स्थिति बिल्कुल जायज है। अगर मनोवैज्ञानिक नजरिए से देखें तो एक बहुत पर्सनल और इंटीमेट रिलेशनशिप में मिले इस धोखे ने आपको इमोशनल दुख पहुंचाने के साथ आपके आत्म-सम्मान, आइडेंटिटी और सेल्फ वर्थ को भी नुकसान पहुंचाया है।आइए इसे ढंग से डिकोड करके समझने की कोशिश करते हैं और इस पर बात करते हैं कि इस तकलीफ से बाहर कैसे निकला जाए। आपके केस का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण- 1. शोक के चरण (कुबलर-रॉस मॉडल) आप इस वक्त संभवतः दुख के इन 5 चरणों से बार-बार गुजर रही हैं- डिनायल या इनकारः पांच साल तक आप इस उम्मीद में बैठी रहीं कि एक दिन वो वापस लौट आएगा। यह क्लासिक डिनायल का केस है। जब तक दुख बिल्कुल सिर पर न आए, तब तक उससे छिपना और इनकार करते रहना। क्रोधः हालांकि आपने यह साफ नहीं किया है कि आपका गुस्सा अपने हसबैंड के प्रति है या उस दूसरी महिला के प्रति या खुद के प्रति। यह एक दबा हुआ गुस्सा हो सकता है, जो कई बार उदासी के रूप में दिखाई देता है। बारगेनिंग या सौदेबाजीः अपने मन में ये सोचना, 'अगर मैंने ये चीजें दूसरी तरह से की होतीं तो शायद वह मुझे छोड़कर नहीं जाता।' जिन रिश्तों में इमोशनल डिपेंडेंसी होती है, वहां ऐसी फीलिंग होना आम है। डिप्रेशन या अवसादः आप इस वक्त डिप्रेशन में हैं। दुख, निराशा, खालीपन के एहसास जैसी फीलिंग्स से ये बात बिल्कुल स्पष्ट है।

स्वीकृतिः फाइनली तलाक के बाद आप इस सच को स्वीकारने की स्टेज तक पहुंची हैं, लेकिन अभी भी मन में शांति नहीं है, एक खोखली सी जीत की फीलिंग है।2. ओवर इमोशनल डिपेंडेंस आपने लिखा है कि आप फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट हैं, लेकिन इमोशनली आप इस रिश्ते पर बहुत ज्यादा निर्भर थीं। भले आपको इस बात का एहसास न रहा हो। इसका अर्थ है कि आपकी इमोशनल वेलबीइंग इस शख्स पर बहुत ज्यादा निर्भर थी।

आपको उसकी मौजूदगी, साथ, अप्रूवल की जरूरत थी। 3. भरोसे का टूटना और रिजेक्शन का एहसास उसके अफेयर का पता चलना एक गहरे भरोसे के रिश्ते का टूटना है। खासतौर पर तब, जब लंबे समय तक यह अफेयर छिपा हुआ था और आपको इस बारे में पता नहीं था। यह एक गंभीर बिट्रेअल ट्रॉमा है। इस ट्रॉमा के कारण- हमारी भरोसा करने की ताकत को लांग टर्म डैमेज हो सकता है। धोखा खाया व्यक्ति रिजेक्शन या ठुकराए जाने को इंटर्नलाइज कर सकता है। उसके मन में यह बात बैठ सकती है कि वो नाकाफी है, नाकाबिल है, कम है। 4. सेल्फ इस्टीम और आइडेंटिटी को नुकसान जब किसी व्यक्ति की पहचान और उसका सेल्फ वर्थ एक रिश्ते से बंधा होता है तो उस रिश्ते के टूटने के कारण ये नुकसान हो सकते हैं- आइडेंटिटी कनफ्यूजनः ये जो महसूस कर रहे हैं, वो क्या है। इसलिए उसे नाम देने से उसे समझने और दूर करने में मदद मिलती है। जैसेः मुझे गुस्सा आ रहा है।

मुझे रिजेक्शन फील हो रहा है। मैं ठुकराया हुआ महसूस करती हूं।मुझे बहुत अकेलापन लग रहा है। मुझे दुख उसके जाने का नहीं, धोखा खाने का है।

उसके न होने से ज्यादा ये बात परेशान कर रही है कि वो मुझसे झूठ बोल रहा था। 3. नींद और न्यूट्रिशन सोने और जागने का एक समय तय करें। रोज उसी समय पर सोएं। (जैसे रात 10:30 से सुबह 6:30) शाम को 5 बजे के बाद कैफीन का सेवन न करें। संतुलित भोजन करें। भूख न हो तब भी खाना स्किप न करें। 4. अतीत की चीजों से दूर रहना उसका सोशल मीडिया चेक न करें। हर उस चीज से दूर रहें, जो उसकी याद दिलाती हो, जैसे कॉमन फ्रेंड्स, कॉमन जगहें, जहां आप साथ जाते रहे हैं। घर में उसका कोई भी सामान हो तो उसे डिसकार्ड कर दें या पैक करके रख दें।दूसरा सप्ताहः खुद को फिर से क्लेम करना, सेल्फ इस्टीम को मजबूत करना लक्ष्यः रिश्ते से बाहर और रिश्ते से इतर अपने सेल्फ वर्थ पर फोकस करना, उसे समझाना और बेहतर बनाना।1. 'मैं कौन हूं?' एक्सरसाइज अपने बारे में रोज एक पैराग्राफ लिखें। मैं कौन हूं, क्या कहूं, मेरे होने का मकसद क्या है। ऐसा पैरा, जिसमें गुजरे रिश्ते का और उस व्यक्ति का कोई जिक्र न हो। जीवन में आपकी और भी भूमिकाएं हैं, जैसे एक दोस्त, एक बहन, एक बेटी, एक प्रोफेशनल और सबसे बढ़कर एक इंसान, एक औरत। इन सारी भूमिकाओं पर फोकस करें। 2. खुद से संवाद रोज सुबह आईने के सामने खड़ी होकर खुद से ये बातें कहें:- मैं प्यार के काबिल हूं। मैं अपने आप में संपूर्ण हूं। उसके मुझे छोड़ देने से मेरा महत्व डिफाइन नहीं होता है। 3. पुरानी रुचियों, हॉबीज को दोबारा शुरू करें उन रुचियों पर फिर से काम शुरू करें, जो आपने पीछे छोड़ दी थीं। कोई बुक क्लब, डांस क्लास या आर्ट ग्रुप जॉइन करें। फिजिकली संभव न हो तो ऑनलाइन करें।4. थैरेपी रीडिंग ऐसी किताबें पढ़ें, फिल्में देखें, जिसमें आपके जैसे अनुभवों से गुजरने वाली महिलाओं की कहानी हो। उनके अपने जीवन को फिर से गढ़ने की यात्रा हो। जैसे- 'वुमन हू लव टू मच' - रॉबिन नॉरवुड 'द जर्नी फ्रॉम एबैनडनमेंट टू हीलिंग'- सूजन एंडरसन शेष यात्रा- ऊषा प्रियंवदा, तीसरा सप्ताहः जिंदगी को रीस्ट्रक्चर करना, नई बाउंड्रीज सेट करना.लक्ष्यः जिंदगी में नए इमोशनल जुड़ाव बनाना, नए रिश्ते, नए दोस्त, नई जमीन। अपने आपको नए सिरे से डिफाइन करना 1. सोशल रीकनेक्शन उन दो पुराने दोस्तों या रिश्तेदारों से कनेक्ट करें, जिन पर आप भरोसा करती हैं। अपने चाय के साथ डायरी लिखूंगी।

3. बाउंड्री बनाने का अभ्यास भविष्य के रिश्तों के लिए 5 बाउंड्रीज तय करें।वो कौन सी चीजें होंगी, जो आप स्वीकार नहीं करेंगी। जैसे इमोशनल नेगलेक्ट, सेल्फ रिस्पेक्ट के साथ समझौता। 4. माइंडफुलनेस का अभ्यास रोज 10 मिनट मेडिटेशन करें। पुरानी चीजों को छोड़ने, जाने देने और वर्तमान में रहने का अभ्यास करें। चौथा सप्ताहः फिर से भरोसा करना, एक नई शुरुआत की तरफ कदम बढ़ाना, लक्ष्यः फिर से यकीन करना, सिर्फ दूसरों पर नहीं बल्कि खुद पर भी। 1. माफ करना दूसरों से मिली तकलीफों के लिए उन्हें माफ करना जरूरी है। उनके लिए नहीं, बल्कि खुद अपने लिए। खुद को उस दुख से मुक्त करने के लिए। लेटर राइटिंग टेक्नीक- अपने मन की हर बात एक पत्र में उसे लिख दें। वो पत्र जो भेजना नहीं है। 2. इनर चाइल्ड हीलिंग अपने भीतर के बच्चे को हील करें। उससे बात करें, उसे कंफर्ट दें। प्यार, भरोसा और सुरक्षा वाले शब्द दोहराएं। खुद से बहुत प्यार और भरोसे की भाषा में बात करें। 3. दूसरे रिश्ते की तैयारीः बेसिक चेकलिस्ट। क्या आप दूसरे रिश्ते के लिए तैयार हैं। यह जानने के लिए खुद से यह सवाल पूछें: क्या मैं सचमुच कंपेनियनशिप ढूंढ रही हूं या मुझे उसका इमोशनल रिप्लेसमेंट चाहिए। क्या मैं अकेले रहते हुए भी इमोशनली स्टेबल महसूस कर सकती हूं।4. डेटिंग माइंटसेट रीफ्रेम अगर फिर से डेटिंग की शुरुआत करती हैं तो बेचैनी, अकेलेपन, दुख से भागने के कारण न करें।इसलिए न करें क्योंकि अपना साथ बर्दाश्त नहीं हो रहा है। मन स्थिर हो, भीतर शांति हो, तभी करें। क्यूरियॉसिटी के साथ कदम बढ़ाएं। छोटी-छोटी मुलाकात, कॉफी, बातचीत के साथ शुरुआत करें। जीवन में आगे बढ़ने के 3 स्टेप्स जीवन में रिश्ते सुंदर और जरूरी हैं, लेकिन कोई भी रिश्ता हमारे जीवन से बड़ा नहीं है और वह हमारे होने के महत्व को तय नहीं करता। रिश्ते इसलिए हैं क्योंकि हम हैं। इसलिए सबकुछ के केंद्र में और सबसे महत्वपूर्ण हम खुद हैं। दुख और धोखे से उबरने और जिंदगी में आगे बढ़ने के ये 3 जरूरी स्टेप्स हैं,इमोशनल पेन से उबरने में थोड़ा वक्त लगता है, लेकिन आमतौर पर थोड़ी माइंडफुलनेस और सेल्फ हेल्प के साथ कुछ वक्त में यह सामान्य हो जाता है। लेकिन हमें पता होना चाहिए कि कब स्थिति हमारे नियंत्रण से बाहर हो रही है और हमें प्रोफेशनल हेल्प की जरूरत है।आप पांच साल इन सबसे गुजरकर आई हैं और अब इस बारे में बात कर रही हैं। आपने पहले ही काफी साहस का परिचय दिया है। हीलिंग का मतलब ये नहीं है कि जो कुछ हुआ, हम उसे भूल जाएं। हीलिंग का मतलब है, खुद को नए सिरे से गढ़ना। सब तकलीफों से ऊपर उठकर अपना एक नया वर्जन बनाना। फिर से खुश होकर और खुलकर जीना।

मिडिल ईस्ट तनाव के बीच कुवैत से भारत लौटीं उर्वशी,सुरक्षित भारत पहुंचकर फैंस को दिया अपडेट

मुंबई। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस

उर्वशी रौतेला कुवैत से भारत लौट आई हैं। हालात बिगड़ने के बाद उन्होंने जल्दबाजी में कुवैत छोड़ दिया। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर बताया कि उस दौरान वह काफी डर गई थीं और उनकी आंखों से आंसू निकल आए थे। दरअसल, हाल के दिनों में ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के कारण मिडिल ईस्ट में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। कई जगहों पर मिसाइल हमलों और सुरक्षा अलर्ट की खबरें सामने आ रही हैं। इसी बीच उर्वशी रौतेला भी अपने एक प्रोफेशनल काम के सिलसिले में कुवैत गई हुई थीं, लेकिन हालात अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें तुरंत वहां से निकलना पड़ा। एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में बताया कि जब तक वह फ्लाइट में बैठीं, तब तक सब ठीक था, लेकिन सीट पर बैठने के बाद अचानक उन्हें घबराहट महसूस होने लगी। उन्होंने लिखा कि उनका दिल बहुत तेज धड़कने लगा और अचानक डर की भावना ने घेर लिया। उर्वशी ने कहा कि उस समय वह खुद को असुरक्षित और चिंतित महसूस कर रही थीं, इसलिए उन्होंने अपने फैंस से दुआ करने की अपील भी की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुवैत एयरपोर्ट पर उस समय माहौल भी काफी तनावपूर्ण था। कई विदेशी नागरिक जल्दी-जल्दी देश छोड़ने की कोशिश कर रहे थे। सुरक्षा जांच बढ़ा दी गई थी और यात्रियों में घबराहट साफ नजर आ रही थी। इसी दौरान उर्वशी भी एयरपोर्ट पर भावुक हो गईं और फ्लाइट में बैठने से पहले उनकी आंखों में आंसू आ गए।हालांकि राहत की बात यह है कि उर्वशी अब सुरक्षित भारत लौट चुकी हैं। भारत पहुंचने के बाद उन्होंने अपने फैंस को बताया कि वह ठीक हैं। उन्होंने स्थानीय अधिकारियों और एयरपोर्ट स्टाफ का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने मुश्किल हालात में यात्रियों की मदद की। भारत लौटने के बाद उर्वशी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें वह अपने फैंस को अपडेट देती नजर आईं। इस वीडियो के जरिए उन्होंने सभी को भरोसा दिलाया कि अब वह सुरक्षित हैं।

वरुण की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' टॉक्सिक' से क्लैश के कारण पोस्टपोन,अब 12 जून को होगी रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन की अपकमिंग फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज डेट एक बार फिर बदल दी गई है। पहले यह फिल्म 5 जून 2026 को

सिनेमाघरों में आने वाली थी, लेकिन अब इसे एक हफ्ते आगे बढ़ाकर 12 जून 2026 को रिलीज करने का फैसला किया गया है। मेकर्स ने यह कदम बॉक्स ऑफिस पर यश की फिल्म 'टॉक्सिक से संभावित टकराव से बचने के लिए उठाया है। दरअसल, यश की पैन-इंडिया फिल्म 'टॉक्सिक' अब 4 जून 2026 को रिलीज होने जा रही है। ऐसे में वरुण धवन की फिल्म का 5 जून को आना सीधे-सीधे क्लैश की स्थिति पैदा कर रहा था। इसे देखते हुए फिल्म के प्रोड्यूसर रमेश तौरानी और उनकी टीम ने रिलीज डेट बदलने का फैसला किया।फिल्म के मेकर्स की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज डेट कई महीनों पहले 5 जून तय की गई थी। हालांकि हाल के डेवलपमेंट और इंडस्ट्री के माहौल को देखते हुए उन्हें लगा कि रिलीज डेट आगे बढ़ाना ज्यादा बेहतर रहेगा। बयान में यह भी कहा गया कि फिल्म इंडस्ट्री के लिए हमेशा अच्छा होता है जब फिल्म निर्माता एक-दूसरे का समर्थन करें, न कि एक ही दिन फिल्में रिलीज करके बेवजह प्रतिस्पर्धा पैदा करें। इसी सोच के साथ फिल्म को एक हफ्ते आगे शिफ्ट कर दिया गया। हालांकि बयान में 'टॉक्सिक' का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया गया, लेकिन 'बेवजह मुकाबला' और 'एक-दूसरे को सपोर्ट करने' जैसे शब्दों से साफ संकेत मिलता है कि दोनों फिल्मों के बीच क्लैश से बचने की कोशिश की गई है। यह दूसरी बार है जब इस फिल्म की रिलीज डेट बदली गई है। शुरुआत में इसे 10 अप्रैल 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन बाद में इसे 5 जून कर दिया गया था और अब नई तारीख 12 जून तय की गई है।डेविड धवन के निर्देशन में बनी यह रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म वरुण धवन और उनके पिता की एक और साथ की फिल्म है। इसमें वरुण के साथ मृणाल ठाकुर, पूजा हेगड़े, मनीष पॉल, जिम्मी शेरगिल, मौनी रॉय, कुब्रा सैत और राकेश बेदी जैसे कलाकार नजर आएंगे। फिल्म के टाइटल की प्रेरणा 1999 की फिल्म 'बीवी नंबर 1' के लोकप्रिय गाने से ली गई है।

टॉक्सिक-धुरंधर के दौर में ट्रेंड फॉलो नहीं करते सुधांशु पांडे

बोले- मेरी हमेशा कोशिश रहती है कि मेरा हर काम नया ट्रेंड शुरू करे

मुंबई। एक्टर सुधांशु पांडे इन दिनों कलर्स के नए शो 'दो दुनिया एक दिल' को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वे बलदेव नाम के ऐसे

किरदार में नजर आ रहे हैं, जिसकी जिंदगी डिजिटल और रियल दुनिया के टकराव के बीच उलझी हुई है। शो में ऑनलाइन स्कैम, डिजिटल धोखाधड़ी और टेक्नोलॉजी के बढ़ते प्रभाव जैसे मुद्दों को ड्रामा के जरिए दिखाया गया है। सुधांशु पांडे ने टेक्नोलॉजी के फायदे-नुकसान, डिजिटल फ्रॉड के बढ़ते मामलों, बदलती स्टोरीटेलिंग और 'टॉक्सिक' और 'धुरंधर' जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स पर खुलकर बात की। उनका कहना है की मेरा हमेशा से मानना रहा है कि डिजिटल टेक्नोलॉजी जितनी हमारे लिए वरदान है, उतनी ही बड़ी अभिशाप भी बन सकती है। यह पूरी तरह हम पर निर्भर करता है कि हम इसका इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करते हैं या नुकसान के लिए। इसलिए यह समझना बहुत जरूरी है कि टेक्नोलॉजी हमारे जीवन में किस काम की है और हमें उस पर कितना निर्भर होना चाहिए। अगर हम बिना सोचे-समझे पूरी तरह उस पर निर्भर हो जाएं, तो यह हमें नुकसान भी पहुंचा सकती है। मेरे आसपास मैंने कई ऐसे किस्से सुने हैं, जहां लोगों का बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। कुछ लोगों के तो 60-70 लाख रुपये तक उड़ गए। मुझे लगता है कि लोग समझते तो हैं, लेकिन अभी भी जागरूकता उतनी नहीं है जितनी होनी चाहिए। स्कैम लगातार होते रहते हैं। फोन, मैसेज और लिंक के जरिए। आप दस बार सावधान रहेंगे, लेकिन अगर ग्यारहवीं बार भावनाओं में आकर किसी लिंक पर क्लिक कर दिया, तो नुकसान हो सकता है। इसलिए कॉन्शियस अवेयरनेस बहुत जरूरी है। हमारा शो भी इसी मुद्दे को एक ह्यूमन स्टोरी और ड्रामा के जरिए सामने लाता है, जिसमें दिखाया गया है कि लोग कैसे फंसते हैं और कैसे सतर्क रहकर इससे बच सकते हैं। उन्होंने बताया की मेरा मानना है कि हर दौर में उसी समय के हिसाब से कहानियां कही जाती रही हैं। कुछ कहानियां अपने समय से आगे भी होती थीं। फर्क सिर्फ इतना है कि आज मीडियम्स बहुत बढ़ गए हैं। अलग-अलग प्लेटफॉर्म आ गए हैं। इसलिए कहानियों की डिमांड और विविधता भी बढ़ी है। आज फिल्ममेकर के पास ज्यादा स्कोप है कि वह अलग-अलग तरह की कहानियां कह सके। यही वजह है कि अब ऐसे विषय भी सामने आ रहे हैं, जिन्हें पहले कम एक्सप्लोर किया जाता था। इनमें रियलिस्टिक, फैंटेसी और कई तरह के अलग-अलग सब्जेक्ट शामिल हैं।मैंने पर्सनली कभी भी अपनी लाइफ में ट्रेंड्स को फॉलो नहीं किया। यह कहना कि आज के समय में जब धुरंधर जैसी फिल्में आ रही हैं, जहां नेगेटिव कैरेक्टर्स को काफी ग्लोरिफाई किया जा रहा है, तो ऐसे में बलदेव का किरदार कहां फिट बैठता है। अगर वह इस दौर में नेचुरली फिट हो रहा है, तो यह अच्छी बात है। क्योंकि यह भी एक ग्रे शेड्स वाला कैरेक्टर है। लेकिन मैं सिर्फ इसलिए कोई काम नहीं कर सकता कि वह ट्रेंड में चल रहा है। मैंने अपनी जिंदगी में कभी भी ऐसा कुछ नहीं किया जो सिर्फ ट्रेंड को देखकर किया गया हो। मेरी हमेशा कोशिश रहती है कि मैं जो भी काम करूं, उससे एक नया ट्रेंड शुरू हो।पहले भी मैंने जिन किरदारों को निभाया है, उनसे एक अलग ट्रेंड देखने को मिला था। इसलिए मेरी उम्मीद है कि इस शो में जो किरदार मैं निभा रहा हूं, उससे भी दर्शकों के बीच एक नया ट्रेंड शुरू हो सकता है।

एक्टर रणदीप हुड्डा पिता बने,पत्नी लिन ने बेटी को जन्म दिया

सोनीपत। हरियाणा के रहने वाले बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा पिता बन गए हैं। उनकी पत्नी लिन लैशराम ने बेटी को जन्म दिया। रणदीप हुड्डा ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पोस्ट कर इसकी

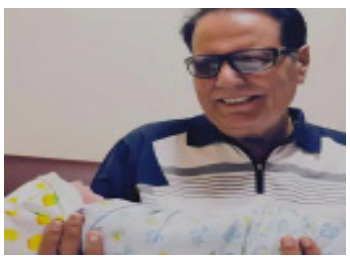

जानकारी दी। रणदीप के पिता रणवीर हुड?डा का भी आज ही जन्मदिन है। रणदीप ने अपने पिता और बेटी की फोटो शेयर करते हुए हरियाणवी में लिखा, 'दादा अर पोती नै जन्मदिन की घणिए बधाई।' इसके बाद रणदीप ने इंग्लिश में लिखा, 'पापा आज, जब मैं पिता बना हूं, तो आपके लिए मेरा सम्मान और भी गहरा हो गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात- लिन, मुझे पिता बनाने और हमारी छोटी बच्ची को इस दुनिया में लाने के लिए धन्यवाद। एक छोटी लड़की और जीवनभर का प्यार।' रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम ने 29 नवंबर 2023 को मणिपुर के इंफाल में पारंपरिक मैतेई रीति-रिवाज से शादी की थी।एक दिन पहले रणदीप हुड?डा की पत्नी लिन लैशराम ने इंस्टाग्राम पर बेबी बंप के साथ फोटो शेयर की थीं। लिन ने लिखा- कैमरे के सामने काम करते हुए सालों तक अपने शरीर को लेकर कई तरह की असुरक्षाएं महसूस होती थीं। कभी बहुत पतली, कभी बहुत मोटी या कभी किसी और वजह से, लेकिन अब प्रेग्नेंसी के दौरान अपने शरीर का यह बदलाव सबसे खूबसूरत लग रहा है। आज वह अपने शरीर की आलोचना नहीं करतीं, बल्कि इस बदलाव के लिए आभारी हैं। पिता सर्जन, मां सामाजिक कार्यकर्ताः रणदीप हुड्डा का जन्म 20 अगस्त 1976 को हरियाणा के रोहतक में एक हरियाणवी जाट परिवार में हुआ। उनके पिता डॉ. रणबीर सिंह हुड्डा एक मेडिकल सर्जन हैं, और माता आशा हुड्डा सामाजिक कार्यकर्ता हैं। उनका बचपन अपनी दादी के साथ बीता है, क्योंकि उनके माता-पिता काम के सिलसिले में अक्सर बाहर रहते थे। उनकी बड़ी बहन अंजलि हुड्डा सांगवान डॉक्टर हैं। छोटे भाई संदीप हुड्डा सिंगापुर में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। तैराकी, घुड़सवारी में मेडल जीत चुकेः रणदीप ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सोनीपत के राई स्थित मोतीलाल नेहरू स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स से पूरी की। यहां उन्होंने तैराकी और घुड़सवारी में राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीते। स्कूल में उन्होंने थिएटर में भी रुचि दिखाई और कई नाटकों में भाग लिया, जिनमें से एक का निर्देशन भी किया। बाद में उनका तबादला दिल्ली पब्लिक स्कूल, आरके पुरम में हो गया। ऑस्ट्रेलिया में टैक्सी ड्राइवर बनेः 1995 में हुड्डा ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न चले गए, जहां उन्होंने मार्केटिंग में ग्रेजुएशन और व्यवसाय प्रबंधन एवं मानव संसाधन प्रबंधन में मास्टर डिग्री प्राप्त की। वहां रहते हुए उन्होंने चीनी रेस्टोरेंट, कार वॉश, वेटर और टैक्सी ड्राइवर जैसे काम किए। 2000 में भारत लौटने के बाद उन्होंने एक एयरलाइन के मार्केटिंग विभाग में काम किया, और साथ ही दिल्ली में मॉडलिंग और थिएटर में भी हाथ आजमाया। 2023 में मणिपुर की एक्ट्रेस से शादी कीः 'टू टीच हिज ओन' नाटक की रिहर्सल के दौरान निर्देशक मीरा नायर की नजर उन पर पड़ी और उन्हें फिल्म में काम का प्रस्ताव मिला। रणदीप हुड्डा ने नवंबर 2023 में मणिपुरी एक्ट्रेस और मॉडल लिन लैशराम से शादी की। मां ने पोस्ट किया-हमारे घर आई नन्हीं राजकुमारीः रणदीप हुड्डा की माता आशा हुड्डा ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से पोस्ट शेयर किया है। जिसमें लिखा- भगवान की कृपा से हमारे घर एक नन्हीं राजकुमारी का आगमन हुआ है और आज हम दादा-दादी बन गए हैं। भगवान उसे जीवन में सुख, स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दें।

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।